@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 338 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

गुजरात सरकार के सभी 16 मंत्रियों का इस्तीफा

आज 11.30 बजे नई कैबिनेट की शपथ

● 8 नए चेहरे शामिल हो सकते हैं

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात सरकार के सभी मंत्रियों ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया है। आज गांधीनगर में सुबह 11.30 बजे नई कैबिनेट का शपथ समारोह होगा। सरकार के 16 में से 8 मंत्रियों के बदले जाने की संभावना है। गुजरात की मौजूदा कैबिनेट में सीएम पटेल समेत 17 मंत्री हैं। जिसमें आठ कैबिनेट रैंक के मंत्री हैं, जबकि इतने ही राज्य मंत्री (MoS) हैं। सभी भाजपा विधायकों और मंत्रियों को 2 दिन तक गांधीनगर में मौजूद रहने के निर्देश दिए गए हैं। जिन विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह मिलनी है, उन्हें फोन कर सूचना दे दी गई है।

शपथ समारोह में भाजपा के केंद्रीय नेताओं अमित शाह, जेपी नड्डा की उपस्थिति में होगा। गांधीनगर के महात्मा मंदिर में शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। गांधीनगर के महात्मा मंदिर में शपथ ग्रहण की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

कांग्रेस से आए नेताओं को मिल सकता है मंत्रीपद

नए मंत्रिमंडल में 16 में से 7-10 मंत्रियों को ड्रॉप करने और 5-7 मंत्रियों को रिपीट किए जाने की चर्चा है। नए चेहरों में कांग्रेस से आए अर्जुन मोढवाड़िया, अल्पेश ठाकोर, सीजे चावड़ा और हार्दिक पटेल को मौका मिल सकता है। सौराष्ट्र से जयेश रादडिया और जीतू वाघानी को मंत्रिमंडल में जगह मिलना तय है। खासकर पाटीदारों और उत्तर गुजरात से ठाकोर समुदाय को तवज्जो दिया जाएगा। इसके अलावा, जिन राज्य मंत्रियों को हटाए जाने की संभावना है, उनमें मत्स्य पालन और पशुपालन मंत्री पुरुषोत्तम सोलंकी, पंचायत मंत्री बच्चूभाई खाबर, वन एवं पर्यावरण मंत्री मुकेश पटेल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री भीखूसिंह परमार और आदिवासी विकास मंत्री कुंवरजी हलपति शामिल हैं।

जैसलमेर बस अग्रिकांड में मृतकों की संया 22 पहुंची, आठ अब तक गंभीर

एजेंसी

जोधपुर। जैसलमेर से जोधपुर आ रही बस में आगजनी की हृदयविदारक दुर्घटना में गुरुवार को एक और घायल ने दम तोड दिया। हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर अब 22 हो गई है। तेरह लोग अब भी अस्पताल में भर्ती है, जिनमें आठ लोग गंभीर रूप से है।जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए हैं। इधर, जोधपुर में डीएनए परीक्षण एवं पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूर्ण होने पर जिला प्रशासन ने शव उनके परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। जिला प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रत्येक शव को पूर्ण सम्मान एवं संवेदनशीलता के साथ उनके पैतृक गांव या निवास स्थान तक पहुंचाया जाए। जिला प्रशासन की ओर से प्रत्येक एम्बुलेंस के साथ एक सरकारी कर्मचारी एवं एक पुलिस कांस्टेबल को भेजा जा रहा है, ताकि मार्ग में किसी प्रकार की असुविधा या परेशानी न हो। प्रशासन की प्राथमिकता है कि इस कठिन समय में प्रत्येक परिजन को हरसंभव सहयोग एवं सहायता उपलब्ध कराई जाए। यह संपूर्ण प्रक्रिया संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण से की जा रही है। जोधपुर और जैसलमेर दोनों जिलों की टीमें निरंतर संपर्क और समन्वय में हैं, ताकि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहयोग समय पर प्राप्त हो सके।

सीबीआई का बड़ा एक्शन: डीआईजी रोपड़ रेंज हरचरण भुल्लर गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। सीबीआई ने डीआईजी रोपड़ रेंज हरचरण भुल्लर गिरफ्तार को गिरफ्तार किया है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें मोहाली से पकड़ा गया है। सीबीआई ने रिश्वत की शिकायत मिलने पर ट्रैप लगाकर भुल्लर को गिरफ्तार किया। पता चला है कि भुल्लर पर पांच लाख रुपये महीना लेने का आरोप है। चंडीगढ़ के सेक्टर-40 स्थित घर पर टीम परिवार के अन्य सदस्यों से पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है भुल्लर के पास से एक डायरी मिली है, जिसमें मंथली का रिकॉर्ड मिला है।

सूत्रों के अनुसार, सीबीआई पिछले कुछ दिनों से भुल्लर पर नजर रख रही थी। आज ट्रैप लगाकर उन्हें पांच लाख रुपये लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं भुल्लर को पकड़ने के बाद चंडीगढ़ और रोपड़ में उनके ठिकानों पर सीबीआई ने दबिश दी है। हालांकि अभी सीबीआई की तरफ से इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। बताया जा रहा है कि पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप लगाकर उन्हें दबोचा है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि सीबीआई टीम ने उन्हें कहां से

▶▶ रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए

कारोबारी से जुड़े मामले में यह कार्रवाई की गई है। कारोबारी की तरफ से डीआईजी के खिलाफ सीबीआई को शिकायत दी गई थी। शिकायत के बाद सीबीआई ने ट्रैप पकड़ा है। इस हाई प्रोफाइल मामले से पंजाब पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। सीबीआई जल्द ही डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को अदालत में पेश कर सकती है।

जेपी नड्डा ने की पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से मुलाकात की। यह मुलाकात 'भाजपा को जानें' पहल के तहत हुई। मुलाकात के बाद एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए नड्डा ने कहा कि आज नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर 'भाजपा को जानें' पहल के तहत ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की मेज़बानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस मौके पर उन्होंने ऋषि सुनक और उनके परिवार को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। नड्डा ने कहा कि मुलाकात के दौरान भारत-ब्रिटेन के प्रगाढ़ होते संबंधों और ज़मीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवा को मज़बूत करने के लिए तकनीक का लाभ उठाने के भारत के प्रयासों पर चर्चा की गई। इसके साथ भाजपा के मज़बूत संगठनात्मक ढांचे, हर स्तर पर लोगों से उसके गहरे जुड़ाव और समावेशी, विकासोन्मुखी शासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता के बारे में भी जानकारी साझा की।

छठ पर्व पर यमुना होगी निर्मल, न झाग होगा और न ही प्रदूषण: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

कौमी पत्रिका
नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कल कालिंदी कुंज (मदनपुर खादर) क्षेत्र में यमुना नदी की सफाई और झाग नियंत्रण के लिए बरती जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने वहां यमुना के पानी की जांच के लिए कार्य कर रहे ऑन-साइट लैब सेटअप की रिपोर्ट की भी जांच की और यमुना नदी के पानी की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। यह लैब दिल्ली जल बोर्ड के ट्रीटमेंट प्लांट एंड क्वालिटी कंट्रोल विंग के तहत कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री का यह भी कहना था कि कुछ लोग यमुना की स्थिति को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनसे बचना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने फिर दोहराया कि छठ पर्व के दौरान यमुना में इस बार झाग नहीं दिखाई देगा और श्रद्धालु यमुना नदी में पूरे मनोयोग से इस पर्व को मनाएंगे। मुख्यमंत्री के साथ इस दौरे में विकास व पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा भी थे। यमुना नदी के पानी की जांच व अन्य जानकारी लेने के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि आज यमुना नदी के जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा 4.0 मिलीग्राम प्रति लीटर पाई गई। यह मात्रा नदी के लिए पर्याप्त है और जलीय जीवों के जीवन के लिए उपयुक्त मानी जाती है। यह मात्रा अगर 2 या उससे नीचे हो तो यमुना व जलजीवों के लिए खतरा बन सकती है। मुख्यमंत्री के अनुसार एक समय था, जब यमुना में ऑक्सीजन लेवल शून्य से भी नीचे चला गया था और उस स्थिति में किसी भी जलीय जीव का जीवित रहना असंभव था। आज जो सुधार देखा जा रहा है, वह दिल्ली में लगातार डीसिल्टिंग, आधुनिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के पुनरुद्धार और नालों के टैपिंग से संभव हुआ है।

शेष पृष्ठ 3 पर

उपेंद्र कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं से कहा-

एनडीए की जीत के लिए एड़ी-चोटी एक कर दें

एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की 'नाराजगी' अब दूर हो गई है। इसके संकेत उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दिए हैं। गुरुवार को उपेंद्र कुशवाहा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को एनडीए की जीत के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाने की अपील की। राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसको लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने गुरुवार को एक्स पोस्ट में लिखा, 'राष्ट्रीय लोक मोर्चा के समस्त साथियों को निर्देशित किया जाता है कि राज्य के सभी 243 सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की शत-प्रतिशत जीत सुनिश्चित करने के लिए जी-जान से लग जाएं। एड़ी-चोटी एक कर दें। बिहार है तैयार, एनडीए सरकार।

मानसिक अस्वस्थ महिला के लिए फरिश्ता बनी दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की रहने वाली मानसिक अस्वस्थ एक गर्भवती महिला किसी तरह घूमते हुए दिल्ली पहुंच गई। सीमापुरी इलाके में एक सितंबर को महिला रोते हुए पुलिस को मिली। पूछताछ करने पर महिला बस अपना नाम और जिले का ही नाम बता पा रही थी। महिला की हालत को देखते हुए पुलिस ने उसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में कोर्ट के आदेश पर महिला को इहबास अस्पताल में भेज दिया गया। वहां महिला ने समय पूर्व एक बच्ची को जन्म भी दिया, लेकिन बच्ची की जान नहीं बच पाई। पुलिस लगातार उसके परिवार की तलाश में जुटी रही। करीब 37 दिन बाद पुलिस की मेहनत रंग लाई और आखिर उसके परिवार को ढूंढ ही लिया गया। मानसिक अस्वस्थ महिला ने अपने परिवार को पहचान लिया और बेहद खुश हुई। महिला के मिलने के बाद परिवार भी पुलिस का धन्यवाद करते नहीं थक रहे। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने महिला के परिवार को तलाश करने वाली टीम को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। महिला का परिवार मिलने के बाद पुलिसकर्मी भी बेहद खुश हैं। पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि एक सितंबर को करीब 21 साल की गर्भवती महिला सीमापुरी पुलिस को मिली। महिला बुरी तरह रोकर अपने परिवार को याद कर रही थी। महिला एसआई अनुपम ने उससे पूछताछ की तो महिला ने अपने पति व जिले नाम टीकमगढ़, मध्य प्रदेश बताया, इसके अलावा वह कुछ नहीं बता पा रही थी। उसकी मानसिक स्थित बहुत ठीक नहीं थी। टीम ने फौरन उसे जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उसकी जांच और इलाज हुआ। तबीयत में सुधार होने के बाद महिला को 4 सितंबर को कोर्ठ में पेश किया तो अदालत ने उसे इहबास अस्पताल भेजने के अलावा वहां निदेशक को उसके इलाज की विस्तृत रिपोर्ट अदालत को देने के लिए कहा। 7 सितंबर को महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। चूंकि छह माह में ही बच्ची ने जन्म लिया था, इसलिए उसकी जान नहीं बच सकी। अब पुलिस को उसके परिवार की तलाश करना था। हवलदार अंकुश और सिपाही राज देशवाल को टीकमगढ़, मध्य प्रदेश भेजा गया, लेकिन उसके परिवार का कुछ पता नहीं चल सका। टीम वापस लौट आई। इस बार महिला ने बाघेश्वर धाम में परिवार के रहने की बात बताई। पुलिस ने कई समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया, कोई फायदा नहीं हुआ। इस बीच दोबारा हवलदार अंकुश व सिपाही राम देशवाल को बाघेश्वर धाम भेजा गया। वहां कुछ लोगों ने महिला को पहचान लिया। बाद में उसके परिवार को दिल्ली लाकर सात अक्तूबर को परिवार से मिलवा दिया गया। औपचारिताएं पूरी करने के बाद महिला को परिवार के हवाले कर दिया गया।

धोखाधड़ी के केस में शिल्पा शेट्टी को नहीं मिली लॉस एंजेलिस जाने की अनुमति, रद्द किया प्लान

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर 60 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में जारी लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) की वजह से शिल्पा को विदेशी यात्रा की अनुमति नहीं मिल पा रही है, जिसके चलते उन्होंने लॉस एंजेलिस जाने के प्लान को रद्द कर दिया। एक्ट्रेस ने यूट्यूब के एक इवेंट में जाने के लिए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन अदालत ने उन्हें मंजूरी नहीं दी। उनके वकील ने बताया कि शिल्पा अपनी इस यात्रा की याचिका वापस ले रही हैं और दिसंबर में जब उन्हें फिर से विदेश जाना होगा, तब वे नई याचिका दाखिल करेंगी। धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था, जिसके कारण दोनों की विदेश यात्रा पर रोक थी। कोर्ट में याचिका दाखिल करने के बावजूद उन्हें अब तक कोई राहत नहीं मिली है। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता दीपक कोठारी के वकील ने एक नया आरोप भी लगाया है। शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा पर लगाए गए आरोप 2015 से 2023 के बीच बिजनेसमैन दीपक कोठारी द्वारा कंपनी में 60 करोड़ रुपए निवेश करने से जुड़े हैं। कोठारी का आरोप है कि दोनों ने इन पैसों का इस्तेमाल व्यवसाय में करने की बजाय अपने निजी खर्चों में किया।

मेस्टन रोड पर पटाखों में हुए विस्फोट के दौरान गंभीर झुलसे एक की मौत

कानपुर। मेस्टन रोड में पटाखों में हुए धमाके से गंभीर रूप से झुलसे चार पीड़ितों में से अब्दुल मितालिब की मंगलवार दोपहर केजीएमयू में इलाज के दौरान मौत हो गई। अब्दुल को फ्रैक्चर भी हुआ था। वह पहले से गुर्दा रोगी था। केजीएमयू में भर्ती तीन में से दो रोगियों की हालत स्थिर है। उनकी तबीयत में सुधार हो रहा है। हादसे में महिला सुहाना का शरीर ज्यादा जला था लेकिन अब उसके घाव भरने लगी हैं। अश्विनी कुमार की भी हालत ठीक है। प्लास्टिक सर्जन डॉ. ब्रजेश मिश्रा ने बताया कि अब्दुल को पहले से गुर्दों में दिक्कत थी। वो डायलिसिस पर था। उसकी दोनों किडनी फेल हो चुकी थीं। दोपहर को उसकी मौत हो गई। अब्दुल पर ही चोरी की स्कूटी चलाने का आरोप था। वह पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में चोरी की स्कूटी चलाता दिखा था। वहीं, चौथा रोगी रईसुद्दीन का शहर के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

श्रद्धांजलि सभा

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैन दहति पावकः ।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शैषयति मारुतः ।।

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्यनीय पिता जी

श्री कृष्ण लाल मल्होत्रा जी

का स्वर्गवास रविवार दिनांक **05** अक्टूबर **2025** को हो गया है

उनकी आत्मिक शांति हेतु प्रार्थना सभा

शुक्रवार दिनांक **17** अक्टूबर **2025** को होगी

भोजन लंगर ....दोपहर **2.00** बजे सायं

प्रार्थना सभा............दोपहर **3.00** से **5.00** बजे सायं

स्थान :- अजमल खान पार्क, लॉन नंबर **2**, करोल बाग, दिल्ली- **110005**

शोकाकुल

मल्होत्रा परिवार

आपकी प्रेरणा व आशीर्वाद से ये सेवा निरंतर चलती रहेगी

- निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा
- निःशुल्क अस्थि विसर्जन सेवा
- निःशुल्क अंतिम संस्कार सेवा
- निःशुल्क वृद्ध आश्रम सेवा
- बीमार गायों की सेवा उपचार सेवा

पुत्र : चरणजीव मल्होत्रा
(कोरोना योद्धा, समाज सेवक)
Mob. : 9717263888

निमिषा प्रिया मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2026 में

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल निवासी निमिषा प्रिया को यमन में एक नागरिक की हत्या के मामले में फांसी की सज़ा सुनाई गई है। वहीं भारत में निमिषा प्रिया को बचाने के लिए सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट अब मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2026 में करेगा। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने अदालत को बताया कि मामले में एक नया मीडिएटर (मध्यस्थ) सामने आया है और अभी तक कोई प्रतिकूल बात नहीं हुई है। कोर्ट ने कहा कि अगर इस बीच कोई नया डेवलपमेंट (घटनाक्रम) होता है तो अदालत से जल्द सुनवाई की मांग की जा सकती है। निमिषा के वकील ने मांग की है कि सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार को डिप्लोमेटिक चैनल के जरिए यमन सरकार से बात करने और फांसी पर जल्द से जल्द रोक लगाने का आदेश दे। निमिषा को 2017 में यमन की अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी। उनकी फांसी 16 जुलाई 2025 को होनी थी, लेकिन इसे अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल ने केंद्र सरकार से एक प्रतिनिधिमंडल को यमन भेजने की अनुमति मांगी थी, ताकि यमन के कानून के अनुसार पीड़ित परिवार से क्षमादान (ब्लड मनी देकर) मिल सके। विदेश मंत्रालय ने यमन में गंभीर सुरक्षा जोखिमों (सशस्त्र संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता) का हवाला देते हुए प्रतिनिधिमंडल भेजने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश मामला : पायलट सुमीत के पिता पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, जांच पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 क्रैश की जांच को लेकर मृत पायलट सुमीत सभरवाल के पिता पुष्कराज सभरवाल और इंडियन पायलट्स फेडरेशन ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उन्हें एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की जांच पर अब भरोसा नहीं रहा, इसलिए इस मामले की कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए। याचिका में मांग की गई है कि जांच के लिए नई टीम गठित की जाए, जिसमें स्वतंत्र स्पेशलिस्ट और एविएशन एक्सपर्ट शामिल हों। याचिकाकर्ताओं ने यह भी अपील की है कि एएआईबी की मौजूदा जांच प्रक्रिया बंद की जाए और सभी सबूत सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में बनने वाली कमेटी को सौंपे जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर दिवाली के बाद सुनवाई करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की बोइंग 787-8 फ्लाइट एआई-171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इस भीषण हादसे में 270 लोगों की मौत हो गई थी। विमान के मुख्य पायलट सुमीत सभरवाल और को-पायलट क्लाइव कुंदर की भी घटना में मौत हो गई थी। यहां बताते चलें कि एएआईबी ने अपनी 12 जुलाई की प्रारंभिक रिपोर्ट में इस हादसे के लिए पायलट की गलती को जिम्मेदार बताया था। रिपोर्ट में कहा गया कि टेकऑफ के बाद फ्यूल कट-ऑफ स्विचेस बंद कर दिए गए थे, लेकिन कॉकपिट की ऑडियो रिकॉर्डिंग से यह स्पष्ट नहीं हो सका कि ऐसा क्यों हुआ। इस निष्कर्ष पर परिवार और पायलट संगठनों ने नाराजगी जताई थी। 91 वर्षीय पुष्कराज सभरवाल ने पहले ही केंद्र सरकार से हादसे की नई जांच की मांग की थी और एएआईबी की रिपोर्ट की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे।

दिल्ली में दिवाली के बाद कृत्रिम बारिश की तैयारी, मौसम विभाग की मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में दिवाली से पहले ही वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। बुधवार को दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के पार दर्ज किया गया था। बढ़ते प्रदूषण पर काबू पाने के लिए दिल्ली सरकार ने क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश की योजना तैयार कर ली है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिवाली के एक दिन बाद चुनिंदा इलाकों में कृत्रिम बारिश कराई जा सकती है। मौसम विभाग की हरी झंडी मिलते ही यह प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। सिरसा ने कहा कि ब्लास्टिंग या स्प्रे के जरिए क्लाउड सीडिंग का सैंपल टेस्ट किया जाएगा। हम बादलों के छाने का इंतजार कर रहे हैं। सभी तकनीकी और लॉजिस्टिक तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मंत्री ने बताया कि इस अभियान के लिए दो पायलटों को चार दिन की विशेष ट्रेनिंग दी गई है। जैसे ही प्रक्रिया शुरू होगी, तीन घंटे में इसका असर दिखाई देने लगेगा। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। बुधवार को दिल्ली के 5 प्रमुख केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर 300 से ऊपर दर्ज किया गया, इनमें आनंद विहार : 345, द्वारका सेक्टर-8ः 314, वजीरपुर : 325, सीआरआरआई मथुरा रोडः 307 और डीयू नॉर्थ कैंपस : 307 एक्यूआई दर्ज की गई। कुल मिलाकर, दिल्ली के 20 मॉनिटरिंग सेंटरों पर वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में और 13 केंद्रों पर 'मध्यम' श्रेणी में दर्ज की गई।

ममता सरकार ने खांसी की सिरप की बिक्री और मार्केटिंग को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार के ड्रग कंट्रोल डायरेक्टोरेट ने राज्य में खांसी की सिरप की बिक्री और मार्केटिंग को लेकर नई गाइडलाइंस और निर्देश जारी किए हैं। यह फैसला जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में किसी भी अनहोनी से बचने के लिए लिया गया है। यह कदम कोल्ड्रिफ नामक खांसी की सिरप पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उठाया गया है। इस सिरप के सेवन से मध्यप्रदेश में बच्चों की मौत हुई थी, जिसके बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने भी प्रतिबंधित कर दिया था। मुख्य नई गाइडलाइंस के मुताबिक कोई भी दुकानदार/कंपनी किसी अन्य कंपनी द्वारा निर्मित दवा को अपने नाम से तब तक नहीं बेच सकेगी जब तक कि उनके पास उस कंपनी के साथ लिखित समझौता न हो। दवाओं की मार्केटिंग करने वाली कंपनियों को अब दवा की गुणवत्ता और कानूनी जिम्मेदारियों के लिए निर्माता कंपनी के साथ बराबर जिम्मेदार माना जाएगा। जो कंपनियाँ पश्चिम बंगाल के बाहर से दवाएँ बनवाकर यहाँ बेच रही हैं, उन्हें अपने निर्माण समझौते की एक कॉपी 15 दिनों के भीतर ड्रग कंट्रोल विभाग को आधिकारिक ईमेल पर जमा करनी होगी।

क्या नितिन गडकरी दोबारा से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे?

केंद्रीय मंत्री बोले- यह सवाल मुझसे नहीं वर्तमान अध्यक्ष से पूछो

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम मोदी सरकार को लेकर बड़ी बात कही है। गडकरी ने कहा कि 50 से 60 साल की तुलना में पिछले 11 साल में हर सेक्टर में जितना काम हुआ है, उससे कॉन्फिडेंस बढ़ा है। जब गडकरी से सवाल किया कि बीजेपी को अगला नेशनल प्रेसिडेंट मिलने में देरी क्यों हो रही है? क्या नितिन गडकरी दोबारा से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे? इसपर गडकरी ने कहा कि बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष से यह सवाल पूछा जा रहा है। गडकरी ने साफ कहा कि वे पार्टी के नेशनल प्रेसिडेंट बनने की दौड़ में नहीं हैं।

बता दें नितिन गडकरी पूर्व में भी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। बीजेपी में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन होना है, लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस बाबत जब नितिन गडकरी से सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि आपको पूर्व के बजाय वर्तमान अध्यक्ष से इसके बारे में पूछना चाहिए। साथ ही उन्होंने पार्टी अध्यक्ष का पद फिर से संभालने की संभावना से इनकार कर दिया।

गडकरी ने साफ कहा कि वह बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनने जा रहे हैं। उन्होंने रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के सेक्टर में जबरदस्त काम किया है। सड़क निर्माण में नई तकनीक के इस्तेमाल को उन्होंने बढ़ावा दिया है। गडकरी पर कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के कई नेताओं का कहना है कि गडकरी पॉलिसी बनाते हैं और उनका बेटा प्रॉफिट कमाता है। विपक्षी दल का आरोप है कि इथेनॉल को लेकर बनाई गई नीति का सबसे ज्यादा फायदा गडकरी परिवार को मिला है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आरोप का जवाब देते हुए कहा कि हमारे देश में 1400 करोड़ इथेनॉल सरकार खरीदती है। इथेनॉल आने से पहले हमारी शुगर फैक्ट्री थी। करीब 500 से 550 उद्योग इथेनॉल सप्लाई करते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इथेनॉल का टेंडर निकलता है और इसकी कीमत से जुड़े प्रपोजल को कैबिनेट पास करता है। गडकरी ने आगे कहा कि हमारे देश में 22 लाख करोड़ रुपए के फॉसिल फ्यूल (डीजल-पेट्रोल) का आयात होता है। वे इथेनॉल, मिथेनॉल, एलएनजी का प्रचार ग्रीन एनर्जी के लिहाज से करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गडकरी ने फॉसिल फ्यूल और एयर पॉल्यूशन के कनेक्शन पर कहा कि दिल्ली इसके बारे में बेहतर जानते हैं। दिल्ली में 40 फीसद प्रदूषण फॉसिल फ्यूल से होता है, जिससे लोगों की उम्र कम हो रही है। इसके साथ ही 22 लाख करोड़ रुपया देश की इकोनॉमी से बाहर जा रहा है। ऐसे में क्या भारत को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर नहीं बनना चाहिए? इथेनॉल से गाड़ियों के नुकसान होने के

आरोप को भी खारिज किया। उन्होंने इथेनॉल पॉलिसी से अपने परिवार को फायदा होने के आरोपों को खारिज कर दिया।

उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फबारी शुरू, यूपी में दिखने लगा असर गिर रहा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी शुरू हो गई है। इसका असर यूपी में दिखने लगा है। प्रदेश में दिन और रात के तापमान में धीरे-धीरे गिरावट हो रही है। सुबह और रात के वक्त अब ठंडक महसूस होने लगी है और लोगों ने एसी-कूलर का इस्तेमाल बंद कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक दिवाली के बाद से यूपी में ठंड और बढ़ सकती है। धीरे-धीरे तापमान में गिरावट आएगी और सर्द हवाएं अपना असर दिखाना शुरू करेंगी। लखनऊ के अमौसी स्थित आंचलिक मौसम केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक 16 अक्टूबर को पूरे यूपी में मौसम शुष्क रहेगा। बारिश या तेज हवाओं की कोई संभावना नहीं है। सभी 75 जिले ग्रीन जोन में हैं यानी किसी भी मौसम संबंधी अलर्ट की जरूरत नहीं है। गुरुवार को जिन जिलों में मौसम साफ और सामान्य रहने की संभावना है, उनमें शामिल हैं कानपुर, गाजियाबाद, मेरठ, प्रयागराज, प्रतापगढ़, आगरा, वाराणसी, अलीगढ़, झांसी, अमेठी, रायबरेली, सुल्तानपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, मिर्जापुर, चंदौली, जौनपुर, महराजगंज, बरेली, रामपुर, कन्नौज, इटावा, मैनपुरी, शामली आदि। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि अब प्रदेश में उत्तर-पश्चिम दिशा से हल्की ठंडी हवाएं चल रही हैं। यही हवाएं धीरे-धीरे तापमान को नीचे ले जाएंगी। आने वाले दिनों में इसका असर ज्यादा दिखेगा और ठंड बढ़ेगी। प्रदेश के प्रमुख शहरों में सबसे कम तापमान कानपुर में दर्ज किया गया है। 16.0 डिग्री सेल्सियस। बीते 2-3 दिनों से यहां न्यूनतम तापमान लगातार इसके आसपास बना हुआ है, जबकि लखनऊ, अयोध्या, मेरठ, नोएडा, आगरा और झांसी में तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है।

श्रीलंकाई पीएम अमरसूर्या बोलीं- देशों के बीच पुल बनाएं, दीवारें नहीं

-दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज में विद्यार्थियों को किया संबोधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने कहा, कि देशों के बीच दीवारें नहीं, पुल बनने चाहिए। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज में छात्रों को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने हिंदू कॉलेज में बतौर छात्र बिताए जीवन को भी याद किया। श्रीलंका की पीएम हरिनी अमरसूर्या ने कहा, कि हमें घरों, दफ्तरों और राष्ट्रों के बीच संवाद और सहयोग के पुल बनाने चाहिए, विभाजन की दीवारें नहीं खड़ी करनी चाहिए। यहां बताते चलें कि पीएम हरिनी अमरसूर्या हिंदू कॉलेज की पूर्व छात्रा रही हैं। उन्होंने अपने छात्र जीवन को याद करते हुए कहा, कि भारत में बिताए गए सालों ने उन्हें लोकतंत्र, विविधता और सह-अस्तित्व की समझ दी। कॉलेज की प्रिंसिपल अंजू श्रीवास्तव ने श्रीलंकाई पीएम का स्वागत किया। इस अवसर पर फैकल्टी सदस्य, छात्र और कई पूर्व छात्र भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री अमरसूर्या ने भारत की डिजिटल गवर्नेंस में हुई प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा, भारत ने यह दिखाया है कि डिजिटलाइजेशन किस तरह से शासन को पारदर्शी और जवाबदेह बना सकता है। श्रीलंका भारत के इस मॉडल का अध्ययन कर रहा है और इसे अपने देश में लागू करने की दिशा में विचार कर रहा है। दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की।

सीएम योगी आदित्यनाथ के दौरे से एनडीए की बढ़ जाएंगी मुश्किलें: पप्पू यादव

बिहार नफरत की भूमि नहीं, यह गुरु गोविंद, बुद्ध, लोहिया व शांति की धरती

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के बिहार दौरे पर तंज कसा। उन्होंने दावा किया कि योगी के दौरे से एनडीए की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार नफरत की भूमि नहीं है। यह गुरु गोविंद, महात्मा बुद्ध, लोहिया, जेपी, महात्मा गांधी, बाल्मीकि, राष्ट्रकवि दिनकर, विद्यापति और राजेंद्र बाबू की धरती है, जो शांति और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सीएम योगी को समझना चाहिए था कि बिहार नफरत की भूमि नहीं, शांति की भूमि है।

महागठबंधन में राजद और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे पर पप्पू यादव ने कहा कि कांग्रेस हमेशा अपने गठबंधन को मजबूत करती है और उसे सम्मान देती है। उन्होंने बताया कि गठबंधन की तैयारियां सुचारू रूप से चल रही हैं। उन्होंने कहा कि हम दो कदम पीछे हटकर गठबंधन को मजबूत करने को तैयार हैं, जिन्हें सीएम बनना है, उन्हें अहंकार छोड़ना होगा। हम सम्मान देने को तैयार हैं। सीट बंटवारे के फॉर्मूले पर उन्होंने कहा कि वह नाराज नहीं हैं जल्द ही स्थिति साफ हो जाएगी। पप्पू यादव ने कांग्रेस को बिहार में मजबूत करने का भरोसा जताया।

उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस कहे कि पप्पू यादव कोहिनूर है, तो बिहार एक तरफ हो जाएगा। राहुल गांधी बस हमें आशीर्वाद दे दें। उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान चल रही है। उन्होंने कहा कि एनडीए में कोई दिल्ली जा रहा है, कोई नाराज चल रहा है। सीएम चेहरा को लेकर पप्पू यादव ने कहा कि एनडीए भी बिना सीएम चेहरे के चुनाव लड़ रही है, लेकिन उनसे कोई सवाल नहीं करता। उन्होंने कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है, लेकिन चुनाव बाद क्या होगा, सभी को पता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी इसके संकेत दे दिए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस की उम्मीदवार सूची पर पप्पू यादव ने

कहा कि एनडीए को उनकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि महागठबंधन में सब ठीक है और जल्द ही कांग्रेस अपने उम्मीदवारों की सूची करेगी।

कांग्रेस नेता का मोदी सरकार पर हमला...भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा ट्रंप कर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा के दावे पर बढ़ते विवाद के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने केंद्र पर कटाक्ष कर कहा कि भारत सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति करते है। कांग्रेस नेता रमेश ने बताया कि भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी में की है। यहाँ से तारीफ, वहाँ से टैरिफ। कांग्रेस नेता रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद के समक्ष अमेरिकी व्यापार समझौते के बारे में विस्तृत जानकारी देने और बताने को कहा कि यह अभी तक क्यों नहीं हुआ है। रमेश ने कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि रूस से तेल खरीदने के पीछे की सच्चाई क्या है? अमेरिकी व्यापार समझौता अभी तक क्यों नहीं हुआ है? उन्हें संसद को विश्वास में लेना चाहिए, आम सहमति बनाना चाहिए। हमारी विदेश नीति पूरी तरह विफल रही है। राज्यसभा सांसद रमेश ने ट्रंप द्वारा किए गए दावों पर पीएम मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया, जिनमें व्यापारिक धमकियाँ देकर भारत-पाकिस्तान युद्ध रोकना और यह दावा करना शामिल है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। रमेश ने कहा, ट्रंप 51 बार दावा कर चुके हैं कि व्यापारिक धमकी देकर भारत-पाकिस्तान तनाव को कम करने के लिए वे ज़िम्मेदार हैं। दरअसल बुधवार को ट्रंप ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, और भारत ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह रूस से तेल नहीं खरीदेगा।

वह सैलरी लेने तो आती ही हैं, लेकिन बैठक के लिए बनाती हैं प्रेग्नेंसी का बहाना

महिला अधिकारी को लेकर कांग्रेस विधायक ने दिया विवादित बयान, मचा बवाल

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में चन्नागिरि से कांग्रेस विधायक शिवगंगा बसवराज ने एक प्रेग्नेंट वन अधिकारी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी है। उनके इस बयान का वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद महिला अधिकार संगठनों ने विधायक को 'सेक्सिस्ट' बताते हुए उनकी कड़ी निंदा की। विपक्षी बीजेपी ने इसको लेकर कांग्रेस सरकार पर हमला बोला है। वहीं इस मामले में सत्तारूढ़ पार्टी ने चुप्पी साध ली है। घटना कर्नाटक विकास कार्यक्रम (केडीपी) की तिमाही समीक्षा बैठक की है, जो हाल ही में चन्नागिरि में हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वन रेंज अधिकारी श्वेता की अनुपस्थिति पर विधायक बसवराज भड़क गए। बैठक में उन्होंने कहा कि अगर वह गर्भवती हैं, तो छुट्टी ले लें। काम करने की क्या जरूरत है? वह तो सैलरी लेने आती ही हैं, लेकिन प्रेग्नेंसी को बैठक में आने का बहाना बना लेती है। शर्म आनी चाहिए। हर बार यही बहाना। इससे पहले बैठक में नहीं आने पर अधिकारी ने कहा था- मैं गर्भवती हूं, डॉक्टर के पास जा रही हूं।

रिपोर्ट के मुताबिक विधायक बसवराज ने तो यहां तक कह डाला कि अधिकारी रिश्वत लेने

आती हैं और उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। वीडियो में अन्य अधिकारी असहज दिखे, लेकिन किसी ने विरोध नहीं किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। महिलाओं के अधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे कांग्रेस सरकार में महिला सशक्तिकरण की खोखली बातों का पर्दाफाश बताया। एस यूजर ने लिखा- कांग्रेस पूरे देश में महिलाओं का अपमान करती है और फिर महिला सशक्तिकरण का लेक्चर देती है। यह पहली बार नहीं है जब बसवराज विवादों में घिरे हैं। अगस्त 2025 में उन्होंने सीएम सिद्धरमैया को बदलने पर बयान देकर पार्टी से शो-कॉज नोटिस पा चुके हैं। इससे पहले उन्होंने अप्रैल में जाति सर्वे पर लिंगायत मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन इस बार का बयान महिलाओं से जुड़े होने के कारण ज्यादा संवेदनशील है। कार्यकर्ता मांग कर रहे हैं कि कांग्रेस विधायक को अयोग्य घोषित किया जाए। बीजेपी ने कहा कि सिद्धरमैया सरकार महिलाओं की सुरक्षा में नाकाम है। पूर्व सीएम बसवराज बोम्मई ने ट्वीट किया- कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ गया है।

अब केवल, बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर सर्वाधिक नक्सल प्रभावित जिले बचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में नक्सलवाद की जड़ों को समाप्त करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने पहले अगले वर्ष 31 मार्च तक की मियाद तय कर दी है। गृह मंत्रालय के आंकड़ें सफलता की कहानी बयां कर रहे हैं। मंत्रालय के अनुसार, अब देश में नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित जिलों की संख्या 6 से घटकर केवल 3 रह गई है। इनमें सिर्फ छत्तीसगढ़ का बीजापुर, सुकमा और नारायणपुर में नक्सल बचे हैं। वर्ष 2025 में नक्सल विरोधी अभियानों ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। जिसके तहत 312 वामपंथी कैडर मार गिराए गए, जिनमें सीपीआई (माओवादी) के महासचिव और पोलित ब्यूरो/केंद्रीय समिति के 8 सदस्य शामिल हैं। कुल 836 नक्सली गिरफ्तार किए गए। 1639 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, इनमें भी 1 पोलित ब्यूरो सदस्य और 1 केंद्रीय समिति सदस्य शामिल रहे। यह आँकड़े साफ बताते हैं कि नक्सल संगठन का शीर्ष नेतृत्व और संरचना दोनों गहराई से कमजोर हुई है।

मोदी सरकार ने नक्सलवाद से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण

आधारित राष्ट्रीय कार्य योजना और नीति लागू की है जिसके तहत सटीक सूचनाओं के आधार पर सुरक्षा बलों द्वारा त्वरित डॉमिनेशन और सुदूर क्षेत्रों में पहुँच, शीर्ष नेताओं और ओवर ग्राउंड वर्कर्स को निशाना बनाना, नक्सली विचारधारा का मुकाबला और प्रचार-तंत्र को ध्वस्त करना, सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी ढांचे का तेज विकास, कल्याणकारी योजनाओं का गहन क्रियान्वयन, नक्सलियों की वित्तीय सप्लाई लाइन को पूरी तरह बंद करना, केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय के साथ माओवादी मामलों की त्वरित जांच और अभियोजन को प्रमुखता दी गई। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री ने नक्सलवाद को भारत की सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती बताया था नक्सलियों ने नेपाल के पशुपति से लेकर आंध्र प्रदेश के तिरुपति तक एक लाल गलियारा बनाने की योजना बनाई थी। वर्ष 2013 में नक्सल-संबंधी हिंसा 126 जिलों में रिपोर्ट हुई थी। मार्च 2025 तक यह संख्या घटकर 18 जिलों तक रह गई और इनमें से केवल 6 ही सबसे अधिक प्रभावित की श्रेणी में थे। अब 2025 के अंत तक यह आंकड़ा और घटकर सिर्फ 3 सबसे अधिक प्रभावित जिले रह गया है।

बिल में छुपा मसूद अजहर... आंतकियों को मनोबल बढ़ने संगठन उसके एआई वीडियो प्रसारित कर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंतकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेम) का सरगना मसूद अजहर ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान में किसी बिल में छिपा हुआ है। भारतीय सशस्त्र बलों ने आपरेशन सिंदूर के दौरान उसके संगठन को बड़ा नुकसान पहुँचाया है और उसके कई करीबी लोग (जिसमें उसका भाई रऊफ अजगर भी शामिल है) ऑपरेशन में मारे गए हैं। जिसके बाद से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर मसूद अजहर डर के मारे किसी बिल में छुप गया है। दरअसल पाकिस्तानी सेना और आईएसआई भी चाहती हैं कि आंतकी मसूद अभी बिल में छुप रहे। क्योंकि भारतीय खुफिया एजेंसी की नजर आंतकी अजहर पर है। लेकिन आंतकी अजहर की इस चुप्पी ने जेम कार्यकर्ताओं को बेचैन कर दिया है और वे नेतृत्व की कमी महसूस कर रहे हैं।

पहले, अजहर के छिपने पर उसका भाई रऊफ अजगर संगठन का प्रभार लेता था, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर में अजगर भी मारा गया। अब, वैचारिक प्रमुख अजहर और ऑपरेशन प्रमुख अजगर दोनों की अनुपस्थिति में कार्यकर्ताओं का संगठन पर से विश्वास उठ रहा है। इसके लिए कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने के लिए, जेम नई शाखाएं खोलने और अन्य गतिविधियां शुरू करने की खबरें फैला रहा है। वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके अजहर की तस्वीरें और वीडियो बनाकर प्रसारित कर रहे हैं, ताकि कार्यकर्ताओं को यह विश्वास दिलाया जा सके कि उनका मुखिया सुरक्षित है। आंतकी संगठन को लगाता हैं कि इसतरह के प्रयास यदि सफल होते हैं तब भविष्य में संगठन को पुर्नजीवित किया जा सकता है। इसलिए अपने आंतकियों को एकजुट रखने के लिए जैश-ए-मोहम्मद अब एआई तकनीक का उपयोग कर रहा है। वहीं भारतीय एजेंसियों ने चेतावनी दी है कि जैश-ए-मोहम्मद कोई बड़ा हमला नहीं करेगा, लेकिन दुष्प्रचार वीडियो का प्रसार बढ़ा सकता है। जैश-ए-मोहम्मद के कमजोर होने और नेतृत्व की कमी से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष बढ़ने का डर है। कई जैश-ए-मोहम्मद कार्यकर्ता तालिबान के साथ पाकिस्तान के बिगड़ते संबंधों से भी नाखुश हैं, जिससे दलबदल का खतरा बढ़ गया है। वहीं पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई जैश-ए-मोहम्मद के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए भारत पर बड़ा हमला करने का विचार कर सकता है, लेकिन यह बहुत जोखिम भरा है क्योंकि उन्हें पता है कि भारत सरकार इसतरह के किसी भी दुस्साहस का कड़ा जवाब देगी।

चार अफसरों ने कॉलोनाइजर के साथ सेटिंग कर किया ये भ्रष्टाचार

बागपत। बड़ौत में कॉलोनाइजर के साथ मिलकर मीरापुर रजबहे की पटरी पर अवैध रूप से सड़क बनवाने के मामले में सिंचाई विभाग के चार अफसर दोषी मिले हैं। अधिशासी अभियंता ने इनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अधीक्षण अभियंता ड्रेनेज गाजियाबाद, प्रमुख सचिव के साथ ही डीएम व सीडीओ को कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी है। अब जल्द ही इनके खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। बड़ौत में मीरापुर रजबहे की पटरी पर अगस्त में सिंचाई विभाग के अफसरों से मिलीभगत करके कॉलोनाइजर ने अवैध रूप से सड़क बना दी थी। शिकायत के बाद कार्य पर रोक लगा दी गई थी, लेकिन कॉलोनाइजर ने और सिंचाई विभाग के अफसरों ने दोबारा खेल करते हुए सड़क बना दी। इसको लेकर सिंचाई बंधु की बैठक में काफी हंगामा हुआ तो सीडीओ नीरज कुमार श्रीवास्तव ने मामले में जांच के आदेश दिए। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता रजनीश कुमार ने जांच की तो इसमें चार अफसर दोषी मिले। उन्होंने बताया कि सहायक अभियंता, अवर अभियंता, जिलेदार व सींचपाल सड़क बनवाने में दोषी मिले। इनको नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा तो इन्होंने कहा कि इनको मामले की जानकारी नहीं थी, जबकि इनको पूरी जानकारी थी। इसके बाद चारों अफसरों को दोषी मानते हुए अधिशासी अभियंता ने कार्रवाई करने के लिए प्रमुख सचिव, अधीक्षण अभियंता, डीएम, सीडीओ को रिपोर्ट भेजी है।

मेटा के अलर्ट पर पुलिस सक्रिय, फंदे से लटके युवक की बचाई जान

उन्नाव। बिहार थाना के हमीरपुर गांव निवासी युवक ने इंस्टाग्राम पर आत्महत्या करने की बात करते हुए छत के कुंडे से दुपट्टे का फंदा बांधने का वीडियो पोस्ट किया। मेटा कंपनी से मिले अलर्ट पर सक्रिय पुलिस 16 मिनट में मौके पर पहुंची और युवक समझाकर खुदकुशी करने से रोक लिया। हमीरपुर गांव निवासी संदीप (19) ने प्रेम-प्रसंग में असफल होने पर सोमवार रात घर के कमरे में पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर गले में डाल लिया। उसने इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया। इस पर मेटा कंपनी की ओर से पुलिस मुख्यालय लखनऊ के सोशल मीडिया सेंटर को ई मेल के जरिए अलर्ट भेजा। डीजीपी के निर्देश पर भगवंत नगर चौकी इंचार्ज देवेंद्र नाथ अवस्थी, लोकेशन के आधार पर 16 मिनट में युवक के घर पहुंच गए। कमरे के दरवाजे को तोड़वाया।

पत्रकार की हत्या में युवती व उसके दो भाइयों समेत चार को उम्रकैद

कौमी पत्रिका

कानपुर। एक न्यूज चैनल के पत्रकार की नृशंस हत्या करने में चैनल की न्यूज रीडर व उसके दो भाइयों समेत चार दोषियों को अपर जिला जज 19 राकेश सिंह उम्रकैद और 9.50-9.50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। सबूत मिटाने की दोषी युवती की मां व चाचा को पांच-पांच साल कैद और दो-दो हजार रुपये जुर्माना भुगतना होगा। वहीं आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाए जाने पर एक दोषी को ढाई हजार रुपये अतिरिक्त जुर्माना देना होगा। बृजेश गुप्ता एक न्यूज चैनल के महानगर में ब्यूरो हेड थे। 14 जून 2009 को उनका शव उनकी ही कार में लावारिस हालत में रतनलाल नगर स्थित पानी की टंकी के पास मिला था। बृजेश के भाई प्रभात गुप्ता ने गोविंद नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि बृजेश 13 जून की शाम गौशाला मौरंग मंडी के पास अपनी कार से मिले थे। कार में न्यूज रीडर कनिका ग्रोवर, उसके भाई सन्नी, मन्नी व सुरजीत भी बैठे थे। प्रभात के पूछने पर कनिका और उसके भाइयों को घर छोड़ने के बाद घर आने की बात कही थी। देर रात तक बृजेश घर नहीं पहुंचे तो खोजबीन की गई लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। अगले दिन सुबह गोविंद नगर थाने गया तो पता चला कि सेट पर सूचना आ रही कि रतनलाल नगर पानी की टंकी के पास लावारिस गाड़ी खड़ी हुई है। प्रभात पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और गाड़ी खोलकर देखी तो उसमे चादर में लिपटा बृजेश का शव मिला था। बृजेश के शरीर पर धारदार हथियार और गोली के कई निशान थे। बृजेश की लाइसेंसी रिवाल्वर व पांच सोने की अंगूठियां भी गायब थीं। विवेचना के बाद पुलिस ने रतनलाल नगर निवासी कनिका ग्रोवर, उसकी मां अल्का व दो भाई सन्नी व मन्नी ग्रोवर, गोविंद नगर की सेवाग्राम कालोनी निवासी सुरजीत सिंह उर्फ शंटी, गोविंद नगर निवासी बंटी उर्फ राजीव कुमार के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट भेजी थी। अभियोजन की ओर से प्रभात व बृजेश के पहचान वाले और एक केबल ऑपरेटर समेत नौ गवाह कोर्ट में पेश किए। सबूतों और गवाहों के आधार पर कोर्ट ने हत्या के दोषी सुरजीत, सन्नी, मन्नी व कनिका को उम्रकैद और 9.50-9.50 हजार रुपये जुर्माना और सबूत मिटाने की दोषी अलका व बंटी को पांच-पांच साल कैद और दो-दो हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। आर्म्स एक्ट के तहत दोषी पाए जाने पर सुरजीत को ढाई हजार रुपये अतिरिक्त जुर्माना देना होगा। बृजेश गुप्ता एक न्यूज चैनल के ब्यूरो हेड थे और कनिका वहां न्यूज रीडर थी। दोनों में नजदीकी बढ़ी तो विवाह की बात चलने लगी लेकिन फिर दोनों में अलगाव हो गया और बृजेश ने कनिका को नौकरी से निकाल दिया। इसी बीच कनिका के पिता राजेंद्र को चरस तस्करी में जेल भेज दिया गया। कनिका और उसके घरवालों को लगा कि बृजेश ने ही पिता को जेल भिजवाया है, जिस पर बृजेश की हत्या का मन बना लिया था। डेढ़-दो माह पहले बृजेश ने कनिका को दोबारा नौकरी पर रख लिया था। कनिका ने बृजेश को अपने घर पर लाने और फिर उसकी हत्या के लिए सभी को कहा था। जिस पर सबने मिलकर बृजेश की हत्या की और फिर कनिका के घर से चादर में शव को लपेटकर गाड़ी में डालकर बाहर ले जाने की कोशिश की लेकिन पकड़े जाने के डर से पानी की टंकी के पास ही गाड़ी छोड़ दी थी। यह बातें पुलिस को दिए बयान में सुरजीत ने बताई थीं। बृजेश ने प्रभात को बताया था कि उसे अज्ञात व्यक्ति ने फोन से धमकी दी है कि कनिका को छोड़ दो नहीं तो जान से मार देंगे। बृजेश ने किदवई नगर थाने में 29 जनवरी 2009 को रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। हत्या के बाद बृजेश की लाइसेंसी रिवाल्वर भी गायब थी। प्रभात ने बताया कि बृजेश आठ सोने की अंगूठियां पहनता था लेकिन शव से तीन ही मिली थीं। पांच अंगूठियां भी लूट ली गई थीं। बृजेश की रिवाल्वर सुरजीत के पास से बरामद हुई थी। मन्नी की निशानदेही पर रामलीला मैदान के पास लेवर कालोनी वाले नाले से हत्या में इस्तेमाल की गई हथौड़ी, सुम्मी व चाकू बरामद हुआ था। बृजेश की हत्या के बाद मन्नी, सन्नी, कनिका व कनिका की मां अल्का ने गैलरी व दीवार में लगे खून और हथियारों पर लगे खून को साफ किया। गाड़ी को बाहर छोड़ने के लिए अभियुक्तों ने चाचा राजीव उर्फ बंटी को फोन कर बुलाया था जो गाड़ी चलाकर पानी की टंकी के पास कोने में छोड़ ?र चले गए। डर के कारण बाहर नहीं ले जा सके। बृजेश के भाई प्रभात ने कोर्ट में दिए बयान में कहा था कि कनिका के पिता राजेंद्र ग्रोवर बर्रा से चोरी व चरस तस्करी में पकड़े गए थे। चकेरी में भी मुकदमा चला था। पिता के अपराधी प्रवृत्ति के होने की जानकारी मिलने पर बृजेश ने कनिका को निकाल दिया था। तब कनिका और उसके भाई धमकाने लगे थे। डरकर बृजेश ने कनिका को दोबारा रख लिया था। एक केबल ऑपरेटर ज्ञानचंद्र और बृजेश को जानने वाले अमरीश कुमार गुप्ता की गवाही भी कोर्ट में हुई थी। ज्ञानचंद्र ने बताया था कि घटना के दिन कनिका के घर के सामने बृजेश को कार को देखा था। चारों लोगों को आपस में बातचीत करते भी देखा था। अमरीश ने बताया था कि घटना के दिन बृजेश मिले तो पूछने पर बताया था कि कनिका को घर छोड़ने जा रहे हैं। मौत से पहले आखिरी बार तीन लोगों ने बृजेश को कनिका और उसके भाइयों के साथ देखा जिनकी गवाही अहम साबित हुई।

पीबी सोसाइटी ज्वैलर्स के निदेशक से 1.09 करोड़ की साइबर ठगी

कानपुर। साइबर ठगों ने बिरहाना रोड स्थित पीबी सोसाइटी ज्वैलर्स के निदेशक प्रशांत जैन के साथ 1.09 करोड़ रुपये ठग लिए। शातिरों ने शुक्रवार को उनके अकाउंटेंट को निदेशक के नाम से व्हाट्सअप मैसेज किया। इस मैसेज में तीन फर्मों के बैंक खातों में कुल 1.09 करोड़ रुपये ट्रांसफर करने की बात लिखी थी। मैसेज पर विश्वास कर अकाउंटेंट ने बिना जांच किए शातिरों के बताए बैंक खातों में धनराशि ट्रांसफर कर दी। जब निदेशक को मामले की जानकारी हुई तो उन्होंने रकम को होल्ड कराने की कोशिश की। हालांकि शातिर तब तक धनराशि को अन्य खातों के माध्यम से निकाल चुके थे। पीड़ित कारोबारी ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। महेश चंद्र जैन उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बिरहाना रोड पर पीबी सोसाइटी नाम से फर्म है। इसमें बेटा प्रशांत जैन निदेशक है। उनकी फर्म में रावतपुर गांव निवासी गजेंद्र राठौर कई वर्षों से अकाउंटेंट का काम करते हैं। महेश चंद्र जैन ने बताया कि उनके अकाउंटेंट के पास 10 अक्तूबर को एक नए नंबर से मैसेज आया था। यह मैसेज किसी शातिर ने बेटे प्रशांत के नाम से अकाउंटेंट को भेजे। पहले

शातिर ने खाते का बैलेंस पूछा। उन्होंने बता दिया, इसके बाद उसी व्हाट्सअप के माध्यम से दो फर्म के बैंक खाते दिए। इनमें से रोकड़िया इल्केट्रिक एंड सर्विस सेंटर के खाते में 52.70 लाख, लीविंग इवेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के खाते में 51.60 लाख रुपये ट्रांसफर करने को कहा गया था। इसके बाद गजेंद्र ने बैंक ऑफ इंडिया वाले खाते से 51.60 लाख रुपये निफ्ट और 52.70 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उसी नंबर से ईरालिंगा फर्म में 4.87 लाख रुपये ट्रांसफर करने का मैसेज आया। इसे देखकर अकाउंटेंट ने तीसरी फर्म में सोमवार को 4.87 लाख रुपये आरटीजीएस कर दिए। शाम को निदेशक प्रशांत ऑफिस आए तो मेल और अकाउंटेंट के माध्यम से उन्हें धनराशि ट्रांसफर होने की जानकारी मिली। आननफानन उन्होंने बैंक के अधिकारियों से संपर्क किया। हालांकि तब तक शातिरों ने भेजे गए बैंक खातों से धनराशि निकाल ली थी। इसके बाद निदेशक ने पुलिस के अधिकारियों को सूचना दी। मंगलवार दोपहर अकाउंटेंट ने साइबर थाने में अज्ञात ठगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। साइबर ठगी की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने मामले में जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि जिन फर्मों में रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। वह मध्यप्रदेश के मंदसौर और गुजरात अहमदाबाद जिलों की हैं। हालांकि आरोपियों ने इन रुपयों को सीधे न निकाल कर अन्य कई बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया है। पीड़ित कारोबारी की रिपोर्ट दर्ज कर साइबर टीम को आरोपियों की तलाश में लगा दिया गया है। बैंक को ठगी की सूचना देने में देर होने के कारण शातिरों ने रुपये अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिए हैं।

पैसों के विवाद में टैंपो चालक ने की मालिक की हत्या

दिल्ली। बुध विहार में पैसों के विवाद में टैंपो चालक ने मालिक की चाकू गोदकर हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त रिठाला की पाल कॉलोनी निवासी (45) जितेंद्र यादव के रूप में हुई। पुलिस ने छानबीन करते हुए फरार आरोपी शक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि 2 अक्तूबर को बुध विहार थाने को अंबेडकर अस्पताल से एक व्यक्ति को चाकू मारे जाने के बाद भर्ती किए जाने की जानकारी मिली। घायल की पहचान रिठाला निवासी जितेंद्र यादव के रूप में हुई। वह बयान देने की स्थिति में नहीं था। पुलिस वहां से घटनास्थल बजाज सर्विस सेंटर के पास पहुंची, वहां पीड़ित का 14 साल का बेटा मिला, जो चश्मदीद था। बेटे ने पुलिस को बताया कि दोपहर को उनके टैंपो का ड्राइवर रिठाला निवासी शक्ति उसके पिता से बार-बार पैसे मांग रहा था। कहासुनी के दौरान शक्ति ने अचानक उसके पिता पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बेटे के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। इसी बीच 8 अक्तूबर को जितेंद्र यादव ने दम तोड़ दिया। इस पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी करुणा सागर के नेतृत्व में पुलिस ने तकनीकी जांच कर आरोपी शक्ति को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह जितेंद्र के टैंपो का चालक था। उसका काम के भुगतान को लेकर विवाद था। जितेंद्र भुगतान पूरा नहीं कर रहा था इसलिए उसने सबक सिखाने के लिए हमला किया। जांच में पता चला कि शक्ति पर पहले से लूट और डकैती के दो मामले दर्ज हैं।

डीसीएम की टक्कर से ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, धान की बोरियों के नीचे दब गए छह लोग, दो की मौत

बाराबंकी। रामनगर फतेहपुर मार्ग पर इब्राहिमपुर गांव के पास मंगलवार देर शाम धान से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली को सामने से आ रही डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य गंभीर घायल है। पुलिस के अनुसार, टिकैतनगर थाना क्षेत्र के रायपुर गांव निवासी ट्रैक्टर चालक सूरज यादव (24), लधपुरवा के जैसू (35), सेवढ़ा निवासी कल्लू (36), रायपुर के ही, देशराज यादव (30) सराय के कमलेश (35) धन लड़ने के लिए शाम को फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के इब्राहिमपुर गांव आए थे। वापस जाने में गांव के पास सामने से आ रही डीसीएम ने ट्रैक्टर ट्रॉली में ठोकर मार दी, जिससे ट्रैक्टर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया और उस पर लदी धान की बोरियों के नीचे सभी लोग दब गए। चीख-पुकार के दौरान सड़क जाम हो गई। हिम्मत करके कुछ ग्रामीणों ने तत्काल धान की बोरियां हटाकर घायलों को बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से सीएचसी फतेहपुर पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने देशराज यादव और कल्लू को मृत घोषित कर दिया, जबकि जैसू और कमलेश की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। अन्य दो घायलों कोप्राथमिक उपचार किया गया है। सूचना पर एसडीएम कार्तिकेय सिंह और सीओ जगत राम कनौजिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर और डीसीएम को सड़क किनारे हटवाकर यातायात बहाल कराया गया। डीसीएम छोड़ चालक भाग गया, जिसकी तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है। सीओ ने बताया कि यातायात बहाल कर दिया गया हैं।

थापरनगर में भारी मात्रा में नकली ऑलआउट व गुडनाइट पकड़ी

मेरठ। मेरठ में अब नकली ऑलआउट और गुडनाइट भी भारी मात्रा में बेची जा रही है। थापरनगर में गोडरेज के नकली गुडनाइट व ऑलआउट बेचे जाने की शिकायत पर कंपनी अधिकारियों ने छापा मारा। गोदाम से पुलिस ने नकली 2563 पीस बरामद किए। एक युवक को मौके से पकड़ लिया गया, जबकि मुख्य आरोपी भाग गया। कंपनी के अधिकारी ने सदर बाजार थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि आइपी इन्वेस्टिगेशन सीर्पेस के रीजनल हेड शहबाज आलम ने शिकायत की कि सदर बाजार में गोदरेज कंपनी की नकली ऑलआउट व गुडनाइट बनाकर बेची जा रही है। उन्होंने पूरे मामले की जांच की। जानकारी करने पर पता चला कि थापरनगर में आकाश गुप्ता ही उनको बेचता है। पुलिस के साथ कंपनी अधिकारियों ने थापरनगर में आकाश गुप्ता के गोदाम पर छापा मारा। यहां से पुलिस ने तीन बोरों में 1740 पीस ऑलआउट अल्ट्रा व गुडनाइट के 823 पीस बरामद किए।

छठ पर्व पर यमुना होगी निर्मल, न झाग होगा और न ही प्रदूषण: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमत्री ने बताया कि यमुना नदी के जल की गुणवत्ता की लगातार जांच हो रही है। यमुना नदी में फॉस्फेट का स्तर, जो झाग बनने का मुख्य कारण होता है, वह अब केवल 0.2 दर्ज किया गया है, जबकि इसके 2 पॉइंट से ऊपर होने पर झाग बनना शुरू हो जाते हैं। यमुना में अमोनिया का स्तर भी अब बहुत कम हो गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि यमुना में झाग नियंत्रण के लिए उपयोग किए जाने वाले डी-फॉर्मर और अन्य रासायनिक प्रक्रियाएं पूरी तरह से इको-फ्रेंडली और प्रमाणित हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी रसायन पर्यावरण, जल जीवन और जलीय जीवों के लिए भी पूरी तरह सुरक्षित हैं। दिल्ली सरकार हर कदम पर पारदर्शिता और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कर रही है और इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि यह वही क्षेत्र है जहां पिछले साल तक एक-एक मीटर ऊंचे झाग बनते थे और छठ व्रतियों को उसी झाग में खड़े होकर पूजा करनी पड़ती थी। अब हमारी सरकार के कार्यकाल में की गई व्यवस्थाओं और तैयारियों के कारण आज यहां किसी भी प्रकार का झाग या गंदगी दिखाई नहीं दे रही है । उन्होंने कहा कि आज यमुना का जल स्पष्ट रूप से स्वच्छ और झाग-मुक्त है। दिल्ली सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि इस वर्ष छठ पर्व भव्य और दिव्य रूप से मनाया जा सके, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ जल में खड़े होकर श्रद्धा और भक्ति के साथ सूर्य भगवान को अर्घ्य दे सकें। मुख्यमंत्री ने दिल्ली जल बोर्ड और पर्यावरण विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि सैकड़ों कर्मचारी और अधिकारी दिन-रात यमुना की सफाई में जुटे हैं। यह प्रयास सिर्फ सरकार का नहीं, बल्कि दिल्लीवासियों के सहयोग से यमुना को पुनर्जीवित करने का सामूहिक अभियान है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे फर्जी वीडियो या पुराने फुटेज से भ्रमित न हों, बल्कि वर्तमान स्थिति को स्वयं देखें और समझें। स्थलीय निरीक्षण के दौरान विकास व पर्यटन मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली की संस्कृति और परंपरा ही उसकी असली पहचान है और इन्हें सशक्त बनाना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी प्रतिबद्धदा के साथ, हमारी सरकार छठ महापर्व के आयोजन की तैयारियों में प्रभावी, निरंतर और तेज़ी से कदम बढ़ा रही है। श्री कपिल मिश्रा ने कहा कि आने वाले दिनों में दिल्ली पूर्ण श्रद्धा व भव्यता के अनुरूप छठ महापर्व की साक्षी बनेगी।

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, HARINDER PAL S/O UMA DATT R/O H.NO- 47D, Sec-04, Pushp Vihar, Saket, New Delhi -110017, declare that name of my minor son has been wrongly written as DIVYANSH PAL in my minor son namely DIVYANSH AGGARWAL aged 13 years in his school records. The actual name of my minor son is DIVYANSH AGGARWAL, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, VINOD KUMAR VERMA S/O FAQIR CHAND R/O H NO-129, S/F GHEE MANDI, PAHAR GANJ, NEW DELHI-110055 declare that name of mine has been wrongly written as VINOD KUMAR in my Caste Certificate-8564. The actual name of mine is VINOD KUMAR VERMA respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as PINKI alias SHEETAL D/o VIRENDER SINGH W/o ANIL KUMAR R/o 246, Ground Floor, Pocket-9, Sector-21, Rohini, Sultanpuri F Block, North West Delhi, Delhi-110086, have changed my name and shall hereafter be known as SHEETAL.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Surender Kumar Rajpal** is the purchasing of Property bearing no. D-215, on Ground floor, without terrace/roof rights, situated at West Patel Nagar, New Delhi- 110008 from Mr. Gurmeet Kohli who is the owner of abovementioned property vide 2 Sale Deed dated 20.05.2025 registered as doc. no. 2025/22/I/6411, in book no. 30073, Page no. 101 to 118, on 20.05.2025,SRO- West Basai Darapur & 17.09.2025 registered as doc. no. 2025/22/I/12224, in book no. 30646, Page no. 175 to 194, on 17.09.2025, SRO- West Basai Darapur and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** That the ATS dated 18.09.1996 & SMC of Late Mr. Amar Singh is not available . If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, DEEPMALA GUPTA, W/o. SUBHASH CHANDRA, R/o. WZ-510-A, FLAT NO-209, F/F, R/S, KH NO-177, MAIN ROAD, PALAM VILLAGE, NEW DELHI-110045, have changed my name from DEEPMALA GUPTA to DEEPMALA CHANDRA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SARITA SINGH, W/o. DILIP SINGH, R/o. WZ-611, NEAR DADA CHHATRI WALA MARG, RAJ NAGAR-1, PALAM COLONY, NEW DELHI-110077, have changed my name from SARITA SINGH to SARITA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my **Mr. Rakesh Kumar Mishra** is the purchasing of Property No. RZ-D-490, Plot No. D-48-A, in Block-D, having land area measuring 35 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 717/30, situated in the colony known as Dashrathpuri, in the area of village Nasirpur, Delhi from Mr. Deepanshu Kaushik who is the owner of the abovementioned property vide GPA , Agreement to Sale & WILL dated 23.04.2025 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my **Mr. Guddu** is the purchasing of ONE FLAT (TWO ROOM SET) AT GROUND FLOOR WITHOUT ROOF RIGHTS, AREA MEASURING 40 SQ. YDS. APPROX. BUILT ON PROPERTY NO.37, OUT OF KHASRA NO.6/5/1, 7/2/2 SITUATED IN THE AREA OF VILLAGE RAZAPUR KHURD DELHI STATE DELHI IN THE COLONY KNOWN AS SAINIK VIHAR PHASE-3, UTTAM NAGAR, NEW DELHI-110059. from Mrs. Baby Sunariya who is the owner of the abovementioned property vide GPA , Agreement to Sale & WILL dated 29.03.2018 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
It is for general information that I, AZEEM ANSARI S/o ALAMGEER, R/o R-77/2, Gali No. 21, Brham Puri, Garhi Mendu, PO: Seelampur, Dist. North East Delhi, Delhi-110053, declare that name of mine has been wrongly written as AZEEM in my minor daughter namely RIDA aged 14 years in her School Records. The actual name of mine is AZEEM ANSARI, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that Vipin Kumar Chhikara S/0 Shishu Pal Chhikara, R/O House No-32, Manggu Panna, Tatesar Wala Rasta, Jaunti, Jonti, North West Delhi, Delhi-110081,declare that name of mine and my minor daughter has been wrongly written as Vipin Chhikara and Anushka Chhikara in my minor daughter namely Anushka aged 16 years in her 10th class educational document. The actual name of mine and my minor daughter are VIPIN KUMAR CHHIKARA and ANUSHKA ,which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I PARVEEN KAUR W/O PARAM JEET SINGH SURI R/O B 116 MATHURA ROAD JANGPURA B DELHI-110014 I HAVE CHANGED MY NAME TO PARVEEN KAUR SURI

NAME CHANGE
I , Balveer Singh S/O: Dharmsingh, R/O ladapur, Ladpur, Mathura. Uttar Pradesh-281401, have changed my name and shall hereafter be known as Surendra Singh.

NAME CHANGE
I, Nike SONU KUMAR S/O RAJBEER SINGH present posted at 9 Mahar Regt. c/o 274, Transit Camp (Spl Type) Khanpur, South Delhi, Delhi pin 110080, declare vide Affidavit no IN-DL75029913035863X dated 16-10-2025, by declare that actual name of my mother is NARESH and DOB 01-01-1970 mentioned in her Adhar Card no 7000 7467 1813. That her name NARESH DEVI and DOB 16-11-1973. entered in my service book by mistake.

NAME CHANGE
I, SHASHIKALA is real mother of No. 2810955P Rank HAV Name GHODE SUNIL MANSUB presently resently residing a VILL LINGEWADI, POST-FATTEPUR, TEH BHOKARDAN, DIST JALNA, STATE-MAHARASHTRA. PIN-431114, have changed my name from SHASHIKALA to SHASHIKALA MANSUB GHODE and date of birth from 11/05/1975 to 01/01/1977 for all future purposes. Vide affidavit dated 08.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, YOGITA SUNIL GHODE is a legally wedded spouse of No. 2810955P Rank HAV Name GHODE SUNIL MANSUB presently residing at VILL-LINGEWADI, POST-FATTEPUR, TEH-BHOKARDAN, DIST-JALNA, STATE-MAHARASHTRA, PIN-431114, have changed my name from YOGITA SUNIL GHODE to GHODE YOGITA SUNIL for all future purposes. Vide affidavit dated 08.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, GHODE MANSUB is a real father of No. 2810955P Rank HAV Name GHODE SUNIL MANSUB presently residing VILL-LINGEWADI, POST-FATTEPUR, TEH-BHOKARDAN DIST-JALNA, STATE-MAHARASHTRA, PIN-431114 have changed my name from GHODE MANSUB to MANSUB SHAMRAO GHODE for all future purposes. Vide affidavit dated 08.10.2025 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SUSHMA KHURANA W/o NARESH KUMAR R/o C-29, 2nd Floor, Vishnu Garden, Tilak Nagar, PO: Tilak Nagar, Dist: West Delhi, Delhi-110018, declare that name of my husband has been wrongly written as NARESH KHURANA in my minor son namely GARVIT KHURANA aged 14 years in his School Records. The actual name of my husband is NARESH KUMAR.

NAME CHANGE
I, Mamta DEVI W/O SANJAY KUMAR R/O HOUSE NO 15A , F Pocket Maroda Sector , Bhilai , Civic Centre Bhilai , Durg , Chhattisgarh-490006. I have changed my name from MAMTA KUNWAR TO MAMTA DEVI for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I, SANDEEP KUMAR PARASHAR S/O INDRAJ SINGH R/O H.No- G-457, Gaur Cascades, Raj Nagar, Extension, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201017, have changed the name of my minor Daughter ARANYA SHARMA alias TAPASYA aged 10 years and She shall hereafter be known as ARANYA SHARMA.

PUBLIC NOTICE
I, HARISH CHANDRA S/o LAL SINGH R/o House-6 G/F Block-B Nishant Park Kakrola, Dwarka More Road, Near Shiv Mandir, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078, declare that name of mine has been wrongly written as SUNIL KUMAR in my minor son HARDESH aged 17 years in his 10th class educational documents. The actual name of mine is HARISH CHANDRA which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NEERAJ KUMAR SHARMA S/o J.P. SHARMA R/o H No-C-42, Gali No-7, Ganga Vihar, Dayalpur, North East Delhi, Delhi-110094, Declare that name of my wife has been wrongly written as PRIYA in my minor son namely HEMANT BHARDWAJ aged 16 years in his 10th class educational documents and as name of mine and my wife has been wrongly written as NEERJ and PRIYA in his Birth Certificate No-MCDOLR09173285. The actual name of mine and my wife are NEERAJ KUMAR SHARMA and POONAM which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KM. Anchal Tiwari D/O Vinay Tiwari Permenent resident of Baroundha Mahuaria, PO: Mirzapur, Dist: Mirzapur, Uttar Pradesh -231001, Presently residing at Flat No.F-201, First floor,Raj Retreat Society,Bhopura , Ghaziabad Uttar Pradesh -201005, have changed my name and shall hereafter be known as Aanchal Tiwari

NAME CHANGE
I hitherto known as SAKSHAM S/o RAVINDER SINGH, R/o H.NO.65A, Prem Nagar, Gali No.5, G-Block, Najafgarh, South West Delhi, Delhi-110043, have changed my name and shall hereafter be known SAKSHAM RATHI.

NAME CHANGE
I, Lata Singh W/o Indermani Chaturvedi R/O K-7, Garima Garden Master Colony, Sahibabad, Po: Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, have changed my name and shall hereafter be known as Ruby Chaturvedi.

NAME CHANGE
I hitherto known as ARTI KUMARI D/O MANOJ GIRI R/O H.NO- 29A, GALI NO-11, GUPTA ENCLAVE, VIKAS NAGAR, Uttam Nagar, PO-D.k Mohan Garden, District: West Delhi, State: Delhi- 110059, have changed my name and shall hereafter be known as KAJAL KUMARI.

NAME CHANGE
I, DINESH KUMAR, S/O KANSHI RAM, R/O HOUSE NO-739,SECTOR-46,HUDA SECTOR, JHARSA, GURGAON,HARYANA-122003,HAVE CHANGED MY NAME TO DINESH MATTA FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, Ratnamala Kashyap D/O Ram Kumar W/O Akash Kumar R/o 6294, Ats Dolce, Zeta 1, Greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201310 Have Changed My Name To Ratna Mala For All Future Purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, NEETU JODIA W/O AMIT KUMAR R/o B-49, Jeevan Niketan, LIC Colony, Paschim Vihar, West Delhi, Delhi-110087 declare that name of mine has been wrongly written as NEETU in my minor daughter namely MALISHKA JODIA aged 14 years in her School Records. The actual name of mine is NEETU JODIA, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my **Mr. MANUJ KAPOOR** is the purchasing of Second Floor without roof rights built on Property No. 69 area measuring 84 sq. mtrs. in Block SU situated in the layout plan of Pitampura Residential Scheme Delhi 110034. from Mrs. Smt. Vibha Sikri who is inherent the abovementioned property after the death of Mr. Ravi Kumar Sikri who was the owner of the abovementioned property vide Sale Deed dated 27.02.205 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, LAXMI Mother of No-2619268W Rank-LHAV Name- HANAMANT SADASHIV BULLI Presently residing at AP-GOSABAL, TQ-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591227, have changed my name from LAXMI to LAKSHMAVVA for all future purposes vide Affidavit dated 16/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Shahroz Khan s/O ASIF ALI, R/O,Block-J, Abul Fazal Enclave-1, Jamia Nagar, PO: New Friends Colony, Delhi -110025, HEREBY DECLARE THAT MY NAME HAS BEEN CHANGED FROM SHAROZ KHAN TO Shahroz Khan, FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE
I, Mary Jacklinai D/O Tony Dass R/O R-8a, Hauz Khas Enclave 110016 Have Changed My Name to Mary Jacklina for All Future Purposes.

NAME CHANGE
I, VIJYA LAXMI is a legally wedded spouse of No. JC-172251P Rank SUB Name MAMCHAND KAUSHIK presently residing at RZ-444, A/5, GALI NO-18J, SADH NAGAR, PALAM COLONY, NEW DELHI-110045 have changed my name from VIJYA LAXMI to VIJAY LAXMI for all future purposes. Vide Affidavit Dated 16/10/2025 Before SUB DIVISIONAL MAGISTRATE New Delhi.

NAME CHANGE
I, ABHISHEK DWIVEDI S/O VIRENDRA DWIVEDI R/O B-408, ICON APPARTMENT SECTOR CHI-3, GREATER NOIDA, KASNA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201310, have changed the name of my minor Daughter SAMRADHI DWIVEDI aged 13 years and she shall hereafter be known as AGRIMA DWIVEDI.

NAME CHANGE
I Manish S/o Kuldeep Sharma R/o H No-17, Chowki No-2, Sindhora Kalan, Ashok Vihar, Ashok Vihar, North West Delhi, Delhi, 110052 have changed my name to Manish Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Shamshad S/o Shaukat Ali R/o E-47, New Seelampur, North east Delhi-110053 have changed my name to Shamshed Ali for all future purposes

NAME CHANGE
I, Aysun Begum w/o Mohd Hasim Ansari R/o H. No.222, Gali No.5, Khasra No-118/21, Madhu Vihar, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Asun Begum for all future purposes

NAME CHANGE
I, Mohd Hasim s/o Vali Miyan R/o H. No.222, Gali No.5, Khasra No-118/21, Madhu Vihar, Uttam Nagar, New Delhi-110059 have changed my name to Mohd Hasim Ansari for all future purposes

NAME CHANGE
I hitherto known as Zaida Khatun Ansari W/o Sahab Alam Ansari R/o H. No.222, Gali No.5, Khasra No-118/21, Madhu Vihar, Uttam Nagar, West Delhi-110059 have changed my name and shall hereafter be known as Jayada Khatun Ansari .

NAME CHANGE
I, ARADHANA DEVI wife of No.-4199364A, Rank-CHM, Name-PRAMOD KUMAR YADAV residing at VILL-HASAN BADH, PO-KARMI, TEHSIL-MUHAMMDABAD GOHANA, DIST-MAU, UTTAR PRADESH-276129, have changed my name from ARADHANA DEVI to ARADHANA for all future purposes vide Affidavit dated 16/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MONIKA Wife of No-4204311N Rank-LNK Name-MANJEET SINGH Presently residing at VILLAGE PAPRAWAT, POST OFFICE NAJAFGARH, NEW DELHI-110043, have changed my name from MONIKA DEVI to MONIKA for all future purposes vide Affidavit dated 16/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, POONAM MISHRA Wife of JC-573316X Rank-NB SUB Name-SHAILENDRA MISHRA Presently residing at NAKURTALA, MURSHIDABAD-M, MURSHIDABAD, JIAGANJ, WEST BENGAL-742149, have changed my name from POONAM MISHRA to POONAM TIWARI for all future purposes vide Affidavit dated 16/10/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, AMNA KHATOON W/O DEEN MOHAMED resident of MOHALLA JIRYA, NEAR BAND WALI MASJID, SINGAR(238), MEWAT, HARYANA-122508, have changed my name to EMNA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, KALIM S/o Jahid Khan R/o FLAT No.58, S/F, T Floor, Pokket-F, Sarita Vihar, Delhi-110076, have changed my name to KALIM KHAN permanently

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

स्टेट पीएसयू रिटायर्ड कर्मचारियों की मेडिकल रिइम्बर्समेंट में अब एकरूपता

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी जाने वाली चिकित्सा प्रतिपूर्ति व्यवस्था में समानता लाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने इस संबंध में सभी बोर्ड, निगम, कंपनियों, सहकारी संस्थाओं और स्वायत्त निकायों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस संदर्भ में सभी संबंधित संस्थाओं को पत्र जारी कर इस नई एकरूप नीति को लागू करने के निर्देश दिए हैं। नए निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक राज्य पीएसयू अपनी वित्तीय स्थिति का वार्षिक मूल्यांकन करेगा। इस मूल्यांकन के आधार पर, संबंधित उपक्रम के निदेशक मंडल और सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति से उस वित्त वर्ष के लिए सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी जाने वाली चिकित्सा प्रतिपूर्ति की राशि तय की जाएगी। इस खर्च का वहन संबंधित उपक्रम स्वयं करेगा। निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह वित्तीय स्वायत्तता केवल सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति सुविधा तक ही सीमित रहेगी। अन्य सभी वित्तीय मामलों में वित्त विभाग द्वारा 19 सितंबर, 2024 को जारी निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा। राज्य सरकार के संज्ञान में यह बात आई थी कि विभिन्न पीएसयू अपने स्तर पर अलग-अलग प्रावधानों के तहत ईपीएफ अथवा सीआरपीएफ के अंतर्गत आने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति दे रहे थे। इन भिन्न प्रथाओं के कारण संस्थानों में असमानता की स्थिति बन रही थी।

जींद में अवैध कॉलोनियों पर चली प्रशासन की जेसीबी

जींद। जिला नगर योजनाकार विभाग ने 11 एकड़ में विकसित की जा रही अवैध कालोनी में जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध निर्माणों को ढहाने का काम किया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिसबल तैनात रहा। जिला नगर योजनाकार मनीष दहिया ने बताया कि उचाना नगरीय क्षेत्र की राजस्व संपदा गांव पालवा में एनएच 352 पर एवं नाथजी आईटीआई के पीछे लगभग 11 एकड़ भूमि में अवैध कॉलोनियां विकसित की जा रहीं थीं। टीम ने मौके पर पहुंच कर कच्चे सड़क नेटवर्क, कॉलोनी की चारदीवारी, लगभग 20 डीपीसी और दो निर्माणाधीन मकानों को जेसीबी मशीनों की मदद से प्रारंभिक चरण में ही ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई पुलिसबल की मौजूदगी में शांतिपूर्वक और सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। जिला नगर योजनाकार मनीष दहिया ने बताया कि इस भूमि पर बिना विभागीय अनुमति के भूस्वामियों और प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा अवैध रूप से सड़कों का निर्माण कर कॉलोनी विकसित करने का प्रयास किया जा रहा था। इस पर कार्यालय द्वारा एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी किए गए थे। जिसमें कॉलोनी विकसित करने से पूर्व विभागीय अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए गए थे। परंतु संबंधित पक्षों द्वारा न तो अवैध निर्माण कार्य को रोका गया और न ही विभाग से अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई। जिसके चलते यह कार्रवाई अमल में लाई गई है।

चुनौतियों से बड़े रखें हौसले : ओपी सिंह

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने प्रदेश के पुलिस अधिकारियों तथा कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा है कि विभाग के काम में चुनौतियां बहुत हैं लेकिन अपने हौसलों को अगर चुनौतियों से बड़ा रखा जाए तो कामयाबी निश्चित रूप से मिलेगी। कार्यभार संभालने के बाद ओपी सिंह ने विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को वायरलेस से संबोधित किया। मंगलवार को कार्यभार संभालने के बाद ओपी सिंह की प्रेस वार्ता रखी गई थी जिसे बाद में रद्द कर दिया गया। ओपी सिंह ने पुलिस कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा पुलिस की कार्यप्रणाली में जवानों का योगदान अहम है जो अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की रक्षा करते हैं। उन्होंने कहा कि आमजन व सरकार को पुलिस से बड़ी उम्मीदें हैं। इन उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए एक टीम भावना के साथ जी-तोड़ मेहनत करेंगे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने कार्य क्षेत्र में ठगों तथा बदमाशों के विरूद्ध विशेष अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस विभाग उनका परिवार है और हरियाणा जहां उनकी कर्मभूमि है वहीं उनके बच्चों की जन्म भूमि है। पुलिस महानिदेशक ने किसी का नाम लिए बगैर कहा कि उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा हैं।

सीडीएलयू में ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान का आयोजन

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा में ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। खाद्य विज्ञान एवं तकनीकी विभाग की अध्यक्ष डॉ. संजूबाला ने बताया कि विश्व खाद्य दिवस की थीम हैंड इन हैंड फॉर बेटर फूड्स एंड ए बेटर फ्यूचर पर यह व्याख्यान आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि सक्रिय पैकेजिंग पर अनुसंधान प्रवृत्ति- भोजन के संरक्षण के लिए एक सतत समाधान विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में तुर्की के टार्सस विश्वविद्यालय से प्रोफेसर गुल्डेन गॉक्सेन ने मुख्य वक्ता के रूप में खाद्य तकनीकी के साथ साथ अन्य क्षेत्रों में पैकेजिंग विषय की अपार सम्भावनाओं के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। प्रोफेसर गुल्डेन गॉक्सेन ने विद्यार्थियों को एक्टिव पैकेजिंग तकनीकी के प्रयोग से खाद्य प्रसंस्करण और संरक्षण संभावित सुधारों के बारे में विस्तार से परिचित करवाया।

शिक्षा में सुधार और युवाओं को रोजगार देना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे सुधारों पर बल दे रही है,जिनसे युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी मिलें और वे समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें। प्रदेश सरकार ने बिना पर्ची-खर्ची के अब तक 1.80 लाख युवाओं को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी हैं और तीसरे कार्यकाल में 2 लाख नौकरियों का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कड़ी मेहनत करते रहे, उनकी मेहनत अवश्य रंग लाएगी। मुख्यमंत्री रोहतक में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, अस्थल बोहर के चौथे दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा और विश्वविद्यालय के

कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को पदक एवं उपाधियां प्रदान कीं। नायब सिंह सैनी ने विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी शिक्षण संस्थान के गौरव और उपलब्धि का प्रतीक होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2012 में स्थापित बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय का चौथा दीक्षांत समारोह इस पावन भूमि की ज्ञान-परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कुलाधिपति महंत बालक नाथ योगी जी के मार्गदर्शन की सराहना की और बताया कि 1957 में महंत श्रेयोनाथ जी महाराज द्वारा स्थापित बाबा मस्तनाथ आयुर्वेदिक महाविद्यालय आज एक विशाल विश्वविद्यालय का रूप ले चुका है, जहां आयुर्वेद से लेकर इंजीनियरिंग, कानून, नर्सिंग और मानविकी जैसे विविध क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान की जा रही है। हरियाणा ने शिक्षा, खेल, संस्कृति, शोध और उद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर देश में अग्रणी राज्य के रूप में पहचान बनाई है, जिसमें बाबा मस्तनाथ जैसी संस्थाओं का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य है कि हर विद्यार्थी को गुणवत्तापरक शिक्षा के साथ रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण भी मिले। इस दिशा में शिक्षा को कौशल विकास से जोड़ने के लिए स्कूलों में एनएसक्यूएफ,कॉलेजों में'पहल योजना',विश्वविद्यालयों में इन्क्यूबेशन सेंटर और तकनीकी संस्थानों में उद्योगों के साथ एमओयू जैसे ठोस प्रयास किये गए हैं।

अधिकारियों,कर्मचारियों व जनप्रतिनिधियों को विदेश यात्रा से पहले लेनी होगी वित्त विभाग की मंजूरी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने अधिकारियों, कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों के विदेश दौरे को लेकर नई गाइडलाइन जारी कर दी है। अब सभी को विदेश जाने से पहले वित्त विभाग की मंजूरी लेना जरूरी कर दिया है। विदेश से लौटने के बाद किसी तरह के दावे को नहीं माना जाएगा। अधिकारियों व कर्मचारियों की सरकारी खर्च पर की जाने वाली विदेश यात्राओं के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अधिकतम एक आधिकारिक और एक निजी यात्रा की अनुमति दी जाएगी। दोनों यात्राओं की अवधि तीन सप्ताह से अधिक नहीं होगी।मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से जारी नई गाइडलाइन के अनुसार, प्रस्तावों को संबंधित अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित 'चेक-लिस्ट' के साथ मुख्यमंत्री की स्वीकृति प्राप्त कर वित्त विभाग को भेजना अनिवार्य होगा। साथ ही संबंधित विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि विदेश यात्रा भत्ता हेतु बजट का पर्याप्त प्रावधान विभाग के पास उपलब्ध है। हरियाणा के वित्त सचिव के नाते मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने विदेश दौरों के संबंध में नई आचार संहिता जारी की है। नये निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी नये निर्देश ग्रुप 'ए', 'बी', 'सी' एवं 'डी' के सरकारी कर्मचारियों के साथ ही हरियाणा से जुड़े अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों पर भी लागू होंगे। व्यक्तिगत कारणों से स्वयं के व्यय पर विदेश यात्रा के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में केवल एक निजी यात्रा की अनुमति दी जाएगी।

बोर्ड परीक्षा के आवेदन पत्र में अपार आईडी नहीं होगी अनिवार्य : डॉ.पवन कुमार शर्मा

एजेंसी

चंडीगढ़। प्राइवेट स्कूल संघ के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू की अगुवाई में शिक्षा बोर्ड चेयरमैन डॉ. पवन कुमार शर्मा से मुलाकात की और प्राइवेट स्कूलों की मांगों को रखा। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने कहा कि संबद्धता फीस के साथ लगाए गए जीएसटी को वापिस लेने, अपार आईडी की अनिवार्यता को समाप्त करने, बोर्ड कक्षाओं में अन्य स्कूलों से आए हुए बच्चों के लिए बोर्ड से अप्रूवल न लेने, बच्चों के नाम सहित अन्य संशोधन कराने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी के काउंटर साइन की शर्त हटाने, जिन गांवों में 10वीं व 12वीं कक्षा के परीक्षा केंद्र हैं, उन गांवों में स्थित मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों का एग्जाम सेंटर भी उसी परीक्षा केंद्र में देने सहित विभिन्न मांगों को प्रमुखता के साथ उठाया गया। बोर्ड चेयरमैन डॉ.पवन कुमार शर्मा ने उक्त मांगों को बड़े ही ध्यान से समझा और मौके पर ही अधिकारियों को बुलाकर अपार आईडी की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया और अपने राज्य के अन्य स्कूल से दसवीं व बारहवीं का परीक्षा केंद्र है तो मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों का परीक्षा केंद्र भी उसी गांव में किया जाएगा और अन्य मांगों को पूरा करने के लिए हर

आए हुए बच्चों के लिए अप्रूवल की कोई जरूरत नहीं होगी केवल दूसरे राज्यों से आने बच्चों को ही बोर्ड से अप्रूवल लेनी होगी। उन्होंने संघ की मांग को जायज मानते हुए बच्चों के नाम में संशोधन कराने के लिए बीईओ के काउंटर साइन की शर्त को भी खत्म कर दिया तथा इसके साथ साथ बच्चो की प्रॉब्लम को देखते हुए जिन गांव में संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर प्रदेश सचिव प्रदीप पूनिया, प्रांतीय उप प्रधान प्रशांत तंवर, सतीश तंवर, जगदीश भैंरो, संदीप सांपला, बीर सिंह, अशोक शर्मा, नरेश, बलबीर वर्मा, प्रदीप, सुरेंद्र, धर्मवीर, पंकज, अखिल, रामलाल, मुकेश, दलबीर, प्रवीण सहित अन्य स्कूल संचालक मौजूद थे।

दिवाली से पहले रोशन होगा बहादुरगढ़ शहर, स्ट्रीट लाइट होंगी दुरुस्त

एजेंसी

झज्जर। बहादुरगढ़ नगर परिषद ने दिवाली के त्योहार से पहले शहरवासियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर की सभी खराब स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत और खुले नालों को ढकने का काम शुरू कर दिया है। नगर परिषद की चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि यह दोनों कार्य शहरवासियों की सुरक्षा और रोशनी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए जा रहे हैं।नगर परिषद ने लाइट मरम्मत का काम चार जोन बांटा है। वार्ड-1 से 10, 11 से 20, 21 से 31 और मेन रोड की लाइटों को अलग-अलग जोन में रखकर ठेकेदारों को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया गया है। इस काम के लिए कुल एक करोड़ 71 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। ठेकेदारों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित संख्या में कर्मचारियों को लगाकर सभी खराब लाइटों को ठीक करें। मेन रोड की खराब पड़ी लाइटों को भी प्राथमिकता दी जाएगी।चेयरपर्सन सरोज ने कहा, हम चाहते हैं कि दिवाली पर शहर रोशन और सुरक्षित दिखाई दे। इसके

लिए शहर की सभी खराब लाइटों को दिवाली से पहले ठीक कर दिया जाएगा। सभी चार जोनों में ठेकेदार काम में जुट गए हैं और शीघ्र ही सभी लाइटें कार्यरत होंगी। सरोज राठी ने बताया कि शहर में खुले पड़े नालों को ढकने का काम भी शुरू किया है। नागरिकों की शिकायतों के आधार पर पता चला कि खुले नालों में कई हादसे हो चुके हैं। कई लोग और गोवंश इनमें गिरकर चोटिल हुए हैं, जबकि कुछ की मौत भी हो चुकी है। चेयरपर्सन सरोज राठी ने बताया कि एजेंसी को वर्क ऑर्डर दे दिया गया है और जितनी जल्दी संभव हो, खुले नालों को ढकने का काम पूरा किया जाएगा। यह पहल न केवल सड़क सुरक्षा को बढ़ाएगी, बल्कि शहरवासियों को सुरक्षित और व्यवस्थित वातावरण भी उपलब्ध कराएगी।

आईपीएस वाई पूरन कुमार का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार का नौवें दिन अंतिम संस्कार हो गया। इससे पहले चंडीगढ़ पीजीआई में मेडिकल बोर्ड ने पूरन कुमार की पत्नी अमनीत पी कुमार की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया। वाई पूरन की दोनो बेटियों ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार से पहले हरियाणा पुलिस की टुकड़ी की तरफ से उन्हें सलामी दी गई। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, श्याम सिंह राणा के अलावा हरियाणा की गृह सचिव सुमिता मिश्रा, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह, विधायक निर्मल सिंह, अशोक अरोड़ा, पूजा मुलाना समेत कई गणमान्यों ने श्रद्धांजलि भेंट की।

वाई पूरन कुमार ने सात अक्टूबर की दोपहर चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित आवास में अपने गनमैन की

सर्विस रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। उसके बाद से पूरन कुमार के पोस्टमार्टम व अंतिम संस्कार को लेकर लगातार गतिरोध बना हुआ था। बदले हुए घटनाक्रम में वाई पूरन कुमार की पत्नी आईएएस अधिकारी अमनीत पी कुमार ने बुधवार की सुबह हरियाणा सरकार व चंडीगढ़ प्रशासन को पत्र लिखकर पोस्टमार्टम के लिए अपनी सहमति दी। अमनीत की मांग पर बैलिस्टिक विशेषज्ञ की उपस्थिति,मजिस्ट्रेट की देखरेख में तथा संपूर्ण वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम करवाया गया। इस दौरान चंडीगढ़ के उपायुक्त निशांत यादव तथा एसएसपी कंवरदीप कौर मौजूद रहे। इस बीच संघर्ष समिति ने बुधवार की शाम चंडीगढ़ के प्रशासक एवं पंजाब के राज्यपाल को ज्ञापन देने के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद पूरन कुमार का शव सेक्टर-24 स्थित आवास पर लाया गया। यहां से सेक्टर-25 के लिए अंतिम यात्रा निकाली गई। इसके बाद सेक्टर-25 स्थित श्मशान में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

अवैध कॉलोनी पर चला पीला पंजा, जेसीबी की मदद से उखाड़ी सड़कें

एजेंसी

हिसार। जिला टाऊन प्लानिंग विभाग द्वारा अवैध कॉलोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान विभाग के अधिकारियों ने हांसी के उमरा रोड स्थित प्रेम नगर के पीछे काटी जा रही एक अवैध कॉलोनी में बनाई गई सड़कों को जेसीबी की मदद से उखाड़ दिया। बिना एडमिशन के दोबारा से सड़क निर्माण या कालोनी काटने पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। अवैध कालोनी में निर्मित सड़कों को उखाड़ने पहुंचे डीटीपी दिनेश कुमार ने बताया कि इस कॉलोनी को पहले भी अवैध घोषित कर नोटिस चस्पा किया गया था। हालांकि, कॉलोनी संचालकों ने नोटिस हटाकर दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। उन्होंने बताया कि दोबारा निर्माण की जानकारी मिलने पर विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर यह कार्रवाई की। डीटीपी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि किसी भी अवैध कॉलोनी में निवेश करने से पहले तहसील कार्यालय या हिसार में तोशाम रोड स्थित डीटीपी कार्यालय से वैध कॉलोनियों की सूची की पुष्टि अवश्य कर लें।

अनिल विज ने कांग्रेस पर साधा निशाना- बोले

जैसे पक्षी को अंधेरे से डर लगता है, वैसे ही कांग्रेस को आरएसएस से डर लगता है

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 'जैसे पक्षी को अंधेरे से डर लगता है, वैसे ही कांग्रेस को आरएसएस से डर लगता है, क्योंकि आरएसएस धर्म और जाति के नाम पर राजनीति करने की उनकी नीति को समाप्त करती है।' विज ने कहा कि भाजपा सरकार जनता की सुरक्षा, पारदर्शिता और विकास के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और विपक्ष के झूठे आरोपों से विचलित नहीं होगी। विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। विज ने कहा कि आरएसएस देशभक्ति, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देती है, जबकि कांग्रेस जैसी पार्टियां समाज को धर्म और जातियों में बाँटकर राजनीति करती हैं। उन्होंने कहा कि ÷जो लोग आरएसएस पर टिप्पणी करते हैं, वे उसी तरह हैं जैसे कुछ पक्षी जो रोशनी से डरकर अंधेरे में रहना पसंद करते हैं।' कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला द्वारा हरियाणा में नशा माफियाओं के बढ़ते जाल को लेकर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए विज ने कहा कि नशे के खिलाफ जितनी सख्त कार्रवाई मौजूदा भाजपा सरकार कर रही है, उतनी पहले किसी सरकार ने नहीं की। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने इस दिशा में एक अलग

नशा नियंत्रण प्राधिकरण का गठन किया है, ताकि इस पर समर्पित रूप से कार्य किया जा सके। उन्होंने कहा कि 'रेगुलर पुलिस का ध्यान कई अन्य मामलों में भी रहता है, इसलिए हमने नशे के खिलाफ विशेष कमेटी बनाई है, जो पूरी तरह इस मिशन पर केंद्रित है।' दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव द्वारा बीजेपी पर 'वोट चोरी अभियान' रोकने के लिए पुलिस के दुरुपयोग के लगाए गए आरोपों पर पलटवार करते हुए विज ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को देश की चुनावी प्रणाली की समझ नहीं है। उन्होंने कहा कि 'भारत में वोट बनाने या काटने का कार्य केवल चुनाव आयोग करता है, उसमें पुलिस की कोई भूमिका नहीं होती। यह पुरानी प्रणाली है, जिसे हर छोटे से छोटे कार्यकर्ता तक जानता है। ऐसे झूठे बयान केवल भ्रम फैलाने के लिए दिए जाते हैं।'कर्नाटक के मुख्यमंत्री के बेटे द्वारा आरसएस को 'तालिबानी तर्ज' पर बताते हुए प्रतिबंध लगाने की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए अनिल विज ने कहा कि इस प्रकार के बयान आरएसएस की देशभक्ति और अनुशासन की विचारधारा से भयभीत मानसिकता को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि आरएसएस देशभक्ति, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा सिखाती है। इसकी कार्यप्रणाली उन लोगों की राजनीति को प्रभावित करती है जो धर्म और जाति के नाम पर समाज को बांटते हैं।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में चलेगा ज्योति मल्होत्रा का केस

एजेंसी

हिसार। पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोपों में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का मामला अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गगनदीप मित्तल की कोर्ट में चलेगा। अब इसी कोर्ट में 19 नवंबर को चार्ज फ्रेम की प्रक्रिया पूरी होगी। ज्योति पर पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप हैं।

ज्योति के वकील कुमार मुकेश पहले ही ज्योति पर लगाई गई धाराओं को गलत बता चुके हैं। उन्होंने बुधवार को कहा कि ज्योति ने कोई सीक्रेट एक्ट का उल्लंघन नहीं किया। पुलिस चार्जशीट में ऐसा कोई सबूत पेश नहीं कर पाई, जिससे उसे सीक्रेट एक्ट में दोषी बनाया जाए। कुमार मुकेश ने बताया कि इसको आधार बनाकर जमानत याचिका लगाई गई है जिस पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. परमिंदर कौर की कोर्ट ने 17 अक्टूबर को पुलिस से जवाब मांगा है। ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने बताया कि सीक्रेट एक्ट की धारा 3 यह कहती है कि अगर किसी ने डिफेंस से जुड़ी चीजों का प्लान, मैप या मॉडल बनाया है तो उसके लिए यह धारा यूज होती है। इस मामले में 14 साल तक की सजा का प्रावधान है। सरकार को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित करने पड़ते हैं, ताकि लोग पहले से ही उस बारे में सजग रहे। पुलिस की फाइंडिंग में ऐसा कुछ नहीं है। चार्जशीट में यह नहीं बताया कि उसने ऐसा कौन सा प्रतिबंध तोड़ा है। कुमार मुकेश के अनुसार पुलिस ने सीक्रेट एक्ट से जुड़ी एक चीज भी रिकवर नहीं की है। आर्मी से जुड़ा कोई दस्तावेज पेश नहीं कर पाई है जिससे यह साबित हो सके उसने कोई गोपनीय जानकारी साझा की हो। अगर गवर्नमेंट के किसी सीक्रेट एक्ट का उल्लंघन होता भी है तो उसमें अधिकतम 3 साल की सजा का ही प्रावधान है। कुमार मुकेश ने बताया कि ज्योति के मोबाइल से पाक एजेंट शाकिर से संपर्क की बात पुलिस कह रही है। पूरी चार्जशीट में शाकिर से चैटिंग व कॉल रिकॉर्डिंग की एक बात सामने नहीं आई है। ना ये बताया गया है कि उसने कोई कॉल डिलीट की है। दानिश से भी ज्योति सिर्फ वीजा पर्पज से ही मिलती थी। सेशन कोर्ट में इसलिए ट्रांसफर हुआ केस ज्योति मामले में जो धाराएं लगी हैं, उसके कारण सेशन कोर्ट में ही आगे की कार्रवाई होगी। अभी तक यह केस ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के यहां चल रहा है।

रोहतक में एएसआई के परिजनों ने पोस्टमार्टम व अंतिम संस्कार से किया इनकार

एजेंसी

रोहतक। एसपी कार्यालय के साइबर सैल में तैनात एएसआई संदीप लाठर सुसाइड मामले ने तूल पकड़ लिया है। परिजनों व ग्रामीणों का साफ कहना है कि जब तक सरकार एएसआई संदीप द्वारा लिखित सुसाइड नोट में शामिल दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार नहीं करती है तब तक संदीप के शव का न तो पोस्टमार्टम होगा और न ही अंतिम संस्कार होगा।

लाढौत गांव स्थित आवास पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, इनेलो सुप्रीमों अभय सिंह चौटाला, विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार सहित कई दिगज नेता पहुंचे और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए सरकार से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कारवाई की मांग की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि एएसआई संदीप लाठर एक ईमानदार पुलिस अधिकारी था। इस मामले में पूरी निष्पक्ष तरीके से जांच होगी और न्याय भी मिलेगा। सरकार पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने भी कहा

कि एएसआई संदीप एक ईमानदार अधिकारी था और सरकार को इस पूरे प्रकरण की हाईकोर्ट के सिटिंग जज की निगरानी में जांच करवानी चाहिए, ताकि कोई भी दोषी बचने नहीं चाहिए और निर्दोष को फंसाया नहीं जाना चाहिए। कांग्रेस पार्टी पीडित परिवार के साथ खड़ी है। इनेलो सुप्रीमों अभय सिंह चौटाला ने भी शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की और मामले की पूरी निष्पक्ष जांच करवाने की सरकार से मांग की। एएसआई संदीप के मामा संजय ने साफ कहा कि जब तक सरकार एडीजीपी के गनमैन, पत्नी, भाई के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार नहीं करती है तब तक वह संदीप के शव का अंतिम संस्कार नहीं करेगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी उन्हें न्याय का भरोसा दिलाया है, लेकिन पहले सरकार दोषियों के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार करे।दरअसल एएसआई संदीप ने एडीजीपी वाई पूरण कुमार पर भ्रष्टाचार व जातिवाद को बढ़ावा देने के गंभीर आरोप लगाए और चार पेज का सुसाइड नोट लिखकर गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी संदीप के परिजनों को पोस्टमार्टम करवाने की बात कहते रहे, लेकिन परिजन अपनी मांग पर अड़े है। समाचार लिखे जाने तक संदीप का शव गांव लाढौत में ही रखा हुआ है। एसएसआई संदीप पांच बहनों में इकलौता भाई था और संदीप की एक बेटा व दो बेटी हैं।

पानीपत में दो लाख 31 हजार विद्यार्थियों ने दी सड़क सुरक्षा परीक्षा

एजेंसी

पानीपत। पानीपत जिला यातायात पुलिस ने शिक्षा विभाग के साथ मिलकर विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में स्कूल, कॉलेज स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रतियोगिता परीक्षा कराई गई,जिसमें जिले के दो लाख 31 हजार 943 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने उप पुलिस अधीक्षक यातायात सुरेश कुमार सैनी के साथ विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर जायजा लिया और विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया। जिले के 960 स्कूल व 23 कॉलेज व औद्योधिक प्रशिक्षण संस्थानों में परीक्षा का आयोजन करवाया गया। परीक्षा चार लेवल पर करवाई गई। प्रथम लेवल में कक्षा तीसरी से पांचवी, दूसरे लेवल में कक्षा छठी से आठवीं, तीसरे लेवल में कक्षा नौवी से बाहरवीं और चौथे लेवल में कॉलेज व औद्योधिक प्रशिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा में यातायात से संबंधित लेवल एक में 20, दूसरे में 25 व तीसरे व चौथे लेवल में 30 प्रशन शामिल किए गए थे। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस प्रशासन द्वारा प्रति वर्ष स्कूल/कॉलेज स्तर पर आयोजित करवाई जाने वाली ट्रेफिक क्वीज कंपीटिशन प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ ट्रेफिक नियमों के बारे ज्यादा से ज्यादा जानकारी देना व इनके प्रति जागरूक कर सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना हैं। भूपेंद्र सिंह ने कहा कि हमारे देश, प्रदेश मे प्रतिदिन सड़क हादसों में बढ़ोतरी हो रही है। इसलिए युवा वर्ग ट्रेफिक नियमों के प्रति जागरूक होगा तो इन हादसों पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है। उप पुलिस अधीक्षक यातायात सुरेश कुमार सैनी ने बताया कि स्कूल, कॉलेज स्तर पर आयोजित की गई उक्त परीक्षा में प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहने वाले विद्यार्थी खंड स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा में हिस्सा लेंगे।

मुंबई में चांदी की कीमत 2 लाख पार

चांदी के एडवांस सौदे बंद, सोना गिरवी रखकर चांदी खरीद रहे

मुंबई धनतेरस और दीपावली के पहले चांदी की कीमतों में बेतहासा तेजी देखने को मिल रही है।चांदी बाजार में तहलका मच गया है। चांदी की आपूर्ति कम होने और मांग ज्यादा होने से मनमाने दामों पर चांदी बिक रही है। वायदा बाजार की तुलना में वायदा बाजार की चांदी ₹30000 किलो महंगी बिक रही है। जिस तरह से रेट बढ़ते चले जा रहे हैं। उसके बाद एडवांस बुकिंग बंद हो गई है। मुंबई के झवेरी बाजार की हालत इन दोनों चांदी की तेजी के कारण देखने लायक है। ज्वेलर्स ने चांदी का आर्डर लेना बंद कर दिया है। 2 लाख रूपये किलो से ज्यादा दाम पर खरीददार चांदी खरीद रहे हैं।इसको देखते हुए यह कहा जा सकता है, चांदी का अब कोई रेट नहीं रह गया है। जो विक्रेता कीमत मांगता है,उसे वह कीमत मिल जाती है।मुँहमांगे दामो में चांदी बिक रही है। वैश्विक बाजार में चांदी की कीमत 53 डॉलर प्रति ओन्स है। जबकि मुंबई में चांदी ₹200000 प्रति किलो से ऊपर में बिकने लगी है। जयपुर में भी चांदी के सिक्के की कीमत ₹2000 के ऊपर हो गई है। पिछले साल यह ₹1100 कीमत पर चांदी का सिक्का बिक रहा था। उस हिसाब से चांदी की कीमत पिछले साल की तुलना में डबल हो गई है। हर बाजार में अलग-अलग दाम, मध्य प्रदेश के भोपाल में चांदी की कीमत 1,86,000 प्रति किलो है। अन्य राज्यों में भी 180000 से लेकर 2 लाख 20 हजार तक चांदी प्रति किलो बिक रही है। चांदी का उत्पादन और आपूर्ति मांग की तुलना में बहुत कम होने से चांदी के दाम निरंतर बढ़ते चले जा रहे हैं। सोने और चांदी को लेकर आम आदमी अपना निवेश बैंकों से निकालकर सोने- चांदी में निवेश।कर रहा है। सोने की मांग दुनिया के सभी फेडरल बैंकों से बनी हुई है। आम आदमी भी सोने और चांदी पर अपना निवेश बढ़ा रहा है। जिसके कारण सोने और चांदी के दामों में एक तरह से आग लगी हुई है।सोना गिरवी रख, चांदी खरीदी,अब तो लोग सोना गिरवी रखकर चांदी खरीद रहे हैं। चांदी में जिस तरह से तेजी देखने को मिल रही है। उसने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है।एक ब्रोकरेज फॉर्म ने दावा किया है, 2027 तक चांदी के दाम 75 से 77 डॉलर प्रति ओन्स तक पहुंच सकते हैं। भारतीय मुद्रा में चांदी के दाम लगभग 2,45,000 प्रति किलो पर पहुंचने की धारणा व्यक्त की जा रही है। जिसके कारण भारत में सोने एवं चांदी के दामों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। वर्तमान स्थिति में कोई भी गुणा भाग और कोई विशेषज्ञता काम नहीं आ रही है।

जनवरी से अगस्त के बीच चाय का निर्यात 2.2 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता देश से चाय का निर्यात जनवरी से अगस्त के बीच 2.2 प्रतिशत बढ़कर 17.44 करोड़ किलोग्राम हो गया। पिछली साल इसी अवधि में यह 17.06 करोड़ किलो रहा था। चाय बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 11.31 करोड़ किलो रहा, जबकि पिछली साल इसी अवधि में यह 9.91 करोड़ किलो था। दक्षिण भारत से 2025 के पहले आठ महीनों के दौरान निर्यात की मात्रा 6.128 करोड़ किलो रही जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 7.14 करोड़ किलोग थी। जनवरी से अगस्त 2025 के दौरान निर्यात का मूल्य 5143.56 करोड़ रुपये रहा जो 2024 की इसी पिछली अवधि में 4461.95 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 में चाय का निर्यात 25.78 करोड़ किलोग्राम रहा था।

पावर मेक प्रोजेक्ट्स को मिला बीएचईएल से 2,500 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी पावर मेक प्रोजेक्ट्स को सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) से 2,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी के कहा कि यह ठेका 1म800 मेगावाट सिंगरेनी थर्मल संयंत्र में इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) आधार पर संयंत्र पैकेज के संतुलन के निष्पादन के लिए है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह परियोजना हमारी मजबूत ऑर्डर बुक को और मजबूत करेगी। साथ ही हमारी रणनीतिक विकास दृष्टि के अनुरूप इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण में कंपनी की मुख्य क्षमताओं को सुदृढ़ करेगी।

ट्रंप के टै रिफ से भारत का अमेरिकी निर्यात 12 फीसदी लुढ़का, चीन-यूएई से बढ़त

व्यापार घाटा एक साल में सबसे ज्यादा, सोना-खाद का आयात तेज

नई दिल्ली

सितंबर में अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ का असर भारत के निर्यात पर दिखने लगा है।अमेरिका को भारतीय सामान का निर्यात 12 फीसदी घट गया है।

यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू हुए थे, जिसका व्यापक असर अक्टूबर में और अधिक दिखाई दे सकता है। हालांकि चीन और यूएई को निर्यात बढ़ने से कुल निर्यात 6.74 फीसदी बढ़कर 36.38 अरब डॉलर हो गया है, जो पिछले वर्ष इसी समय 34.08 अरब डॉलर था।

एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएई को निर्यात 24.33 फीसदी और चीन को 34.18 फीसदी बढ़ा है परंतु इन दोनों देशों से आयात में भी तेजी आई है। चीन से 32.83 फीसदी और यूएई से 16.35 फीसदी आयात बढ़ा है। कुल व्यापार घाटा बढ़कर 31.15 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल में सबसे अधिक है। सोने का आयात दोगुना होकर 9.6 अरब डॉलर पहुंच गया है जबकि खाद का आयात 202 फीसदी बढ़कर 2.3 अरब डॉलर हो गया। पेट्रोलियम आयात में 5.85 फीसदी की गिरावट हुई है। अमेरिका से कच्चा तेल आयात भी घटकर 12-13 अरब डॉलर रह गया है, जो पहले 25 अरब डॉलर था। सर्विस एक्सपोर्ट 5 फीसदी गिरकर 30.82 अरब डॉलर रहा। कपड़ा, जूट, कालीन और हस्तशिल्प निर्यात में 5-13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। कपड़ा, जूट, कालीन और हस्तशिल्प निर्यात में 5-13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

कपड़ा उद्योग से जुड़े 85 फीसदपी व्यापारियों का माल अटका है और उन्हें भारी छूट देकर बेचना पड़ रहा है।

सार्वजनिक बैंकों का बड़ा मर्जर, 2026 तक बन सकती है नई बैंकिंग तस्वीर

नई दिल्ली भारत में एक और बैंकिंग क्रांति की तैयारी हो रही है। सरकार 2026-27 तक चार छोटे सार्वजनिक बैंकों इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी), सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई), बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) और बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) को तीन बड़े बैंकों स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) में मिलाने की योजना बना रही है। इस मेगा मर्जर का उद्देश्य सरकारी बैंकों की संख्या घटाकर उन्हें मजबूत, दक्ष और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। फिलहाल यह योजना प्रारंभिक चरण में है और रिकॉर्ड ऑफ डिस्कशन नामक रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इससे पहले भी 2017-2020 में ऐसे मर्जर से बैंकों को मजबूती मिली थी। फिनटेक और निजी बैंकों से मिल रही चुनौती के चलते सरकार अब सार्वजे निक बैंकों को तकनीकी रूप से और सक्षम बनाना चाहती है।

अमेरिका में गौतम अदाणी केस पर लगी रोक

अमेरिकी शटडाउन के चलते सेक की कार्रवाई रुकी

नई दिल्ली अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (सेक) ने अदाणी ग्रुप चेयरमैन गौतम अदाणी पर लगाए गए धोखाधड़ी के आरोपों वाला मुकदमा अमेरिकी संघीय सरकार के शटडाउन के कारण अस्थायी रूप से रोक दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अदाणी को नवंबर 2024 में ब्रुकलिन के अभियोजकों ने 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत स्कीम और धोखाधड़ी में शामिल होने के आरोप में अभियुक्त बनाया था। सेक ने एक सिविल केस दायर कर आरोप लगाया है कि गौतम और सागर अदाणी ने अमेरिकी प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन करते हुए निवेशकों को भ्रामक जानकारी दी। 10 अक्टूबर की दाखिल रिपोर्ट में सेक ने कहा कि उनका वकील सरकारी फर्लो पर है, इसलिए वह इस केस पर काम नहीं कर पा रहा। यूएस मजिस्ट्रेट जज ने सेक के अनुरोध को स्वीकार करते हुए निर्देश दिया कि शटडाउन समाप्त होने के 30 दिनों के भीतर सरकार एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे। ध्यान देने वाली बात है कि आपराधिक कार्यवाही शटडाउन से प्रभावित नहीं हुई है, हालांकि अभी तक किसी भी आरोपी ने अदालत में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि अदाणी और उनके सहयोगियों ने 2021 में भारतीय अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने की योजना बनाई थी ताकि सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल किए जा सके। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी निवेशकों से 175 मिलियन डॉलर जुटाए, जबकि कथित कदाचार की जानकारी छिपाई गई। सिक्यूटरों ने गौतम और सागर अदाणी समेत कुल आठ लोगों पर अमेरिकी विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम का उल्लंघन करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। सेक के लिए भारतीय अभियुक्तों को कानूनी समन भेजने के लिए भारत के विधि और न्याय मंत्रालय के साथ सहयोग आवश्यक है, जो हेग सर्विस कन्वेंशन के अंतर्ग होता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 862, निफ्टी 261 अंक ऊपर आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग व दिगज कंपनियों के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 862.23 अंक बढ़कर 83,467.66 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 261.75 अंक ऊपर आकर 25,585.30 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंकिंग इंडेक्स 622.65 अंक की मजबूती के साथ 57,422.55 पर था। वहीं निफ्टी ऑटो इंडेक्स 0.37 फिसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.14 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 2.02 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.90 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.42 फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.83 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी रही। । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 271.15 अंक बढ़कर 59,241.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 43.80 अंक ऊपर आकर 18,131.85 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में इटरनल और इन्फोसिस के शेयर गिरे हैं। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, एचसीएल टेक, एलएंडटी और मारुति सुजुकी के शेयर उछले हैं।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 407.67 अंक उछलकर 83,013.10 अंक पर और एनएसई निफ्टी 104 अंक की

बढ़त के साथ 25,427.55 अंक पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट लाभ में जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा जबकि अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.76 फीसदी की बढ़त के साथ 62.38 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 68.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 4,650.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

खाद्य तेल आयात सितंबर में 51 फीसदी उछला, रिफाइंड तेलों का आयात घटा

नई दिल्ली

कच्चे पामतेल (सीपीओ) की खेप बढ़ने से भारत का वनस्पति तेल आयात सितंबर में 16.39 लाख टन तक पहुंच गया, जो पिछले साल की अपेक्षा 51 फीसदी अधिक है।

वहीं रिफाइंड तेल का आयात वर्ष 2021 के बाद पहली बार शून्य देखा गया। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए के मुतो बिक सितंबर 2023 में खाद्य और अखाद्य तेलों सहित कुल आयात 10.87 लाख टन था। रिफाइंड तेल का आयात घटने का कारण सरकार द्वारा कच्चे पाम तेल और रिफाइंड आरबीडी पामोलिन के बीच आयात शुल्क अंतर 8.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 19.25 प्रतिशत कर देना है, जो 31 मई से प्रभावी है। एसईए ने इसे सरकार का साहसिक और समयोचित कदम बताया। इस बदलाव से मांग कच्चे तेल की ओर मुड़ गई, जिससे घरेलू रिफाइनिंग क्षेत्र को नई जान मिली। सितंबर में रिफाइंड आरबीडी पामोलिन का आयात शून्य रहा, जबकि पिछले साल सितंबर में यह 84,279 टन था। सालाना आंकड़ों के अनुसार, भारत ने इस महीने 16.04 लाख टन खाद्य तेल और 35,100 टन अखाद्य तेल का आयात किया।

कच्चे पाम तेल का आयात पिछले साल के 4.32 लाख टन से बढ़कर 8.24 लाख टन हो गया, कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात 1.52 लाख टन से बढ़कर 2.72 लाख टन रहा, जबकि कच्चे सोयाबीन तेल का आयात 3.84 लाख टन से बढ़कर 5.03 लाख टन हुआ।

वहीं, कच्चे पाम कर्नेल तेल का आयात घटकर 4,255 टन रह गया। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक, मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम तेल, अर्जेंटीना, ब्राजील और रूस से सोयाबीन तेल और रूस व यूक्रेन से सूरजमुखी तेल प्राप्त करता है।

ताइवान की चिप विनिर्माता कंपनी टीएसएमसी का मुनाफा 40 प्रतिशत बढ़ा

हांगकांग ताइवान की अग्रणी कंप्यूटर चिप विनिर्माता कंपनी टीएसएमसी का मुनाफा जुलाई-सितंबर तिमाही में करीब 40 प्रतिशत बढ़ गया। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर विनिर्माता कंपनी है। जुलाई-सितंबर तिमाही में इसने रिकॉर्ड 452.3 अरब नए ताइवान डॉलर (15 अरब डॉलर) का मुनाफा दर्ज किया, जो विश्लेषकों के अनुमान से कहीं अधिक है। कंपनी ने पहले कहा था कि पिछली तिमाही में उसका राजस्व सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़ा है। टीएसएमसी चीन-अमेरिका व्यापार तनाव से उत्पन्न जोखिमों से बचाव के लिए अमेरिका और जापान में चिप विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। यह चिप विनिर्माता कंपनी एप्पल एवं एनवीडिया जैसी कंपनियों के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। कंपनी ने अमेरिका में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इसमें एरिजोना में नए कारखाने बनाना भी शामिल है। इसके अलावा कंपनी ने पहले 65 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतबद्धता जाहिर की है।

एफएसएसएआई का सख्त निर्देश......किसी भी खाद्य उत्पाद ओआरएस शब्द का प्रयोग पूरी तरह बंद

नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य आयुक्तों को नया निर्देश जारी किया है, नए आदेश में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी खाद्य उत्पाद (चाहे वह फूट-बेस्ड, नॉन-कार्बोनेटेड या रेडी-टू-ड्रिंक बेवरेज हो) के नाम या ब्रांड में ओआरएस शब्द का प्रयोग अब पूरी तरह बंद रहेगा। एफएसएसएआई ने कहा कि यह आदेश पहले के दो आदेशों (14 जुलाई 2022 और 2 फरवरी 2024) को सुपरसिड करता है, यानी अब वे आदेश रद्द माने जाएंगे।

पहले आदेशों के तहत कुछ कंपनियों को ब्रांड नाम में ओआरएस शब्द का उपयोग करने की अनुमति थी, बशर्ते वे अपने लेबल पर यह चेतावनी दें कि यह उत्पाद डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित ओआरएस फॉर्मूला नहीं है। लेकिन अब एफएसएसएआई ने साफ कर दिया है कि किसी भी खाद्य उत्पाद के नाम, ब्रांड या लेबल पर ओआरएस शब्द का उपयोग (चाहे वह किसी प्रिफिक्स या सफिक्स के साथ ही क्यों न हो) खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 और उसके अंतर्गत बने नियमों का उल्लंघन है।

एफएसएसएआई ने कहा कि इस तरह के नाम या लेबल उपभोक्ताओं को भ्रामक, भेदक और गलत जानकारी देते हैं। इसतरह के उत्पाद धारा 23 और 24, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, उप-विनियमन 4(3) और 5(1), खाद्य सुरक्षा और मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020, उप-विनियमन 4(1) और 4(13), खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम 2018 धाराओं का उल्लंघन करते हैं। इन प्रावधानों के उल्लंघन पर उत्पाद को मिसब्रांडेड और मिसलीडिंग माना जाएगा, जिसके लिए धारा 52 और 53 के तहत सजा और जुर्माना का प्रावधान है।

भारतीय शेयर बाजारों में फिर लौटे विदेशी निवेशक

मुंबई

भारतीय शेयर बाजारों में महीनों की बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों का भरोसा फिर से बढ़ा है।

एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 7 से 14 अक्टूबर के बीच, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पिछले सात कारोबारी सत्रों में से पांच में शुद्ध खरीदार रहे और उन्होंने सेकेंडरी मार्केट में 3,000 करोड़ रुपए से अधिक के शेयर खरीदे। आंकड़ों के अनुसार, प्राइमरी मार्केट में उनकी खरीदारी और अधिक रही और यह 7,600 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई। डेटा से पता चलता है कि एफआईआई ने 15 अक्टूबर को अपनी खरीदारी का सिलसिला जारी रखा और 162 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

अक्टूबर की शुरुआत से, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में करीब 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बीएसई मिडकैप सूचकांक 3.4 और स्मॉलकैप सूचकांक 1.7 प्रतिशत बढ़ा है।

कुछ विश्लेषक इस घटनाक्रम को अल्पकालिक उछाल के रूप में देखते हैं, जबकि अन्य का मानना है कि यह कॉर्पोरेट आय की बेहतर संभावनाओं और भारत में स्थिर आर्थिक स्थितियों को दिखाता है। यह बदलाव इस वर्ष की शुरुआत में देखी गई भारी निकासी के बिल्कुल उल्ट है। इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सेकेंडरी मार्केट में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के शेयर ब्रिकी किए। यह तब हुआ जब भारतीय रिजर्व बैंक और मोदी सरकार ने विकास को समर्थन देने के लिए कई कदम उठाए, जिसमें विशेष रुप से जीएसटी रेट कट, जून में रेपो दर में भारी कमी और एसएंडपी द्वारा भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में सुधार शामिल है। उस दौरान, भारतीय बाजार वैश्विक प्रतिस्पर्धियों से पिछड़ गए। वर्तमान में बढ़ते अमेरिका-चीन तनाव के बीच भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की उम्मीदों से माहौल सुधर रहा है।

भारत में ई20 फ्यूल को बढ़ावा देने की मुहिम बनी नई चुनौती

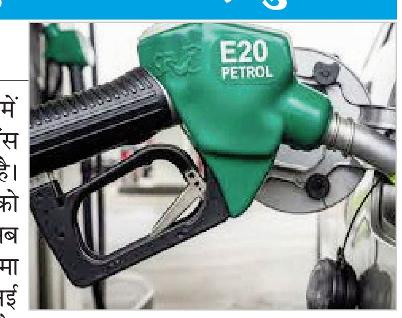

नई दिल्ली

पिछले दो महीनों में पेट्रोल वाहनों के मेंटेनेंस खर्च दोगुना हो गया है। भारत में ई20 फ्यूल को बढ़ावा देने की मुहिम अब कार मालिकों और बीमा कंपनियों के लिए नई चुनौती बनती जा रही है। यह खर्च अगस्त में 28प्रतिशत था, जो अक्टूबर में बढ़कर 52प्रतिशत तक पहुंच गया।

यह जानकारी लोकल सर्कल्स के एक सर्वे में सामने आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले से ही महंगे पेट्रोल दामों से परेशान ग्राहकों पर इन बढ़े हुए खर्चों ने आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। सर्वे में कई वाहन मालिकों ने कहा कि अगर ई20 फ्यूल को ऑप्शनल रखा जाए और इसकी कीमत 20प्रतिशत कम की जाए, तो वे इसका समर्थन करेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि यह भावना पर्यावरण विरोधी नहीं है, बल्कि वाहन मालिकों पर अचानक थोपे गए बदलाव के कारण उत्पन्न हुई है। बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि ई20 फ्यूल के कारण होने वाले नुकसान अक्सर मोटर इंश्योरेंस पॉलिसी में कवर नहीं होते। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगर किसी वाहन को ई20 फ्यूल से नुकसान हुआ, तो इसे रासायनिक जंग या मैकेनिकल घिसावट माना जाता है, न कि दुर्घटना।

ऐसे मामलों में बीमा कवरेज आमतौर पर लागू नहीं होता। हालांकि, अगर इंजेक्टर खराब होने से इंजन में आग लगती है, तो यह विवाद का मामला बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीमा पॉलिसी में बदलाव की आवश्यकता है, ताकि इथेनॉल से जुड़े नुकसान और अपवादों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जा सके।

ऐसा न होने पर भविष्य में यह विवादों का कारण बन सकता है कि कौन-सा नुकसान बीमा में कवर होगा और कौन-सा नहीं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि ई20 फ्यूल पर आ रही शिकायतें गलत जानकारी पर आधारित हैं। सरकार का दावा है कि ई20-कंपैटिबल वाहन 2023 से ही उपलब्ध हैं और इथेनॉल कार्यक्रम भारत के स्वच्छ ईंधन, कम आयात, और किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाता है।

भारत में लांच होगी डुअल-स्पोर्ट बाइक डब्ल्यूआर 55 आर

बेंगलुरु

भारतीय सड़कों पर यामाहा मोटर इंडिया अपनी बहुप्रतीक्षित डुअल-स्पोर्ट बाइक डब्ल्यूआर 55 आर को जल्द उतारने की तैयारी में है। उम्मीद है कि यह यामाहा के 11 नवंबर 2025 को होने वाले इवेंट से ठीक पहले का प्रमोशनल शूट हो सकता है। हाल ही में बेंगलुरु में इस बाइक के स्पाई शॉट्स सामने आए हैं, जिनमें यह बिना किसी कवर के दिखाई दी।

इस इवेंट में कंपनी अपनी रेट्रो-स्टाइल बाइक एक्सएसआर-155 को भी पेश कर सकती है। स्पाई तस्वीरों में डब्ल्यूआर 55 आर रेसिंग ब्लू कलर में नजर आई, जो यामाहा की सिग्नेचर स्कीम है। इसका लुक इंटरनेशनल मॉडल जैसा ही है लंबा ग्राउंड क्लियरेंस, ऊँचा स्टांस और रग्ड डिजाइन इसे एडवेंचर लवर्स के लिए आकर्षक बनाते हैं।

बाइक में 21-इंच फ्रंट और 18-इंच रियर व्हील्स के साथ नॉबी डुअल-पर्पज़ टायर दिए गए हैं, जो ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर बेहतरीन पकड़ सुनिश्चित करते हैं। इसमें 155सीसी लिक्विड-कूल्ड, 4-वॉल्व इंजन है जो वीवीए तकनीक से लैस है। यही इंजन यामाहा आर15 और एमटी-15 में भी इस्तेमाल किया गया है। यह करीब 16.7 पीएस पावर और 14.3 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। बाइक में 6-स्पीड गियरबॉक्स और दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। इसका वजन करीब 134 किलोग्राम है, जिससे यह हल्की और नियंत्रित राइडिंग के लिए उपयुक्त बनती है।

डब्ल्यूआर 55 आर में फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इलेक्ट्रिक स्टार्ट और 8.1 लीटर का फ्यूल टैंक है। भारत में लॉन्च के बाद इसका मुकाबला हीरो एक्सपल्स 200 और कावासाकी केएलएक्स 230 से होगा।

गरीबी है मानवता के भाल पर बड़ा कलंक

ललित गर्ग

आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोजगारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है।

विश्व समुदाय हर वर्ष 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि मानवता के समक्ष खड़ी सबसे बड़ी चुनौती पर मंथन का अवसर है। सभ्यता के विकास, तकनीकी प्रगति, आर्थिक विस्तार और वैश्विक व्यापार के बावजूद आज भी करोड़ों लोग रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। गरीबी एक आर्थिक स्थिति मात्र नहीं है, यह मनुष्य की गरिमा पर सबसे बड़ा आघात है-यह उसके सपनों, आत्मविश्वास और अस्तित्व को कुचलने वाला सामाजिक अभिशाप है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में गरीबी को खत्म करने के प्रयासों और संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस दिन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के संघर्ष को स्वीकार करना और गरीबी के विभिन्न आयामों, जैसे कि आय की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुँच की कमी आदि को संबोधित करना है। 2025 की थीम 'परिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना' है। इस दिवस का उद्देश्य गरीबी और इसके कारणों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, तथा गरीबी से जूझ रहे लोगों की समस्याओं को उजागर करना है।

आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोजगारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन कहते हैं-'गरीबी केवल आय का प्रश्न नहीं है, यह स्वतंत्रता की कमी है।' अर्थात जब किसी व्यक्ति के पास अपने जीवन को अपनी इच्छा के अनुसार ढालने के अवसर नहीं होते, तभी वास्तविक गरीबी जन्म लेती है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में गरीबी घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के अनुसार, 2013-14 में जहाँ देश की 29 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी में थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई। परंतु यह सफलता पूर्ण नहीं कही जा सकती, क्योंकि गरीबी का असर ग्रामीण इलाकों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर अभी भी अधिक है। गरीबी का सबसे बड़ा प्रभाव शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है-जहाँ गरीब बच्चे स्कूल छोड़ने

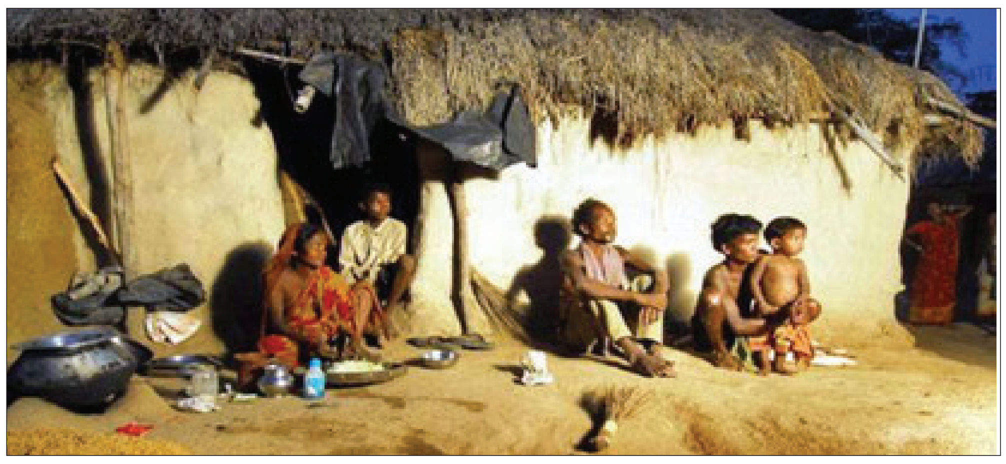

पर मजबूर होते हैं, वहीं परिवार बीमारी का खर्च नहीं उठा पाते। यह चक्र दर चक्र उन्हें फिर गरीबी में धकेल देता है। आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय एवं सफलतम उपक्रम किये हैं, उन्होंने गरीबी को राष्ट्र निर्माण की केंद्र बिंदु नीति के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में सरकार ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई को केवल कल्याण योजनाओं तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भरता के आंदोलन में बदल दिया। जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी ने गरीबों को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से करोड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों के सिर पर छत का सपना साकार किया और अब तक चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण हुआ है। उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्त जीवन दिया और यह योजना केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का प्रतीक बनी। आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने महामारी के कठिन दौर में गरीबों को सुरक्षा कवच दिया, वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान ने गरीबी उन्मूलन का दीर्घकालिक रास्ता रोजगार, कौशल और स्वाभिमान के माध्यम से खोला। प्रधानमंत्री का यह कथन इस दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है-'गरीबी को खत्म करने के लिए सरकार नहीं, समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। जब हर गरीब का सपना हमारा सपना बनेगा, तभी समृद्ध भारत बनेगा।'

गरीबी केवल सरकारी योजनाओं से नहीं मिटेगी; इसके लिए एक व्यापक मानव-केंद्रित सोच की आवश्यकता है। शिक्षा को अधिकार नहीं, अवसर बनाना होगा, हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण मिलना चाहिए। समान आर्थिक अवसरों की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई घटे। पूंजी का उद्देश्य केवल मुनाफा नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण भी होना चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी के शब्दों में, 'गरीबी सबसे बड़ी हिंसा है'-यह भावना हमारे सामाजिक चरित्र में उतरनी चाहिए। जब तक समाज करुणा और साझेदारी की भावना नहीं अपनाएगा, तब तक गरीबी का अंत संभव नहीं। भारत आज गरीबी उन्मूलन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है-जहाँ विकास का अर्थ केवल जीडीपी नहीं, बल्कि गरीब का उत्थान है। यह संदेश दुनिया के लिए भी प्रेरणा है कि यदि सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों लोगों को गरीबी से ऊपर उठा सकता है, गरीब मुक्त भारत के सपने को आकार दे सकता है तो वैश्विक समुदाय भी एकजुट होकर यह कर सकता है। गरीबी केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, यह मानवता की परीक्षा है। जब तक दुनिया के किसी कोने में कोई व्यक्ति भूखा सोएगा, तब तक सभ्यता का विकास अधूरा रहेगा। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि 'सच्ची प्रगति वही है, जिसमें समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान हो।' आज आवश्यकता है एक वैश्विक संकल्प की-'गरीबी नहीं, समानता हमारा धर्म बने।' जब हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति इस दिशा में जिम्मेदारी निभाएगा, तभी वह दिन आएगा जब गरीबी इतिहास का विषय होगी, वर्तमान का नहीं।

गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनानी है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा?

गांधी, विनोबा एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'अन्त्योदय' एवं 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा?

संपादकीय

भारत एआई का गढ़

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गढ़ बनने जा रहा है। यही आकलन करने के बाद गूगल ने आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में एआई का डाटा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। यह डाटा केंद्र, अमरीका से बाहर, सबसे बड़ा केंद्र होगा। गूगल ने आगामी पांच सालों में 15 अरब डॉलर खर्च करने का ऐलान राजधानी दिल्ली में आयोजित एक मेगा इवेंट में किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आदि इस मेगा आयोजन में उपस्थित रहे। गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कूरियन ने खुलासा किया कि आज 14, 000 से अधिक भारतीय गूगल के साथ जुड़े हैं और गूगल की 5 एआई लैब्स पहले से ही भारत में सक्रिय हैं। विशाखापट्टनम का केंद्र गूगल के संपूर्ण एआई सिस्टम का हिस्सा होगा, जो भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सॉल्यूशंस और एआई मॉडल्स को तेजी से स्केल करेगा। गूगल के थॉमस ने यह स्पष्ट घोषणा की कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई नवाचार का जेनरेटर बन रहा है। ह्र भारत में अदाणी समूह के साथ मिल कर यह एआई केंद्र बनाया जाएगा। गूगल का इतना बड़ा निर्णय भारतीय बाजार और भारत में एआई को ग्रहण करने की संभावनाओं की ताकत को सत्यापित करता है। भारत सरकार ने एआई मिशन के लिए 5 साल के दौरान 10, 300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की है। उसके तहत 38, 000 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) लगाई गई हैं। प्रौद्योगिकी और एआई पारिस्थितिकी तंत्र में करीब 60 लाख लोग कार्यरत हैं। इस साल प्रौद्योगिकी क्षेत्र का राजस्व 280 अरब डॉलर को पार कर सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था में 2035 तक एआई 1.7 ट्रिलियन डॉलर जोड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय डाटा कॉरपोरेशन के मुताबिक, भारत का एआई बाजार 2025 में करीब 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। दरअसल भारत विश्व में सबसे बड़ा ऐसा देश और समाज है, जो अभी से एआई के साथ परिवर्तन लाने को उत्साहित है। विशाखापट्टनम को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंध्रप्रदेश की राजधानी रहते हुए हैदराबाद को ह्नसाइबर सिटीह्न का विशेषण मिला था। तेलंगाना के गठन के बाद समीकरण बदले। अब हैदराबाद उसकी राजधानी है, लिहाजा आंध्र के विशाखापट्टनम को गूगल की विराट परियोजना के लिए चुना गया। यहां गूगल के विकास और बढ़ोतरी की अपार क्षमताएं हैं, क्योंकि रणनीतिक तौर पर यह क्षेत्र एआई की रीढ़ है।

चिंतन-मनन

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे।

तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अतः कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे।

आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है। भले ही कोई लाखों वर्षो तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

पराली जलाने की आग में झुलसता उत्तर भारत

डॉ. प्रियंका सौरभ

हर वर्ष जब धान की कटाई का मौसम आता है, तब पंजाब और हरियाणा के खेतों से उठने वाला धुआँ आसमान को धुंध से भर देता है। यह केवल खेतों की आग नहीं होती, बल्कि भारत की कृषि नीति, आर्थिक असमानता और पर्यावरणीय असंतुलन की जलती हुई तस्वीर होती है। दिल्ली तथा उसके आस-पास के क्षेत्र इस धुएँ से ढक जाते हैं और वायु गुणवत्ता अत्यंत गंभीर स्तर तक पहुँच जाती है। कानूनी रूप से पराली जलाना प्रतिबंधित है, फिर भी किसान इसे हर साल दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं।

पराली जलाने का मूल कारण खेतों में बचा हुआ धान का ठूँठ होता है। जब धान की फसल कट जाती है, तब खेत में रह गए अवशेष को हटाने के लिए किसानों के पास न समय होता है न साधन। पंजाब और हरियाणा की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान और गेहूँ पर आधारित है। सन् 1960 के दशक की हरित क्रांति ने इन राज्यों को देश का अन्न भंडार तो बना दिया, परंतु कृषि को एकरूपी और जल-प्रधान भी बना दिया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सन् 2009 में पंजाब में 'उप-जल संरक्षण अधिनियम' लागू किया गया, जिसके अंतर्गत धान की रोपाई जून के अंत तक करने का निर्देश दिया गया ताकि मानसूनी वर्षा का लाभ लिया जा सके। परिणामस्वरूप धान कटाई और गेहूँ की बुवाई के बीच केवल दस से बीस दिन का अंतर रह गया। इतने कम समय में किसान पराली को एकत्रित या सड़ाकर खेत तैयार नहीं कर सकते, इसलिए वे सबसे तेज और सस्ता उपाय-जलाना-चुन लेते हैं।

दूसरा बड़ा कारण आर्थिक है। पराली हटाने या निपटाने के लिए जो मशीनें चाहिए-जैसे सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली, हैप्पी सीडर, बेलर या रोटावेटर-वे अत्यंत महँगी हैं। छोटे और सीमांत किसान जिनकी जोत तीन हेक्टेयर से भी कम है, वे इन मशीनों को खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। उदाहरण के लिए, हैप्पी सीडर का किराया लगभग दो से तीन हजार रुपये प्रति एकड़ पड़ता है, जबकि पराली जलाने में केवल माचिस और थोड़े डीजल का खर्च आता है। यही व्यावहारिकता इस समस्या को गहराई तक जकड़े हुए है।

तीसरा कारण पराली का कम उपयोग मूल्य है। पंजाब और हरियाणा में बोई जाने वाली अधिकतर धान की किस्में साधारण होती हैं, जिनमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है। ऐसी पराली पशु चारे के रूप में प्रयोग योग्य नहीं होती और न ही इससे जैव ईंधन या खाद आसानी से बनाई जा सकती है। पूर्वी भारत के राज्यों में धान की पराली पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग में आती है, परंतु पंजाब-हरियाणा में यह उपयोग सीमित है। इसीलिए यहाँ पराली किसानों के लिए किसी आर्थिक लाभ का साधन नहीं बन पाती।

चौथा कारण है श्रम की कमी और जोत का विखंडन। प्रवासी मजदूरों की संख्या घट रही है, और छोटे खेतों में मशीनरी लगाने की क्षमता नहीं है। समय की कमी और श्रमिकों के अभाव में किसान अगली फसल बोने की जल्दी में पराली को जला देते हैं।

सामाजिक दृष्टि से भी पराली जलाना वर्षों से एक स्वीकृत प्रक्रिया बन चुकी है। किसानों को यह लगता है कि खेत की सफाई का यही सबसे आसान और पारंपरिक तरीका है। कानूनों और जुर्मानों के बावजूद यह प्रथा इसलिए जारी है क्योंकि प्रवर्तन ढीला है और राजनीतिक दबावों के कारण प्रशासन कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। वर्ष 2023 में पंजाब में लगभग साठ हजार पराली जलाने की घटनाएँ दर्ज की गईं, जबकि जुमार्ना और निगरानी दोनों व्यवस्था में थे।

अब प्रश्न यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या हो सकता है?

स्पष्ट है कि केवल प्रतिबंध या दंड इस समस्या को समाप्त नहीं कर सकते। आवश्यक है कि ऐसी रणनीति अपनाई जाए जो किसान की आजीविका और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चले।

पहला समाधान है फसल विविधीकरण। पंजाब और हरियाणा की भूमि लगातार धान-गेहूँ चक्र से थक चुकी है। जल स्तर भी नीचे जा रहा है। अतः मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इन फसलों के लिए यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीमा सुरक्षा और निश्चित खरीद सुनिश्चित करे तो किसान धीरे-धीरे धान पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हरियाणा की 'भावांतर भरपाई योजना' इस दिशा में एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें किसानों को मूल्य अंतर की भरपाई दी जाती है।

दूसरा समाधान है यंत्रीकरण और साझा संसाधन। किसानों को मशीनें साझा उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएँ। पंचायत या सहकारी समितियों के स्तर पर 'कस्टम हायरिंग केंद्र' स्थापित हों, जहाँ से किसान कम किराए पर हैप्पी सीडर या सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली जैसी मशीनें ले सकें। केंद्र सरकार की 'फसल अवशेष प्रबंधन योजना' के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा में एक लाख से अधिक मशीनें बाँटी गई हैं, पर इनकी पहुँच सभी किसानों तक नहीं हो पाई है। यदि हर गाँव में सामुदायिक यांत्रिक केंद्र बने, तो किसान पराली जलाने से बचेंगे।

तीसरा उपाय है पराली का औद्योगिक उपयोग। पराली को कचरा न मानकर एक संसाधन के रूप में देखा जाए। इससे जैव ऊर्जा, एथेनॉल, कागज, पैकेजिंग और निर्माण सामग्री तैयार की जा सकती है। उदाहरण के लिए, भारतीय तेल निगम की पानीपत जैव रिफाइनरी प्रतिवर्ष लगभग दो लाख टन पराली से एथेनॉल बनाती है। यदि इस प्रकार की परियोजनाएँ हर जिले में स्थापित हों तो पराली किसानों के लिए आय का स्रोत बनेगी और जलाने की आवश्यकता कम होगी। सरकार को परिवहन सहायता, खरीद अनुबंध और स्थायी बाजार उपलब्ध कराने की नीति बनानी चाहिए।

चौथा कदम होना चाहिए कृषि-पर्यावरणीय समय निर्धारण। धान की छोटी अवधि वाली किस्में जैसे पी.आर.-126 या डी.आर.आर. धान-44 अपनाने से किसानों को फसल कटाई और बुवाई के बीच कुछ अतिरिक्त दिन मिल सकते हैं। इस समय का उपयोग पराली प्रबंधन में किया जा सकता है। इसके साथ-साथ परिशुद्ध कृषि यानी सटीक तकनीकी साधनों का प्रयोग, जल-सिंचाई प्रणाली में सुधार और जैविक खाद उपयोग से भी पर्यावरणीय लाभ मिलेगा।

पाँचवाँ, सामुदायिक प्रोत्साहन और जनजागरूकता। पराली न जलाने वाले किसानों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए, गाँव स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित हो और 'शून्य दहन ग्राम' घोषित किए जाएँ। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में 'पुसा डीकंपोजर' नामक जैविक घोल के प्रयोग से पराली को खेत में ही खाद में बदला जा रहा है। यदि इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए तो पराली जलाने की आवश्यकता नहीं बचेगी।

छठा, प्रशासनिक तालमेल और नीति-समन्वय। केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य होना चाहिए ताकि कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा विभाग एक साझा योजना के अंतर्गत काम करें। पराली प्रबंधन को ग्रामीण रोजगार योजना, जैव ऊर्जा मिशन और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों से जोड़ा जा सकता है। उदाहरण के लिए, मनरेगा के अंतर्गत पराली एकत्रीकरण या जैव खाद इकाइयों में कार्य को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

सातवाँ, शहरी-ग्रामीण सहभागिता भी इस दिशा में उपयोगी होगी। दिल्ली जैसे महानगर जहाँ प्रदूषण का सबसे अधिक प्रभाव होता है, उन्हें अपने सामाजिक उत्तरदायित्व निधि के माध्यम से पंजाब-हरियाणा के किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। इससे प्रदूषण के स्रोत और पीड़ित क्षेत्र के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना विकसित होगी। इसके साथ-साथ तकनीकी निगरानी प्रणाली को भी सशक्त बनाना चाहिए।

महाराष्ट्र और जम्मू कश्मीर के बाद बिहार- राहुल गांधी इंडिया गठबंधन को संभाल क्यों नहीं पा रहे हैं?

संतोष कुमार पाठक

2024 के लोकसभा चुनाव में सहयोगी दलों की मदद से कांग्रेस पार्टी ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी। तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लड़ने के लिए राहुल गांधी ने उस यूपीए के नाम को भी त्याग दिया जिसके बैनर तले कांग्रेस ने वर्ष 2004 से 2014 तक देश में राज किया था। लोकसभा चुनाव से पहले यूपीए की जगह पर राहुल गांधी ने सहयोगी दलों के साथ मिलकर एक नया मोर्चा बनाया जिसे इंडिया गठबंधन का नाम दिया गया।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सहयोगी दलों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री तो बन गए लेकिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्षी गठबंधन को इतनी ज्यादा सीटें दिलाने का श्रेय लेकर कांग्रेस ने राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित करने का प्रयास किया। कुछ हद तक कांग्रेस को अपने इस अभियान में कामयाबी मिलती भी दिखाई दी। वोट चोरी का अभियान चला कर और बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल कर राहुल गांधी अपने आपको विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेता के तौर पर स्थापित करने में थोड़े बहुत कामयाब होते भी दिखाई दिए।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर तमिलनाडु के वर्तमान मुख्यमंत्री एवं डीएमके सुप्रीमो स्टालिन तक से उनके व्यक्तिगत संबंध मजबूत होते नजर आए। जम्मू कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव जीतने में राहुल गांधी और नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला की व्यक्तिगत केमिस्ट्री का जबरदस्त योगदान माना जाता है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने तो खुलकर राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार तक बता दिया।

लेकिन इन सबके बावजूद अचानक देश की राजनीति तेजी से बदलती हुई नजर आने लगी है। जम्मू कश्मीर में राज्यसभा सीट और विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस आमने-सामने आ गए है। जम्मू कश्मीर से राज्यसभा सांसदों के लिए होने वाले चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने तीनों सेफ सीट पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं और कांग्रेस को जो चौथी सीट ऑफर की है, उसे जीतना बहुत मुश्किल है। कांग्रेस पहले से ही इसे लेकर अपने सहयोगी दल से नाराज चल रही है वहीं अब विधानसभा की जिन 2 सीटों पर उपचुनाव होना है, उसे लेकर भी मामला फंसता हुआ ही नजर आ रहा है। राज्य में विधानसभा की 2 सीटों- बडगाम और नगरोटा में 11 नवंबर को चुनाव होना है। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने उमर अब्दुल्ला की पार्टी पर गठबंधन के सिद्धांतों का अनादर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह राज्यसभा की एक सेफ सीट देने के अपने वादे से मुकर गई। कांग्रेस ने गठबंधन धर्म की याद दिलाते हुए सख्त शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि या तो नेशनल कांफ्रेंस उन्हें विधानसभा की एक सीट दे या फिर कांग्रेस दोनों ही सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार देगी।

महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव के समय से ही शुरू हुई खटास कम होने का नाम नहीं ले रही है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर और दुनिया भर में भेजे गए सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को लेकर एनसीपी और कांग्रेस के सुर अलग-अलग तो नजर आए ही। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के जेल जाने के बाद इस्तीफे की बाध्यता वाले बिल पर गठित की जाने वाली जेपीसी में शामिल नहीं होने को लेकर भी कांग्रेस इंडिया गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों को अपने साथ ला पाने में नाकामयाब होती नजर आ रही है।

वहीं बिहार का मामला तो राहुल गांधी के नेतृत्व की स्वीकार्यता को लेकर सबसे बड़ा झटका साबित होता हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ आरजेडी है जिसके नेता तेजस्वी यादव ने खुल कर राहुल गांधी की प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का समर्थन कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी है जो लगातार पूछे जाने के बावजूद भी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं कर रहे हैं। जबकि राजनीतिक सच्चाई तो यही है कि बिहार में विपक्षी गठबंधन में आरजेडी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। कांग्रेस और आरजेडी में सीटों के बंटवारे को लेकर भी घमासान मचा हुआ है। सहयोगी दलों के साथ कांग्रेस की यह खींचतान और महत्वपूर्ण मौकों पर राहुल गांधी की गैरमौजूदगी उनके नेतृत्व पर ही सवालिया निशान लगाती नजर आती है। पता नहीं राहुल गांधी इस तथ्य को समझ पा रहे हैं या नहीं और इससे भी बड़ा सवाल यह कि आखिर राहुल गांधी को इस तरह की सलाह कौन देता है कि उन्हें दिल्ली में होने के बावजूद तेजस्वी यादव से मुलाकात नहीं करनी चाहिए। केसी वेणुगोपाल और तेजस्वी यादव की जगह पर अगर राहुल सीधे तेजस्वी के साथ बैठकर बात करते तो शायद मामला इतना उलझता नहीं।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में प्रतिनिधि सभा की फिर स्थापना के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

काठमांडू, एजेंसी। प्रतिनिधि सभा के विघटन के खिलाफ नेपाल के सुप्रीम कोर्ट में लगातार रिट दायर हो रहे। कानून व्यावसायियों के अनुसार अब तक 10 रिट पंजीकरण के लिए प्रस्तुत की जा चुकी हैं। मंगलवार सुबह से अधिवक्ता प्रेमराज सिलवाल, कृतिनाथ शर्मा पौडेल, युवराज सफल पौडेल, विपना शर्मा, आयुष बडाल और मकबुल मियां समेत कई अधिवक्ताओं ने ये रिट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की हैं। रिट में प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नियुक्ति को असांविधानिक बताया गया है। साथ ही असांविधानिक रूप से नियुक्त प्रधानमंत्री के निर्णयों को रद्द करने की मांग की गई है। रिट में यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रधानमंत्री और सरकार के निर्णयों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश जारी किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार से नई रिट और मामलों का पंजीकरण शुरू किया है, जिसके साथ ही प्रतिनिधि सभा विघटन के खिलाफ ये रिट दाखिल की गई हैं। गौरतलब है कि 9 सितंबर को जेन-जी प्रदर्शन के दौरान सुप्रीम कोर्ट परिसर में आगजनी की घटना हुई थी, जिससे भवन को नुकसान पहुंचा था।

चीनी स्कूल में हिंदी की पढ़ाई, राजदूत ने शिक्षिका को किया सम्मानित

बीजिंग, एजेंसी। चीन में स्कूल स्तर पर पहली बार हिंदी की औपचारिक पढ़ाई शुरू हुई है। इस पहल के शुरू होने पर चीन में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर के साथ मिलकर ब्रिटानिका इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिका भव्या मेहता का सम्मान किया। भव्या मेहता कीर्ति चक्र विजेता ब्रिगेडियर रवि दत्त मेहता की बेटी हैं। यह पहल विश्वविद्यालय कार्यक्रमों से परे हिंदी की पहुंच का विस्तार करती है।

चीन का द. कोरियाई कंपनी की 5 अमेरिकी इकाइयों पर प्रतिबंध

बीजिंग, एजेंसी। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दक्षिण कोरियाई जहाज विनिर्माता हनव्हा ओशन की 5 इकाइयों से चीनी कंपनियों के लेनदेन पर रोक लगा दी है। मंत्रालय ने कहा, वह विश्व जहाज विनिर्माण में चीन के बढ़ते प्रभुत्व की अमेरिका द्वारा की जा रही जांच की तहकीकात कर रहा है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के जहाजों पर नए बंदरगाह शुल्क लगाए हैं।

ब्रिटेन में अब वीजा आवेदकों के लिए कठिन होगी परीक्षा

लंदन, एजेंसी। सरकार ने भारत सहित अन्य देशों के वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की अनिवार्य परीक्षा को मंगलवार को और कठिन बनाने की शर्तें पेश कीं। ब्रिटेन में बढ़ते आव्रजन पर कार्रवाई के तहत संसद में यह प्रस्ताव रखा गया। अंग्रेजी की यह नई परीक्षा ब्रिटेन के गृह विभाग की तरफ से आयोजित होगी। आठ जनवरी, 2026 से सभी कुशल श्रमिकों के लिए आगामी वीजा आवेदन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में परिणामों का सत्यापन किया जाएगा। वीजा आवेदक का अंग्रेजी बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने का स्तर ए-लेवल अथवा 12वीं कक्षा के समकक्ष होना चाहिए, जिसे लेवल बी-2 कहा जाता है।

इक्वाडोर की व्यस्त सड़क पर पिकअप ट्रक में विस्फोट, एक की मौत

इक्वाडोर, एजेंसी। इक्वाडोर के बंदरगाह शहर गुआयाकिल की एक व्यस्त सड़क पर मंगलवार शाम एक पिकअप ट्रक में विस्फोट हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हुए। गुआयाकिल अग्निशमन विभाग के मेजर जॉर्ज मोंटेनेरो ने स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि मारा गया व्यक्ति एक कैब ड्राइवर था, जो कि धमाके वाली जगह के पास में ही था। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस आसपास के इलाके में सभी वाहनों की भी जाँच कर रही है। मोंटानेरो ने कहा, हम एहतियात के तौर पर पूरी इमारत खाली करा रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या यह कार बम हो सकता है, उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस की जांच का इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता, लेकिन एक सामान्य कार इस तरह नहीं फटती। 2023 में इक्वाडोर में एक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या के बाद हिंसा बढ़ने के कारण कई कार बम विस्फोट हुए थे। गवर्नर हम्बर्टो प्लाजा ने मंगलवार के विस्फोट को साफ-साफ आतंकवाद बताया और वादा किया कि पुलिस इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों को ढूंढ निकालेगी। उन्होंने कहा, हम इसके जिम्मेदार लोगों को पकड़ेंगे और उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। इन लोगों पर आतंकवाद का मुकदमा चलाया जाएगा।

हमास के लड़ाकों ने गाजा की सड़कों पर फिर मचाया कोहराम, हथियार लहराते हुए बंदियों को ले गए

गाजा, एजेंसी। गाजा में संघर्षविराम के बीच हमास ने सड़कों पर दोबारा नियंत्रण करने की कोशिश की है। इसके लिए अभियान भी चलाया है। इस दौरान हमास के लड़ाकों ने कई संदिग्ध अपराधियों को मार गिराया। हमास ने इसे कानून-व्यवस्था बहाल करने की दिशा में कोशिश बताया है। हालांकि इस कार्रवाई से एक ओर स्थानीय लोगों में राहत की भावना दिखी है, वहीं दूसरी ओर यह संघर्षविराम को अस्थिर करने वाला कदम भी साबित हो सकता है। हमास अब भी अपने हथियार नहीं डालने के फैसले पर अड़ा हुआ है।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि हमास ने कई बुरे गिरोहों को खत्म किया है। ईमानदारी से कहूं तो इससे मुझे कोई आपत्ति नहीं। हालांकि उन्होंने दोहराया कि हमास को अपने हथियार डालने होंगे और अगर नहीं किया तो हम उन्हें निहत्था करेंगे। ट्रंप की मध्यस्थता से लागू संघर्षविराम योजना के तहत हमास को निरस्त्र होकर सत्ता एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी निकाय को सौंपनी है, लेकिन वह प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है।

इजरायल के हमलों के बाद पिछले महीनों में गाज़ा में कानून-व्यवस्था लगभग खत्म हो गई थी। हमास के सुरक्षा बलों के हटने के बाद स्थानीय गिरोहों और प्रभावशाली परिवारों ने कब्जा जमाना शुरू कर दिया था, जिन पर मानवीय सहायता लूटने और उसकी कालाबाजारी करने के आरोप हैं। पिछले हफ्ते हमास ने डॉगमश परिवार से जुड़े एक गिरोह पर धावा बोला, जिसमें लगभग दो दर्जन लोग मारे गए। मृतकों में एक स्थानीय पत्रकार और हमास नेता के बेटे के भी शामिल होने की खबर है।

हमास से जुड़े टेलीग्राम चैनलों ने दावा किया कि मारे गए लोग सहयोगी और गद्दार थे जो इजरायल से मिले हुए थे। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हमास बलों को आठ लोगों को सरेआम गोली मारते हुए दिखाया गया। इस घटना की मानवाधिकार संगठनों (अल मेजान सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स और पैलेस्टीनियन इंडिपेंडेंट कमीशन फॉर ह्यूमन राइट्स) ने कड़ी निंदा की है।

कई नागरिकों ने इस कार्रवाई को सामान्य जीवन की शुरुआत कहा है। उत्तरी गाजा के एक स्वास्थ्यकर्मी सईद अबू एलाइश ने कहा, हमने दो साल बाद पुलिस को सड़कों पर देखा है। कुछ सुरक्षा लौटती दिख रही है। वहीं, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकेत दिया है कि अगर हमास ने शांतिपूर्ण तरीके से हथियार नहीं डाले तो सैन्य कार्रवाई फिर शुरू की जा सकती है। हमास के गृह मंत्रालय ने एक सप्ताह के लिए आम माफी की घोषणा की है, जिसमें कहा गया है कि जिन गिरोह सदस्यों का हाथ हत्या में नहीं है वे आत्मसमर्पण कर अपना रिकॉर्ड साफ कर सकते हैं। कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक सुरक्षा या नागरिकों के अधिकारों से खिलवाड़ नहीं करेगा। यह अंतिम चेतावनी है। हमास का कहना है कि वह रॉकेट जैसे आक्रामक हथियार सौंप सकता है, लेकिन आत्मरक्षा के लिए हल्के हथियार रखना चाहता है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर ये गिरोह और हमास दोनों हथियारबंद बने रहे तो गाज़ा में युद्धविराम से शांति तक का सफर बहुत कठिन हो सकता है।

टाइम मैगजीन के कवर पर छपी अपनी फोटो को लेकर हुए नाराज डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टाइम मैगजीन के कवर पर छपी अपनी फोटो को लेकर नाराज हैं। उन्होंने इसे अब तक की सबसे घटिया तस्वीर बताते हुए नाराजगी व्यक्त की है। ट्रुथ सोशल पर अपनी भड़ास निकालते हुए ट्रंप ने कहा कि मैगजीन ने उनके बारे में तो बेहतरीन लेख छापा है, लेकिन साथ ही शायद अब तक की सबसे खराब फोटो भी लगा दी। ट्रंप ने आगे कहा कि इस फोटो में उनके बालों को गायब कर दिया गया है और सिर के ऊपर एक विचित्र सी चीज तैरती हुई दिख रही है, जो किसी छोटे से मुकुट जैसी लगती है। यह बेहद अजीबोगरीब है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें कभी नीचे से ली गई फोटो पसंद नहीं आई, लेकिन यह तो बेहद खराब है। इसे जरूर बताना चाहिए ताकि वे समझ सकें कि वे क्या कर रहे हैं। दरअसल, टाइम के कवर पर ट्रंप आत्मविश्वास से भरी नजरों से आगे देखते नजर आ रहे हैं, और इसका कैप्शन है- हिज ट्रायम्फ यानी उनकी जीत। यह मिडिल ईस्ट में ट्रंप की सफलता को दर्शाता है। उन्हें गाजा में युद्धविराम कराने और इजरायल व फिलिस्तीनी उग्रवादी संगठन हमास के बीच बड़े पैमाने पर बंधक-कैदी एक दूसरे को सौंपे गए। यह कवर फोटो गाजा युद्धविराम समझौते की सफलता और उसके बाद मिस्र के लाल सागर के रिसॉर्ट शर्म अल-शेख में हुए हस्ताक्षर की पृष्ठभूमि में आई है। इस घटना के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत कई वैश्विक नेता ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की मांग कर रहे हैं। ट्रंप इस साल का नोबेल शांति पुरस्कार हासिल करने से चूक गए थे, जो वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष समेत आठ युद्धों को समाप्त कराया है। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब ट्रंप ने टाइम मैगजीन पर तंज कसा हो। फरवरी में उन्होंने मैगजीन का मजाक उड़ाया था।

मैक्सिको में बाढ़ से पूरा गांव बहा, 60 से ज्यादा लोगों की मौत, दर्जनों अभी भी लापता

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची हुई है। बाढ़ के चलते 400 लोगों का एक पूरा गांव नक्शे से साफ हो गया है और कई इलाकों का संपर्क टूट गया है। लोग ऊंचे इलाकों पर फंसे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित निकाला जा रहा है। सेना के हजारों जवान और नागरिक कार्यकर्ता लोगों को बचाने और सड़कों को फिर से शुरू करने के काम में जुटे हैं। मैक्सिको सरकार ने पुष्टि की है कि बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 64 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों अभी लापता हैं। एक पीड़िता ने बताया कि कुछ नहीं बचा, सबकुछ तबाह हो गया। पुल, मकान, सड़कें सबकुछ चला गया है।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि दूर-दराज के इलाकों में सैंकड़ों से लेकर हजारों तक लोग लापता हैं और भारी तबाही की आशंका है। मैक्सिको के पश्चिमी तट पर दो उष्णकटिबंधीय तूफानों के मिलने की वजह से मैक्सिको में भारी बारिश हुई। इससे नदियां उफान पर हैं और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहा है। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता सड़कों को फिर से खोलना और हवाई ब्रिजों को सुरक्षित करना है, जिससे लोगों को राशन की आपूर्ति हो सके और उन्हें सुरक्षित बचाया जा सके।

तीन राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित : सरकार और सेना द्वारा लोगों को बचाने की भरसक कोशिश की जा रही है, लेकिन कई लोगों ने मिलकर खुद ही बचाव की कोशिशें शुरू कर दी हैं। कई लोगों ने अमेरिका में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से मदद मांगी है, जिन्होंने किराए पर हेलीकॉप्टर लेकर लोगों को बचाया। दरअसल भारी तबाही से कई इलाके संपर्क से कट गए हैं और वहां पहुंचने के लिए सेना के जवानों को पहुंचने के लिए 6-7 घंटे पैदल चलकर जाना पड़ रहा है। मैक्सिको के वेराक्रूज, हिडाल्गो और पुएबला राज्यों में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। हिडाल्गो में ही करीब एक लाख घर तबाह हुए हैं। वेराक्रूज में 29 लोगों की मौत हुई है। वेराक्रूज में बीते चार दिनों में 24 इंच बारिश हुई है। वेराक्रूज के गवर्नर ने बताया कि राज्य में करीब तीन लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

चार्ली किर्क की हत्या पर टिप्पणी करना पड़ा भारी, अमेरिकी सरकार ने छह विदेशियों के वीजा रद्द किए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने मंगलवार को छह विदेशियों के वीजा रद्द कर दिए क्योंकि इन लोगों ने रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के बारे में सोशल मीडिया पर टिप्पणी की थी। वीजा रद्द करने की यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किर्क को मरणोपरांत अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया। यह सम्मान किर्क के 32वें जन्मदिन पर दिया गया।

अमेरिकी विदेश विभाग ने जारी किया बयान : अमेरिकी विदेश विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा, अमेरिका उन विदेशियों की मेजबानी करने के लिए बाध्य नहीं है जो अमेरिकियों की मृत्यु की

कामना करते हैं। जिन लोगों के वीजा रद्द किए गए हैं, उनमें दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, मेक्सिको, ब्राजील, जर्मनी और पेराग्वे के लोग शामिल हैं। विदेश विभाग ने बताया कि अर्जेंटीना के जिस नागरिक का वीजा रद्द किया गया है, उसने चार्ली किर्क पर नस्लवादी, जेनोफोबिक (विदेशियों से नफरत करने वाला), स्त्री द्वेषी बयानबाजी प्रसारित करने का आरोप लगाया था। वहीं जर्मनी के व्यक्ति ने लिखा कि जब फासीवादी मरते हैं तो डेमोक्रेट शिकायत नहीं करते।

अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही ट्रंप सरकार : चार्ली किर्क की बीते महीने यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चार्ली किर्क दक्षिणपंथ समर्थक और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी थे। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि वे चार्ली किर्क की हत्या पर खुशी जताने वाले लोगों की पहचान कर रहे हैं। जनवरी में सत्ता पर काबिज होने के बाद से ही ट्रंप प्रशासन द्वारा अवैध अप्रवासियों को निशाना बनाया जा रहा है। साथ ही सोशल मीडिया पर की जाने वाली टिप्पणियों को लेकर भी निशाना बनाया जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को अपने करीबी चार्ली किर्क को मरणोपरांत अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम प्रदान किया। साथ ही ट्रंप ने किर्क को सत्य और स्वतंत्रता के लिए शहीद बताया। ट्रंप ने किर्क की तुलना सुकरात, सेंट पीटर, अब्राहम लिंकन और मार्टिन लूथर किंग से की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित इस समारोह में यह भी संकल्प लिया कि वे कट्टरपंथी वामपंथी समूहों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को दोगुना कर देंगे, जिसे उन्होंने किर्क की गोलीबारी के बाद शुरू किया था।

डोनाल्ड ट्रंप का शटडाउन पर बड़ा एलान- हम डेमोक्रेट पार्टी के शुरू किए सरकारी कार्यक्रमों को बंद कर रहे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शटडाउन के बीच डेमोक्रेट्स पार्टी के सपोर्ट से होने वाले प्रोग्राम को बंद करने का एलान किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार प्रशासन की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं और बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची भी जल्द जारी होने की सूचना है। डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (14 अक्तूबर) को घोषणा करते हुए कहा कि प्रशासन चल रहे सरकारी शटडाउन का इस्तेमाल डेमोक्रेट समर्थित संघीय कार्यक्रमों को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची शुक्रवार को जारी की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में कहा, शटडाउन के कारण डेमोक्रेट्स की हार हो रही है, क्योंकि हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिनका हम विरोध करते थे और अब किसी कीमत पर वापस नहीं आने दिया जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान में आगे कहा कि इसलिए हम वो काम कर पा रहे हैं, जो हम पहले नहीं कर पाते थे। हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिन्हें हम बंद करना चाहते थे या जिन्हें हम कभी नहीं होने देना चाहते थे, और अब हम उन्हें बंद कर रहे हैं, और हम उन्हें वापस नहीं आने देंगे।

रिपब्लिकन कार्यक्रम बंद नहीं होंगे- ट्रंप : बंद होने वाले कार्यक्रमों में ऐसे कई कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप ने समाजवादी और अर्ध-साम्यवादी करार दिया है। व्हाइट हाउस से बोलते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इस सूची में कई ऐसे कार्यक्रम शामिल होंगे, जिन्हें उन्होंने समाजवादी और अर्ध-कम्युनिस्ट बताया है। उन्होंने कहा, हम शुक्रवार को इनकी एक सूची जारी करेंगे, जिसमें कुछ सबसे गंभीर समाजवादी, अर्ध-साम्यवादी शायद पूर्ण साम्यवादी नहीं, हम इसे न्यूयॉर्क के लिए बचा रहे हैं, लेकिन अर्ध-साम्यवादी कार्यक्रमों को बंद किया जाएगा, और हम उन्हें बंद कर रहे हैं। हम रिपब्लिकन कार्यक्रमों को इसलिए बंद नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमें लगता है कि वे कारगर हैं।

हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला : इससे पहले मंगलवार को व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कहा था कि वह अतिरिक्त कर्मचारियों की संख्या में कटौती या आरआईएफ के साथ बंद को खत्म करता रहेगा। यह कदम इस बात का संकेत है कि ट्रम्प प्रशासन संघीय कर्मचारियों की संख्या में कटौती जारी रखने की योजना बना रहा है, क्योंकि पिछले हफ्ते सात संघीय एजेंसियों के हजारों कर्मचारियों को उनकी नौकरी जाने की सूचना दी गई थी।

पाकिस्तान-अफगान में फिर हिंसक झड़प, तालिबान का दावा- 7 पाक सैनिक मारे

काबुल/ इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार रात को फिर झड़पें हुईं। एपी के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सीमा पर दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया है। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी थी कि अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल है। इस्लामाबाद और काबुल में किसी भी वक्त संघर्ष शुरू हो सकता है। आसिफ ने कहा था, संघर्ष की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। अगर अफगानिस्तान धमकी देता है, तो हम तुरंत जवाब देंगे। इस लड़ाई में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के पोस्ट पर कब्जा करने का दावा किया है। साथ ही टैंकों के नुकसान की भी खबर है। पाकिस्तानी सरकारी मीडिया ने तालिबान पर बिना उकसावे के पहली गोली चलाने का आरोप लगाया। वहीं, अफगानिस्तान समर्थित सोशल हैंडल ने दावा किया कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान में उन जगहों को निशाना बनाया है जहां से अफगानिस्तान के लिए खतरा पैदा होता है। इसके साथ ही 7 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने की भी बात कही। पाकिस्तान का दावा- तालिबान चौकियों को भारी नुकसान पाकिस्तान ने सूत्रों ने दावा किया है कि पाकिस्तान के हमले में कई तालिबान चौकियों को भारी नुकसान पहुंचा और उनकी चौकियों से आग की लपटें उठती देखी गई पाकिस्तानी पीटीवी न्यूज ने बताया, अफगान तालिबान और फितना अल-खवारिज ने कुर्रम में बिना वजह गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत से जवाब दिया।

दावा किया गया कि पाकिस्तान की जवाबी गोलीबारी में एक तालिबानी टैंक नष्ट हो गया, जिससे हमलावर अपनी चौकियां छोड़कर इलाके से भागने पर मजबूर हो गए। वहीं, काबुल का दावा है कि वह अपनी हवाई सीमा और संप्रभुता के उल्लंघन का जवाब दे रहा है। पाकिस्तानी सेनाएं हाई अलर्ट पर सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरफ से तैयार है। वहीं अफगानिस्तान समर्थित वॉर ग्लोब न्यूज ने एक वीडियो जारी करते हुए दावा किया कि तालिबान के एक ड्रोन ने पख्तूनख्वा के सीमावर्ती इलाकों में एक पाकिस्तानी सैन्य अड्डे पर विस्फोटक किया।

शेरबहादुर देउबा ने छोड़ी नेपाली कांग्रेस की कार्यकारी जिम्मेदारी, पूर्णबहादुर खड़का को सौंपी कमान

काठमांडू, एजेंसी। करीब एक दशक तक नेपाली कांग्रेस का नेतृत्व संभालने वाले और पांच बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने शेरबहादुर देउबा ने मंगलवार से औपचारिक रूप से पार्टी की कार्यकारी भूमिका से विदाई ली है। आगामी 15वें महाधिवेशन में कांग्रेस पार्टी का विधान उन्हें दोबारा उम्मीदवार बनने की अनुमति नहीं देता। हालांकि, देउबा ने खुद केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में घोषणा की कि अब वह सभापति पद के लिए उम्मीदवार नहीं होंगे।

महाधिवेशन संपन्न कराने की जिम्मेदारी उन्होंने उप सभापति पूर्णबहादुर खड़का को सौंपी है, जो अब कार्यकारी सभापति के रूप में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। जिम्मेदारी हस्तांतरित करते हुए देउबा ने स्पष्ट संकेत दिया कि वे अब पूर्ण रूप से कार्यकारी भूमिका से अलग हो चुके हैं। नेपाल मे जेनजी आंदोलन के कारण देश की राजनीति में आई हलचल ने देउबा को समय पूर्व नेतृत्व से विदा होने के लिए बाध्य किया। आंदोलन से पहले उनकी योजना थी कि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले)-नेपाली कांग्रेस, गठजोड़ के तहत जून 2026 में छठी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही कांग्रेस पार्टी की महाधिवेशन कराएं। आंदोलन के बाद उन्होंने सुरक्षित रास्ता अपनाते हुए नेतृत्व हस्तांतरण का निर्णय लिया। परंतु पार्टी के भीतर बढ़ते दबाव ने उन्हें तुरंत पद छोड़ने की स्थिति में ला खड़ा किया। कांग्रेस के महासचिव विश्वप्रकाश शर्मा और गगन थापाले सार्वजनिक रूप से देउबा से नेतृत्व

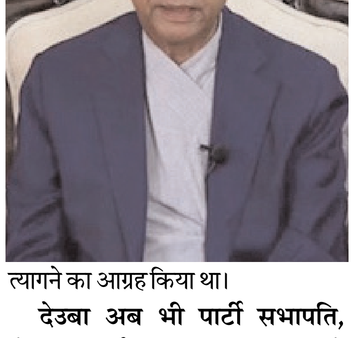

त्यागने का आग्रह किया था।

देउबा अब भी पार्टी सभापति, लेकिन कार्यकारी भूमिका समाप्त हो गई : 52 प्रतिशत से अधिक महाधिवेशन प्रतिनिधियों ने विशेष महाधिवेशन की मांग पर हस्ताक्षर भी किए, जिससे पार्टी के भीतर परिवर्तन की लहर और तेज हुई। बढ़ते दबाव के बीच देउबा ने अंततः कार्यकारी पद से हटने का निर्णय लिया। तकनीकी रूप से देउबा अब भी पार्टी सभापति हैं, लेकिन कार्यकारी रूप में उनकी भूमिका समाप्त हो गई है। छह दशक से अधिक लंबे राजनीतिक जीवन में यह उनका कार्यकारी पद पर आखिरी दिन माना जा रहा है। देउबा पांच बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। हालांकि, बार बार सत्ता में आने के बावजूद उनकी कार्यशैली और उपलब्धियों पर सवाल उठते रहे। आलोचकों ने उन पर सुशासन स्थापित न कर पाने और राजनीतिक अव्यवस्था बढ़ाने का आरोप लगाया है।

अपने प्रधानमंत्रित्व काल की उपलब्धियों को किया याद : केंद्रीय कार्य समिति के बैठक में लिखित वक्तव्य के माध्यम से देउबा ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल की उपलब्धियों को याद किया और आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा, - मुझे पांच बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला, भले ही कार्यकाल छोटे रहे। अधिकांश समय मैंने चुनावी सरकारों का नेतृत्व किया, लेकिन कई क्षेत्रों में सुधार की दिशा में हमने महत्वपूर्ण कदम उठाए। देउबा के विदा लेने के बावजूद पार्टी के भीतर यह संशय बना हुआ है कि उनके सहयोगियों के प्रभाव में विधान द्वारा तय समय सीमा के भीतर महाधिवेशन होगा या नहीं। कई कांग्रेस नेताओं का मानना है कि उनके आसपास मौजूद गुटबंदी अब भी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

जानकारी

हैंगओवर का आपके शरीर पर ऐसे पड़ता है असर

वीकेंड पार्टी का दौर तब काफी महंगा पड़ता है, जब अगले दिन ऑफिस के लिए तैयार होते वक्त सिर हैंगओवर से चकरा रहा होता है। हैंगओवर क्यों होता है, इसका शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है और ये दूर कैसे होता है, इस बारे में लोगों को कई राय है, लेकिन क्या आपको सही-सही पता है कि हैंगओर क्यों होता है व शरीर पर इसका क्या प्रभाव होता है यदि नहीं तो चलिए जानें-

हैंगओवर : अधिक शराब पीने, एक बार में कई ब्रांड की शराब मिलाकर पीने से हैंगओवर हो सकता है। हैंगओवर के कारण सिरदर्द, तनाव, मितली और बेचैनी की समस्या होती है। हैंगओवर के कारण डीहाइड्रेशन, एल्डोस्टेरॉन और कॉरटिसोल जैसे हार्मोनों के स्तर में बदलाव होता है और ये ही हैंगओवर का कारण बनता है।

युवाओं पर अधिक होता है इसका असर : डेनमार्क में हुए एक शोध के दौरान 50,000 लोगों के अध्ययन से निष्कर्ष निकाला गया है कि युवाओं को हैंगओवर ज्यादा होता है। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में पाया गया कि 62 प्रतिशत युवाओं को हैंगओवर हुआ, जबकि 60 साल से अधिक उम्र के मात्र 14 प्रतिशत लोगों को हैंगओवर का अनुभव हुआ।

क्या होता है पीने के बाद : एक्सपर्ट्स का कहना है कि स्ट्रॉन्ग अल्कोहल का असर 6-8 घंटे तक रहता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि कोई भी ड्रिंक 60 एमएल से ज्यादा होने पर दिमाग के न्यूरॉन्स पर असर डालना शुरू कर देता है और फिर दिमाग का सिग्नल सही समय पर बाकी अंगों को नहीं मिल पाता और संतुलन गड़बड़ाने लगता है। ऐसे में व्यक्ति कई चीजों पर नियंत्रण नहीं रख पाता।

जितनी गाढ़ी शराब, उतना बड़ा हैंगओवर : अमेरिकी शोध के अनुसार शराब का रंग जितना गाढ़ा होता है, उसे पीने के बाद खुमारी भी उतनी अधिक होती है। यही कारण है कि वोदका से बीयर का हैंगओवर ज्यादा होता है और बीयर से व्हिस्की का हैंगओवर ज्यादा होता है। हालांकि शोधकर्ता इसके पीछे का रहस्य अभी तक नहीं जान सके हैं।

ड्राइविंग करने में परेशानी : शराब पीने के कुछ देर बाद ब्रेक लगाने या स्टेयरिंग संभालने के मामले में भी पैरों तक सिग्नल लेट पहुंचता है और अचानक ब्रेक मारने पर एक्सिडेंट हो जाते हैं। पीने के बाद ड्राउजीनेस (नींद से भरा) महसूस होता है। सामने से गाड़ियों की लाइट पड़ने पर आंखें चौंधियाती हैं व ऐसे में दुर्घटना का खतरा रहता है।

महिलाओं को होता है ज्यादा हैंगओवर : कई शोध बता चुके हैं कि पीने के बाद महिलाएं पुरुषों की तुलना में जल्दी सुधबुध खो बैठती हैं। मिजूरी और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार शराब पानी की अपेक्षा फैट्स में तेजी से घुलती है और महिलाओं के शरीर में पानी की अपेक्षा फैट्स की मात्रा अधिक होती है। यही कारण है कि बराबर मात्रा में शराब के सेवन के बाद भी महिलाओं को हैंगओवर ज्यादा होता है।

पुरुषों के शरीर में दिखने के वाले ये लक्षण हो सकते हैं जानलेवा

अगर अचानक कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या आपको सताने लगे, तो इसे गंभीरता से लेते हुए अपने चिकित्सक से संपर्क करें। आपको इस तरह की समस्या थकान होने पर भी हो सकती है। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं ऐसी शारीरिक समस्याओं के बारे में जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अचानक होने वाली शारीरिक समस्याएं कई बार लंबी बीमारी का कारण बन जाती हैं। किस तरह की समस्याओं को आपको नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, जानने के लिए इस लेख को पढ़ें।

कई बार ऐसा होता है कि बिस्तर से उठने पर हमें तेज बुखार या फिर शरीर के किसी हिस्से में तेज दर्द जैसी समस्या सताने लगती है। आमतौर पर हम इस समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन, इस प्रकार की समस्या अगर नियमित रूप से आपको सताने लगे, तो फिर मामला गंभीर है, जनाब।

आधुनिक जीवनशैली ने हमें ऐशो-आराम के तमाम सामानों के साथ बीमारियां भी दी हैं। इसके लिए कई शारीरिक समस्याएं आए दिन हमें परेशान करती रहती हैं। हालांकि, कई तकलीफ अस्थायी होती हैं, जो कुछ समय बाद अपने आप ही ठीक हो जाती हैं। इस तरह के लक्षणों को हम आमतौर पर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यह ठीक नहीं। हो सकता है कि ये लक्षण आपको आज मामूली लग रहे हों, लेकिन ये किसी खतरनाक बीमारी के संकेत भी हो सकते हैं।

सीने में दर्द

कई बार लोग अचानक सीने में होने वाले दर्द को स्वास्थ्य समस्या न मानकर नरजअंदाज कर देते हैं। यदि दर्द के कारण आप सही ढंग से काम नहीं कर पाते, दबाव महसूस करते हैं या आपको बैठने में समस्या होती है तो यह हार्ट अटैक का कारण भी बन सकता है। सीने में दर्द होने पर मितली आने, उल्टी होने और छोटी सांस आने की समस्या भी हो सकती है। काम के दौरान सीने में दर्द की परेशानी ऐन्जाइना के कारण हो सकती है। इसमें हृदय की नसों को पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं मिल पाता।

अचानक सिर दर्द होना

ऑफिस में काम करने के दौरान, सुबह उठने के बाद या किसी और समय अचानक सिर दर्द होता है तो यह सामान्य कारण नहीं है। अमूमन देखा जाता है कि इस तरह का दर्द सिर के किसी एक हिस्से में अचानक और कुछ सेकंड या मिनटों के लिए होता है। कुछ समय बाद दर्द बिना उपचार के ही ठीक हो जाता है, ठीक होने पर हम इस पर ध्यान नहीं देते। ऐसा होने पर चिकित्सक से परामर्श करें।

तेज बुखार रहना

किसी को लंबे समय से बुखार है या 103 डिग्री फॉरेनाइट या इससे अधिक बुखार है तो यह खतरनाक हो सकता है। ऐसा होने पर रोगी को मूत्राशय संबंधी संक्रमण, निमोनिया और मस्तिष्क ज्वर आदि की समस्या हो सकती है। लंबे समय तक बुखार रहने पर एंटीबॉयोटिक का सेवन किया जाता है। लगातार कई हफ्तों तक हल्का बुखार रहना किसी बड़ी बीमारी का कारण अथवा इशारा हो सकता है। इस प्रकार की समस्या को अनदेखा न करें और उचित उपचार कराएं।

तेजी से वजन घटना

शरीर का तेजी से वजन घटना अच्छा नहीं। यदि आप वजन घटाने की कोशिश नहीं करते और आपका 5 फीसदी वजन अचानक कम हो जाता है तो यह कैंसर हो सकता है। उम्रदराज व्यक्तियों में अचानक वजन कम होने के 36 फीसदी मामलों की पुष्टि कैंसर के रूप में हुई है। इस तरह की परेशानी होने पर चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। यदि वजन कम होने के साथ ही आपको ज्यादा प्यास, भूख, थकान और ज्यादा मूत्र आने की भी समस्या है तो यह डायबिटीज का संकेत हो सकता है।

छोटी सांस आना

अचानक छोटी सांस आना फेफड़ों संबंधी समस्या हो सकती है। यदि आपको सीढ़ी चढ़ने पर सांस लेने में परेशानी होती है या आप खुद को थका हुआ महसूस करते हैं तो इसे मामूली न मानें। यह दिल की धड़कन अनियमित होने का इशारा हो सकती है। यह हार्ट फेल होने या फिर अन्य प्रकार की हृदय संबंधी बीमारियों का कारण बन सकती है। इसके अलावा ऐसा अस्थमा के कारण भी हो सकता है।

सुझाव

दिलो-दिमाग ही नहीं, शरीर पर असर डालता है ब्रेकअप

बड़ा गहरा होता है रिश्ता टूटने का दर्द। पुरानी बातों को याद कर आप आज भी बेचैन रहते हैं। यादें मन को कहीं टिकने ही नहीं देतीं। अचानक दिल पर लगे आघात को सह पाना आसान नहीं होता। लेकिन, ऐसा नहीं कि प्रेमाघात से केवल भावनात्मक और मानसिक चोट ही लगती हो, बल्कि इससे आपकी सेहत पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

मस्तिष्क पर भी असर

ब्रेकअप का मस्तिष्क पर गहरा असर होता है। येशिवरा विश्वविद्यालय के अल्वर्ट आइंस्टीन कॉलेज ऑफ मेडिसिन के डॉक्टर लुसी ब्राउन के नेतृत्व में हुए एक शोध के अनुसार, प्रेम में बिछड़ने पर मस्तिष्क में लगभग उसी तरह का असर होता है जैसे नशे की लत छोड़ने पर। दिल की चोट खाए लोगों के मस्तिष्क के बारे में पहली बार किए गए अध्ययन में पाया गया कि उनके पूर्व प्रेमी या प्रेमिका की याद दिमाग के उस हिस्से को सक्रिय बना देती है, जो लत की तलब, भावनाओं पर नियंत्रण, जुड़ाव का भाव, शारीरिक दर्द और अवसाद से जुड़ा होता है।

तेजी से कम होता है वजन

ब्रेकअप का सेहत पर काफी बुरा असर पड़ सकता है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार, रिश्ता टूटने के बाद पुरुष और महिला दोनों का वजन तेजी से घटता है। डाइट फर्म फ्रोजा सप्लीमेंट द्वारा एक हजार लोगों पर कराए गए सर्वेक्षण के अनुसार, लंबे समय तक चला रिश्ता टूटने के बाद महिलाओं का वजन एक महीने में लगभग 2.26 किलोग्राम तक कम हो जाता है। डेली स्टार बेवसाइट की रिपोर्ट के अनुसार, रिश्ते के टूटने के बाद अगर कोई व्यक्ति एक साल तक अकेला रहता है, तो उसका वजन छह किलोग्राम तक घट जाता है।

हार्मोन पर असर

ब्रेकअप के बाद एड्रिनल ग्लैंड कोर्टिसोल हार्मोन और एड्रेनालाईन के बाहर मंथन करना शुरू कर देता है, जिसके चलते शरीर तनाव की प्रतिक्रिया करता है, लेकिन तनाव हार्मोन का स्तर इस बात पर निर्भर करता है कि ब्रेकअप कितना बुरा था। जब आपका शरीर इस प्रतिक्रिया में प्रवेश करता है तो एड्रेनालाईन ब्लड प्रेशर को बढ़ा देता है और हृदयगति और सांसों की गति बढ़ने लगती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-6-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-1-2-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। शुभांक-2-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-4-9

काकुरो पहेली - 2619

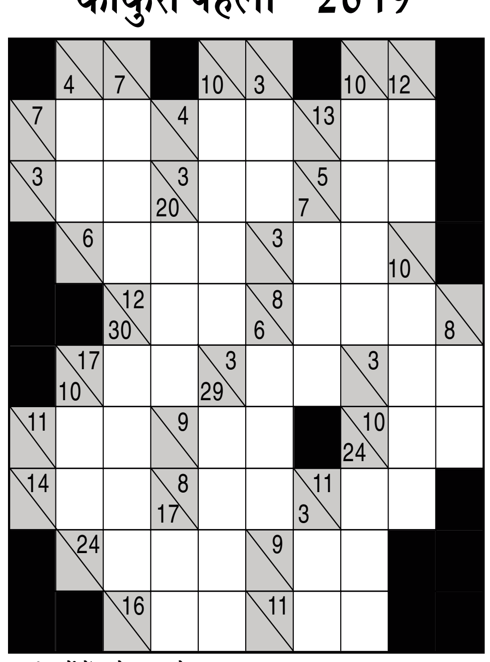

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

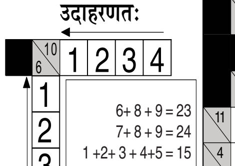

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 2618 का हल

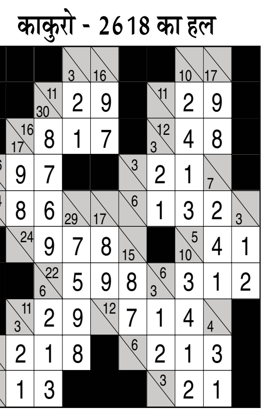

लॉफिंग ज़ोन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा- 'डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

□ □ □

रमन- 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन- 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन- 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2619

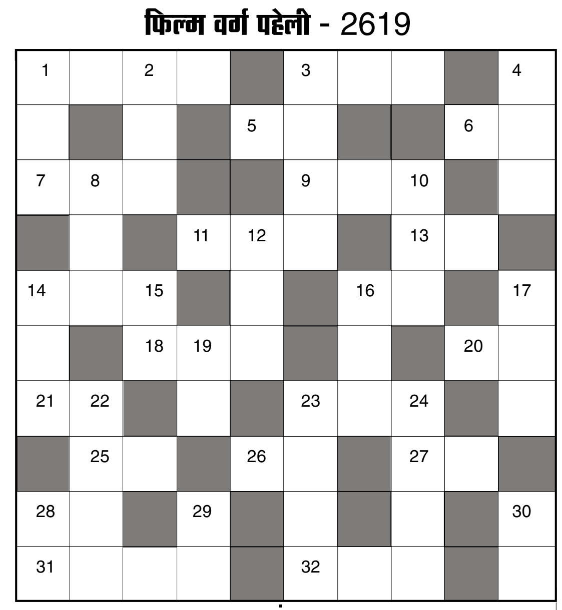

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. फिल्म 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि, जेबा, अश्विनीभावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. जॉन, बिपाशा की एक फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में नायिका कौन थी-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. १९७१ के भारत-पाक युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी जे.पी. दत्ता की फिल्म-३
३. 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखों' गीत वाली फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. फिल्म 'खुशी' में फरदीन खान की नायिका कौन है?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो प्यार कैसा होगा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ दिलवाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की 'फूलों से जो खुशबु' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, युक्ता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2618

सुडोकू

8	2	5		6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 2619

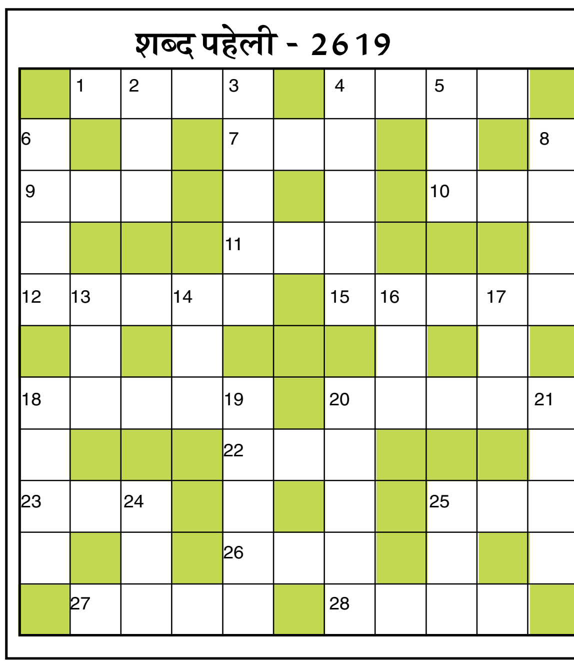

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -2618 का हल

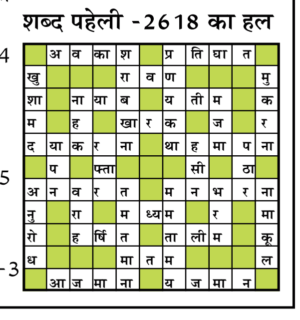

बाढ़ पीड़ितों के मामले में पंजाब सरकार की लापरवाही शर्मनाक- तरुण चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाढ़ प्रभावित पंजाबवासियों की मदद के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 36,703 परिवारों को प्रति परिवार 1.60 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की है। चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह पहल पंजाब के लिए संजीवनी साबित होगी। इसके विपरीत भगवंत मान सरकार की नाकामी बेहद शर्मनाक है, जिसने अब तक राज्य में बाढ़ से हुए नुकसान का कोई सही अनुमान तक पेश नहीं किया। एक बयान में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह लापरवाही दर्शाती है कि किस तरह लूटखसोट के बाद आम जनता के दर्द की अनदेखी की जा रही है। प्रधानमंत्री की ओर से किसानों के लिए भी बड़ा ऐलान किया गया है। चुग ने कहा कि 74 करोड़ रुपये के बीज मुफ्त में किसानों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि उनकी तबाह हुई फसलों का नुकसान पूरा हो सके। इसके अलावा 12 लाख रुपये से अधिक की राशि सीधे किसानों के खातों में भेजी जा चुकी है ताकि संकट की इस घड़ी में वे अपने जीवन को फिर से संवार सकें। चुग ने कहा कि यह सब प्रधानमंत्री के पंजाब और पंजाब के किसानों के प्रति गहरे लगाव और संवेदनशीलता को दर्शाता है, जबकि भगवंत मान सरकार इस दिशा में चुप्पी साधे बैठी है और अपने दायित्व से भाग रही है।

उत्तर रेलवे में त्योहारों के मद्देनज़र प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से बंद

नई दिल्ली। दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से बंद कर दी है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार, नई दिल्ली, दिल्ली जंक्शन, हजरत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल और गाजियाबाद रेलवे स्टेशनों पर 15 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री नहीं की जाएगी। हालांकि, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजन, अशिक्षित या महिला यात्रियों के साथ आने वाले सहायक व्यक्ति स्टेशन के पूछताछ कार्यालय से प्लेटफॉर्म टिकट प्राप्त कर सकते हैं। उत्तर रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे भीड़-भाड़ से बचने और सुचारू यात्रा के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करें।

दुर्गापुर सामूहिक दुष्कर्म मामला : आलोचना के बाद पीड़िता के पिता ने ममता बनर्जी से मांगी माफी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर मेडिकल कॉलेज की छात्रा से हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में अब नया मोड़ सामने आया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखी टिप्पणी करने वाले पीड़िता के पिता ने उनसे माफी मांगते हुए कहा कि ममता बनर्जी उनके लिए मां समान हैं और उन्होंने जो भी गलत कहा, उसके लिए क्षमा चाहते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि उनकी बेटी को न्याय दिलाने में मदद करें। पीड़िता के पिता ने कहा, ÷ममता बनर्जी मेरे लिए मां जैसी हैं। अगर मैंने कुछ गलत कहा है, तो मैं उनसेमाफी मांगता हूं। मैं उनके चरणों में नतमस्तक हूं, लेकिन उनसे निवेदन करता हूं कि मेरी बेटी को न्याय दिलाने में मदद करें। दो दिन पहले ही उन्होंने ममता बनर्जी की उस टिप्पणी की आलोचना की थी जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा था कि ÷महिलाओं को रात को बाहर नहीं निकलना चाहिए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पिता ने कहा था, ऐसा लगता है जैसे बंगाल में औरंगजेब का शासन चल रहा है। मैं अब अपनी बेटी को वापस ओडिशा ले जाना चाहता हूं। उसकी जिंदगी पहले है, करियर बाद में। उन्होंने बताया कि जब डॉक्टर उनकी बेटी को फिट घोषित कर देंगे, तब वे उसे अपने घर ओडिशा ले जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह अब भी इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन यह निर्णय राज्य प्रशासन पर निर्भर है।

पंजाब में अंतरराष्ट्रीय हथियार व नशा तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़। अमृतसर पुलिस कमिश्नरेट ने पाकिस्तान से जुड़े संगठित हथियार और नशा तस्करी मॉड्यूल के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 10 आधुनिक पिस्तौलें और 500 ग्राम अफीम बरामद की गई है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि फैजपुर, अमृतसर निवासी राजन उर्फ सागर (28), टाली वाला, फाजिल्का निवासी सुरिंदर सिंह उर्फ पाली (24) और चीमा कलां, तरनतारन निवासी जगजीत सिंह (25) को गिरफ्तार किया गया है। इनसे चार 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौलें और छह .30 बोर की पिस्तौलें बरामद की गई हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार बदमाश अंतर-जिला तस्करी गिरोह चला रहे थे और पाकिस्तान-आधारित एक हैंडलर से जुड़े हुए थे। बरामद हथियार पंजाब में गैंगस्टरों की गतिविधियों को अंजाम देने के लिए गैंगस्टरों और अपराधियों को सप्लाई किए जाने वाले थे। डीजीपी ने कहा कि इस मामले की जांच जारी है, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। कमिश्नर ऑफ पुलिस (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि सबसे पहले राजन उर्फ सागर को एक .30 बोर पिस्तौल और पर्याप्त मात्रा में अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया था। उससे हुई पूछताछ से पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ। बाद की जांच में सुरिंदर सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से तीन .30 बोर पिस्तौलें और एक 9 एमएम पिस्तौल बरामद हुई। आगे की जांच में जगजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से तीन 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौलें और दो .30 बोर पिस्तौलें बरामद की गईं। सीपी ने बताया कि जगजीत सिंह चार महीने पहले दुबई से लौटा था। सुरिंदर का गांव जलालाबाद (फाजिल्का) अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक स्थित है, जबकि जगजीत का पैतृक गांव जिला तरनतारन में सीमा के करीब है। उन्होंने कहा कि यह सभी आरोपित अमृतसर से फाजिल्का और तरनतारन सेक्टरों में ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से भेजे गए कंसाइनमेंट प्राप्त करते थे ।

कोलकाता में जीआरएसई ने ध्वनिक अनुसंधान पोत का किया कील-स्थापन, डीआरडीओ प्रमुख रहे मौजूद

एजेंसी

कोलकाता। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने कोलकाता में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की इकाई नौसेना भौतिकी एवं समुद्र वैज्ञानिक प्रयोगशाला (एनपीओएल) के लिए एक अत्याधुनिक ध्वनिक अनुसंधान पोत (एकॉस्टिक रिसर्च शिप - एआरएस) की कील रखी। इस अवसर पर डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कमत भी उपस्थित रहे। इस उन्नत अनुसंधान पोत के निर्माण के लिए अनुबंध अक्टूबर 2024 में जीआरएसई और एनपीओएल के बीच हुआ था। यह पोत कुल 93 मीटर लंबा और 18 मीटर चौड़ा होगा, जिसमें अत्याधुनिक अनुसंधान उपकरण लगाए जाएंगे।

एआरएस चार से 12 नॉट की गति तक संचालित हो सकेगा। अधिकतम गति पर यह पोत एक मिशन में 30 दिनों तक अथवा 4,500 समुद्री मील की दूरी तय करने में सक्षम होगा। इसमें 120 कर्मियों के रहने की व्यवस्था होगी। यह अनुसंधान पोत विभिन्न प्रकार के ध्वनिक उपकरणों को जल में उतारने, खींचने और वापस लाने में सक्षम होगा। इसके जरिए समुद्र की गहराई में ध्वनि की गति, समुद्री ज्वार-भाटे और धाराओं के अध्ययन के साथ उच्च-रिज़ॉल्यूशन सर्वेक्षण किए जाएंगे, जिनका उपयोग समुद्रतल पर उपकरण लगाने और जलमग्न संरचनाओं की डिज़ाइन में किया जाएगा। पोत के माध्यम से वायुमंडलीय परिस्थितियों का ध्वनि प्रसार पर प्रभाव समझने के लिए मौसम संबंधी सर्वेक्षण भी किए जाएंगे। यह उथले पानी में ध्वनिक गूंज एकॉस्टिक रिवर्बेशन) संबंधी अध्ययन करने में भी सक्षम होगा। एआरएस में डीजल-इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणाली के साथ तीन डेक क्रेन लगाए जाएंगे, जिससे अनुसंधान उपकरणों को संभालना आसान होगा। इसके अलावा, इसमें डायनेमिक पोजिशनिंग सिस्टम भी होगा, जो इसे समुद्री स्थिति चार तक स्थिर बनाए रखेगा। जीआरएसई को अनुसंधान और सर्वेक्षण पोतों के निर्माण का व्यापक अनुभव है। 1980 और 1990 के दशक में उसने नौसेना के लिए 'संधायक' श्रेणी के सर्वेक्षण पोत बनाए थे। 1994 में जीआरएसई ने एनपीओएल के लिए 'आईएनएस सागरध्वनि' का निर्माण किया था, जो आज भी सेवा में है और हाल ही में अपने प्रमुख पुनर्निर्माण के लिए फिर से जीआरएसई पहुंचा है।पिछले दो वर्षों में जीआरएसई ने नौसेना को 'आईएनएस संधायक', 'आईएनएस निर्देशक' और 'आईएनएस इक्षक' जैसे आधुनिक सर्वेक्षण पोत सौंपे हैं। जुलाई 2024 में जीआरएसई ने पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्र अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के साथ एक उन्नत महासागरीय अनुसंधान पोत के निर्माण के लिए अनुबंध किया था। इसके अलावा, यह शिपयार्ड भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लिए दो तटीय अनुसंधान पोत भी बना रहा है।

मणिपुरः भारी मात्रा में संदिग्ध ब्राउन शुगर जब्त, 3 गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए पुलिस ने कांगपोकपी के पुलिस अधीक्षक अभिनव की देखरेख में संयुक्त अभियान के दौरान संदिग्ध ब्राउन शुगर से भरे 225 साबुनदानी जब्त किए, जिनका वजन साबुनदानी समेत 9.844 किलोग्राम था। मणिपुर पुलिस ने गुरुवार को आधिकारिक रूप से बताया गया कि यह अभियान खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने एसपी (एल एंड ओ) कांगपोकपी,

एसडीपीओ कांगपोकपी, एसडीपीओ सपरमेना और ओसी कांगपोकपी पुलिस स्टेशन ने 16वीं असम राइफल्स और 112वीं बटालियन सीआरपीएफ के कर्मियों के साथ मिलकर बीते मंगलवार को लक्षित अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिनकी पहचान एक दंपति, वेनेइचोंग लहुंगडिम और थोंगखोपाओ लहुंगडिम तथा थांगमिनलुन हाओकिप के रूप में की गयी है। अधिकारियों ने तस्करी में इस्तेमाल की गई एक ऑल्टो कार, एक डीजल ऑटो और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए। आरोपित फिलहाल हिरासत में हैं और अवैध खेप के स्रोत और नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

राष्ट्रपति शुक्रवार को इंदौर संभाग के पांच जिलों को करेंगी सम्मानित

एजेंसी

भोपाल। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा मध्य प्रदेश के इंदौर संभाग के पांच जिले बड़वानी, धार, खंडवा, झाबुआ और बुरहानपुर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में शुक्रवार, 17 अक्टूबर को आयोजित एक सम्मारोह में सम्मानित किया जाएगा। इंदौर संभाग में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने बताया कि आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत संभाग ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। झाबुआ जिले को एक अलग उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष प्रस्तुतिकरण का अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में झाबुआ कलेक्टर नेहा मीणा आदि कर्मयोगी अभियान और आदि कर्मयोगी पर्व पर अपना प्रस्तुतिकरण देंगी। साथ ही बुरहानपुर जिले को भी धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए चयनित किया गया है। जनजातीय विभाग के डिप्टी कमिश्नर ब्रजेश पांडे ने बताया कि इंदौर संभाग में संभागायुक्त डॉ. खाड़े के निर्देशन में उत्कृष्ट कार्य हुए है। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चले आदि कर्मयोगी पर्व के दौरान पूरे प्रदेश में इंदौर संभाग में चिन्हित 3373 गांव का न सिर्फ चयन हुआ बल्कि कई निर्धारित मापदंडों में समय पर कार्य उपरांत पोर्टल पर इंट्री की जा चुकी है। इंदौर संभाग के

3373 जनजातीय गांवों की कार्ययोजना तैयार हो चुकी है। पर्व के दौरान तहसील और ग्राम स्तर तक प्रशिक्षण के बाद आदि सेवा केंद्रों की स्थापना और गांवों की मौलिक आवश्यकताओं के अनुरूप सर्वे कर रूपरेखा तैयार की गई है। इस तरह इंदौर संभाग के 8 जिलों में से 5 जिले शुक्रवार को राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू द्वारा सम्मान पाएंगे। जनजातीय क्षेत्र झाबुआ को राष्ट्रपति के समक्ष जिले का प्रस्ताव प्रस्तुत करने का मौका मिला है। झाबुआ में कलेक्टर नेहा मीणा के द्वारा स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में मोटी आयी पर कार्य हुआ है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। अब कलेक्टर अपने जिले के नवाचार को दिल्ली में देश की प्रथम नागरिक के सामने प्रस्तुत करेंगी। झाबुआ जिले में 651 गांवों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। प्रस्ताव में जिले में गैप और स्वास्थ्य पोषण के अलावा भी अन्य क्षेत्र में उन्नत कार्य योजना भी रखी जायेगी।

कॉमनवेल्थ स्पोर्ट एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने वर्ष 2030 के कॉमनवेल्थ खेलों का आयोजन भारत में करने की सिफारिश की

एजेंसी

अहमदाबाद। भारत के खेल क्षेत्र के विकास को गति देने की दिशा में आज एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण घोषणा की गई। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने वर्ष-2030 में आयोजित होने वाले 24वें कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन भारत में करने की सिफारिश की है। साथ ही, बोर्ड ने यह भी सिफारिश की है कि इन खेलों की मेजबानी गुजरात के अहमदाबाद को दी जाए। इस बात की पूरी संभावना है कि 1930 में शुरू हुए कॉमनवेल्थ गेम्स का शताब्दी समारोह अहमदाबाद में आयोजित होगा। बोर्ड की इस सिफारिश को अब नवंबर-2025 में आयोजित होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट की महासभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि भारत में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'खेलो इंडिया' के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज और उनकी प्रतिभा को तराशने के लिए निरंतर प्रयासरत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लगातार मार्गदर्शन के कारण देश में 24वें कॉमनवेल्थ गेम्स के आयोजन के लिए यह सिफारिश की गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित

शाह और राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के अथक प्रयासों के कारण भारत खेल क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। इसके कारण कॉमनवेल्थ गेम्स के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत अहमदाबाद को 24वें कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिलने की संभावनाएं उज्ज्वल हो गई हैं। इस क्षण का स्वागत करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के सभी नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि इसका श्रेय मोदी जी के निरंतर प्रयासों को जाता है। खेलों से संबद्ध मजबूत बुनियादी ढांचे और खिलाड़ियों को तैयार कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के समकक्ष लाने के कारण ही भारत को यह सम्मान मिलने जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा, यह गुजरात और भारत के लिए वास्तव में गर्व का क्षण है।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता की प्रशंसा की और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद के चयन के एग्जीक्यूटिव बोर्ड ऑफ कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के निर्णय का स्वागत किया।

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह के निवास पर कांग्रेस का प्रदर्शन, जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान निवास के बाहर कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। भोपाल की टीटी नगर थाना पुलिस ने बिना अनुमति धरना-प्रदर्शन करने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। दरअसल, किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के साथ करीब डेढ़ दर्जन किसान प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पहुंचे थे। वहां उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से मुलाकात की और भावांतर योजना, प्याज, धान सहित तमाम फसलों के सही दाम न मिलने को लेकर चर्चा की। चर्चा के बाद जीतू पटवारी ने कहा कि भावांतर योजना के जरिए पहले शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को ठगा था। अब एक बार फिर मध्य प्रदेश की सरकार किसानों

को गुमराह कर रही है। इसके बाद उन्होंने घोषणा की कि वे किसानों की समस्याओं को लेकर तत्काल कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा करने उनके बंगले पर जाएंगे। जीतू पटवारी, किसानों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ पैदल ही प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से शिवराज सिंह चौहान के बंगले की ओर रवाना हो गए। जैसे ही पुलिस अधिकारियों को इसकी सूचना मिली, उन्होंने रेड क्रॉस चौराहे पर बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं माने। पुलिस ने कई बार सड़कों पर वाहन खड़े कर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन जीतू पटवारी बार-बार पुलिस को चकमा देकर आगे बढ़ते रहे। करीब पांच बार पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे शिवराज सिंह के घर तक पहुंच गए। वहां पहुंचने के बाद शिवराज सिंह चौहान ने जीतू पटवारी सहित चार-पांच नेताओं को घर के अंदर बुलाया और उनसे कुछ देर चर्चा की। इस बीच, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी बंगले के अंदर जाने की कोशिश की। कुछ कार्यकर्ता कंधों पर अनाज की बोरियां रखे हुए थे। पुलिस ने जब उन्हें रोका तो हल्की झड़प की स्थिति बन गई। इस दौरान एक बोरी फट गई और अनाज सड़क पर बिखर गया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता शिवराज सिंह चौहान के घर के सामने ही सड़क पर बैठ गए और जोरदार नारेबाजी करने लगे।

भाजपा ने जारी की 18 उम्मीदवारों की तीसरी सूची, राघोपुर से सतीश यादव को टिकट

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने रात अपने उम्मीदवारों की तीसरी और अंतिम सूची जारी कर दी। इसमें 18 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। इसी के साथ भाजपा ने अपनी सभी 101 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। इसमें 12 महिलाएं शामिल हैं। रात भारतीय जनता पार्टी के महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी सूची के मुताबिक केन्द्रीय चुनाव समिति ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव 2025 के लिए 18 नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है। राघोपुर से राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव के सामने सतीश यादव को उम्मीदवार बनाया गया है। सूची के मुताबिक रामनगर से नंद किशोर राम, नरकटियागंज से संजय पांडेय, बगहा से राम सिंह, लौरिया से विनय बिहारी, हरिसिद्धि से कृष्णनंदन पासवान, कल्याणपुर से सचिंद्र प्रसाद सिंह के नाम शामिल है। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने उम्मीदवारों की पहली सूची

में 71, दूसरी लिस्ट में 12 और तीसरी लिस्ट में 18 उम्मीदवारों की घोषणा की। आज दोपहर को जारी दूसरी सूची में भाजपा ने मैथिली ठाकुर को अलीनगर से मैदान में उतारा। इसके साथ भाजपा ने पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा को बक्सर से टिकट दिया है। वे पहले प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी से जुड़े थे।

मप्र में सेवानिवृत्त आबकारी अधिकारी के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा, 18.50 करोड़ की संपत्ति मिली

एजेंसी

इंदौर। मध्य प्रदेश लोकायुक्त की टीम ने गोपनीय शिकायत के आधार पर सेवानिवृत्त आबकारी अधिकारी धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के आठ ठिकानों पर छापेमारी की। अलग-अलग टीमों ने इंदौर में कैलाश कुंज, बिजनेस स्काई पार्क सहित सात ठिकानों और ग्वालियर में इंद्रमणि नगर स्थित घर पर सर्चिंग की। इस दौरान एक करोड़ 5 लाख रुपये नगदी समेत कुल 18.50 करोड़ की संपत्ति के दस्तावेज बरामद हुए हैं। इसमें 5 लाख की विदेशी मुद्रा भी शामिल है। लोकायुक्त की टीम बुधवार सुबह सबसे पहले इंदौर के पलासिया स्थित फ्लैट पर पहुंची और सर्चिंग शुरू की। टीम ने फ्लैट में रखे दस्तावेजों की जांच शुरू की और लाखों रुपये नगद, महंगे आभूषण, विदेशी मुद्रा और लाइसेंसी हथियार जब्त किए। इंदौर स्थित फ्लैट की संपत्ति की कीमत ही 7 से 8 करोड़ रुपये बताई गई है। इसी दौरान लोकायुक्त की टीम ग्वालियर के विवेक नगर स्थित धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के निवास पर भी पहुंची। यहां दस्तावेजों और संपत्ति की जांच की गई। लोकायुक्त की यह कार्रवाई भदौरिया के कुल आठ ठिकानों पर एक साथ की गई, जहां देर शाम तक दस्तावेजों, बैंक खातों और घर में रखी संपत्ति की बारीकी से जांच की गई। लोकायुक्त डीएसपी सुनील तालान ने

बताया कि गोपनीय शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। इंदौर के ठिकानों पर सर्चिंग में उज्जैन और इंदौर के अफसर शामिल हैं। भदौरिया को सेवाकाल के दौरान वेतन और भत्तों के रूप में लगभग दो करोड़ रुपये मिले थे जबकि शुरुआती जांच में ही करोड़ों रुपये के खर्च और निवेश के सबूत सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान, एक करोड़ 13 लाख नगदी, 5 करोड़ 48 लाख का 4 किलो 221 ग्राम सोना, 8 लाख की 7 किलो 128 ग्राम चांदी, 2 करोड़ 23 लाख की अन्य सामग्री, 9 करोड़ 66 लाख की चल-अचल संपत्ति, जमीन के दस्तावेज, बैंक में 3 लॉकर, ग्वालियर में 22 लाख 78 हजार रुपये कीमती पैतृक घर, 4700 वर्गफीट पर बना 3 करोड़ 36 लाख का बंगला, आवास से 12 करोड़ 51 लाख से ज्यादा का व्यय किए जाने के प्रमाण, बेटी व दामाद के नाम पर साढ़े 6 लाख की संपत्ति, तीन फ्लैट की कीमत 1 करोड़ 92 लाख पाई गई।

अयोध्या में रामायण पर दुनिया का पहला वैक्स म्यूजियम तैयार

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि के प्रांगण में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद अब अयोध्या धाम एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। यहां त्रेता युग की पुनर्रचना करते हुए दुनिया का पहला रामायण वैक्स म्यूजियम बनकर तैयार हो चुका है। चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग स्थित काशीराम कालोनी के सामने बना यह म्यूजियम न केवल भक्तों के लिए आस्था का नया केंद्र बनेगा, बल्कि पर्यटकों के लिए भी वैश्विक स्तर का आकर्षण साबित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नौवें दीपोत्सव समारोह में इसका लोकार्पण होने की प्रबल संभावना है। दीपोत्सव की भव्यता के बीच सीएम योगी जनता को यह अनमोल उपहार समर्पित करेंगे। 9850 वर्ग फीट क्षेत्र में फैले इस पूर्णतः एयर कंडीशंड म्यूजियम को बनाने में 6 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यहां श्री राम समेत 50 प्रमुख पात्रों की जीवंत वैक्स प्रतिमाएं प्रदर्शित होंगी, जो रामायण की पूरी कथा को जीवंत कर देंगी। म्यूजियम में एक साथ 100 लोगों को प्रवेश की अनुमति होगी।

गुजरात के लोगों ने दुनिया के सबसे बड़े आभार लेखन पोस्टकार्ड अभियान का रिकॉर्ड किया अपने नाम

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात सरकार के कृषि, किसान कल्याण और सहकार विभाग ने एक और अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। राज्य के सहकारी क्षेत्र से जुड़े नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए 1 करोड़ 11 लाख 75 हजार से अधिक पोस्टकार्ड लिखे हैं। इसके लिए सहकारिता से जुड़े लोगों के लिए 14 अक्टूबर को गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अधिकारियों ने विश्व का सबसे बड़ा आभार लेखन पोस्टकार्ड अभियान रिकॉर्ड प्रदान किया। सहकार विभाग के सचिव संदीपकुमार ने पत्रकार वार्ता में बताया कि यह विश्व में पहली बार हुआ है कि किसी देश के प्रधानमंत्री को इतनी विशाल संख्या में आभार व्यक्त करते हुए पोस्टकार्ड लिखे गए हों- जो पूरे देश के लिए गर्व की बात है।

सचिव ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के उत्सव के अंतर्गत सहकारी क्षेत्र से जुड़े नागरिकों ने प्रधानमंत्री मोदी को भारत में हुई नागरिकोन्मुख नीतियों और योजनाओं के लिए आभार व्यक्त करते हुए पोस्टकार्ड लिखे थे। इनमें

जीएसटी सुधार, मेक इन इंडिया अभियान, हर घर स्वदेशी-घर घर स्वदेशी, विकास सप्ताह, जन धन योजना, वित्तीय समावेशन, बुलेट ट्रेन की शुरुआत आदि जैसे विभिन्न विषयों पर आभार प्रकट किया गया था। सचिव ने आगे कहा कि जब यह पोस्टकार्ड लेखन अभियान शुरू किया गया था, तब अनुमान था कि लगभग 75 लाख पोस्टकार्ड लिखे जाएंगे। लेकिन राज्य के नागरिकों ने सहकार की शक्ति से प्रेरित होकर अथक प्रयासों से इस अनुमान को बहुत पीछे छोड़ दिया और 1.11 करोड़ से अधिक पोस्टकार्ड लिखकर भारत और गुजरात का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित किया।प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वर्ष 2021 में पहली बार सहकार मंत्रालय की स्थापना की गई थी। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमितभाई शाह के मार्गदर्शन में मंत्रालय ने ÷सहकार से समृद्धि÷ के मंत्र के तहत किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े नागरिकों के लिए कई योजनाओं द्वारा आर्थिक और सामाजिक उत्थान का कार्य किया है, ऐसा भी उन्होंने बताया। सचिव ने आगे कहा कि गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आंकड़ों के अनुसार अब तक पोस्टकार्ड लेखन का सबसे बड़ा रिकॉर्ड 6,666 पोस्टकार्ड के साथ स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन - सेक्शन वॉटर, बासेल (स्विट्ज़रलैंड) के नाम पर था, जो अब गुजरात के नाम दर्ज हो गया है। इसके अंतर्गत सहकार विभाग ने गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, लंदन के साथ औपचारिक समझौता किया था। इसके बाद रिवरफ्रंट, अहमदाबाद में 350м80 फीट के क्षेत्र में ÷75,00,000÷ का आंकड़ा बनाते हुए पोस्टकार्ड लगाए गए थे, जिसके लिए विभाग के 50 से अधिक अधिकारियों और 100 से अधिक कर्मचारियों ने लगातार 3-4 दिन तक अथक परिश्रम किया था।

हरिद्वार में एक हजार करोड़ से बनेगी विश्व सनातन महा पीठ, 21 नवंबर को होगा शिला पूजन

एजेंसी

हरिद्वार। तीर्थ सेवा न्यास के संरक्षक परमाध्यक्ष बाबा हठयोगी महाराज ने कहा कि तीर्थ सेवा न्यास के तत्वावधान में बनने वाले विश्व सनातन महा पीठ का शिला पूजन समारोह 21 नवंबर को होगा। इस पीठ के निर्माण पर प्रारंभिक अनुमानित लागत पांच सौ करोड़ थी, लेकिन बढ़ती परिकल्पना, दिव्य भव्यता और व्यापक संरचना को देखते हुए इसकी लागत एक हजार करोड़ रुपये होगी। उक्त जानकारी तीर्थ सेवा न्यास के संरक्षक परमाध्यक्ष बाबा हठयोगी महाराज ने बुधवार को प्रेस क्लब में पत्रकारों को दी। बाबा हठयोगी ने कहा कि विश्व सनातन महापीठ केवल पत्थर और संरचना का प्रकल्प नहीं, यह भारत की आत्मा का पुनरुत्थान है। यहां से धर्म, सत्य और करुणा की ज्योति विश्व को आलोकित करेगी और भारत के वैदिक तेज का पुनर्जन्म होगा। उन्होंने कहा कि विश्व सनातन महापीठ केवल एक स्थापत्य नहीं, बल्कि धर्म, शिक्षा और मानवता

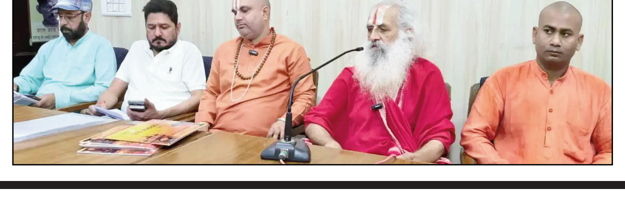

के पुनर्जागरण का केंद्र होगा, जहां से विश्व को एक बार पुनः वैदिक ज्ञान, संस्कृति और एकात्मता का संदेश मिलेगा। पत्रकार वार्ता में तीर्थ सेवा न्यास के अध्यक्ष तीर्थाचार्य राम विशाल दास महाराज ने कहा कि महापीठ से एक विश्व, एक धर्म, एक ध्वज, एक ग्रंथ, एक विधान का आदर्श स्वप्न साकार होगा। यहां शिक्षा, सेवा और साधना का संगम होगा, जो आने वाले युगों का मार्ग प्रशस्त करेगा। डा.गौतम खट्टर ने बताया कि विश्व सनातन महापीठ भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र बिंदु होगा। यह न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि वैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टि से भी मानवता के उत्थान का अद्वितीय केंद्र बनेगा। महामन्त्री महंत ओमदास एवं राष्ट्रीय समन्वयक शिशिर चौधरी ने कहा कि यह प्रकल्प सनातन एकता का प्रतीक है। भारत के सभी मत, पंथ, संप्रदाय और परंपराएं यहां एक सूत्र में बंधकर विश्व के लिए आदर्श प्रस्तुत करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय में रोहित, विराट सहित इन खिलाड़ियों का खेलना तय

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम अभी एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में है। भारतीय टीम को पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेलना है। इसके लिए भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जगह तय मानी जा रही है। ये दोनो ही बल्लेबाज करीब छह महीने के बाद खेलते नजर आयेंगे।

पहले एकदिवसीय में पारी की शुरुआत रोहित और कप्तान शुभमन गिल करेंगे।

ऐसे में यशस्वी जायसवाल को पहले मैच में बाहर बैठना पड़ेगा। वहीं नंबर 3 पर विराट उतरेंगे। ऑस्ट्रेलिया में उछाल भरी पिचों को देखते हुए विराट से अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद है। विराट के एकदिवसीय रिकॉर्ड की बात करें तो उन्होंने 302 मैचों की 290 पारियों में 14181 रन बनाए हैं। वह केवल 54 रन बनाते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच जाएंगे। अभी श्रीलंका के कुमार संगाकारा दूसरे नंबर पर हैं।

वहीं चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर उतरेंगे। श्रेयस भी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। विकेट कीपर के तौर पर केएल राहुल खेलेंगे। वह 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। छठे नंबर पर ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी उतरेंगे। वह डेथ ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। वहीं अगर शुरूआती विकेट जल्दी गिर गए तो संभलकर भी खेल सकते हैं। वह स्पिन और तेज गेंदबाजी को भी अच्छे से खेलते हैं। इसके अलावा वह मध्यम तेज गति के गेंदबाज हैं।

वहीं स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को शामिल किया जाएगा।

तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के पास रहेगी।

संभावित अंतिम 11

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।

ओलंपिक चैंपियन तैराक एरियन टिटमस ने संन्यास की घोषणा की

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एरियन टिटमस ने तैराकी से संन्यास लेने की घोषणा कर खेल प्रेमियों को चौंका दिया है। 25 वर्षीय टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद ब्रेक लिया था, लेकिन उम्मीद की जा रही थी कि वह 2028 में लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारी के लिए प्रतिस्पर्धी तैराकी में लौटेंगी।

टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर कहा, %मुझे तैराकी शुरू से पसंद रही है। जब मैं छोटी थी, तब से यह मेरा जुनून रहा है। लेकिन अब मुझे लगता है कि मेरे जीवन में कुछ चीजें तैराकी से थोड़ी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई हैं, और मुझे इसे स्वीकार करना चाहिए।%

पेरिस ओलंपिक 2024 में टिटमस ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में अमेरिका की केटी लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टोश को पीछे छोड़ते हुए नया विश्व रिकॉर्ड बनाकर अपना खिताब बरकरार रखा। इसके अलावा, उनके नाम पर 200 मीटर फ्रीस्टाइल का भी विश्व रिकॉर्ड दर्ज है।

टिटमस ने अपने करियर में 33 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं, जिनमें ओलंपिक में 4 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य शामिल हैं, साथ ही उन्होंने चार विश्व खिताब भी अपने नाम किए हैं।

अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना को क्रमशः एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर के लिए आईसीसी के महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अभिषेक ने इस दौरान सात मैच में 44.85 के औसत और 200 के शानदार स्ट्राइक-रेट से 314 रन बनाए।

एशिया कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट% चुने गए 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अब तक के अपने सर्वोधिक रेटिंग अंक भी हासिल किए। उन्होंने टीम के अपने साथी कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट को पछाड़कर महीने के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का गौरव पाया।

अभिषेक ने कहा, 'आईसीसी का यह पुरस्कार जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है और मुझे खुशी है कि यह मुझे कुछ महत्वपूर्ण मैचों के लिए मिला है जिनमें मेरी मदद से जीत संभव हो सकी। मुझे उस टीम का हिस्सा होने पर फक्र है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी जीत दिला सकती है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हमारा हालिया रिकॉर्ड हमारी बेहतरीन टीम संस्कृति और सकारात्मक सोच को दर्शाता है।'

वहीं मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया और तीन मैचों में 58, 117 और 125 रन बनाए। भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान ने इस दौरान चार एकदिवसीय मैचों में 77 के औसत और 135.68 के स्ट्राइक रेट से 308 रन बनाए।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारत के अभियान की तैयारी में जुटी मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक लगाया, जब उन्होंने तीसरे मैच में सिर्फ 50 गेंदों पर शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स और पाकिस्तान की सिदरा अमीन भी इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल थीं। मंधाना ने कहा, 'इस तरह का सम्मान एक खिलाड़ी के रूप में आपको आगे बढ़ने और अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है। मेरा लक्ष्य हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर टीम के लिए मैच जीतना रहा है।'

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका में होगी टक्कर

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में शुक्रवार को मेजबान श्रीलंकाई टीम का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। श्रीलंकाई टीम के पास इस मैच जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश करने का अवसर है। श्रीलंका को दो मैच रद्द होने के कारण अभी तक दो अंक ही मिले हैं और वह चार मैचों के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। ऐसे में उसके लिए ये मैच जीतना बेहद जरुरी है। इस मैच में बारिश बाधा बन सकती है अगर ऐसा हुआ तो श्रीलंकाई टीम के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना कठिन हो जाएगा।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया था पर बारिश के कारण उसके हाथ आया मैच निकल गया था। तब उस मैच में कप्तान चमारी अटापट्टू और नीलक्षिका सिल्वा ने अर्धशतक लगाकर टीम की जीत तय कर दी थी।

अब श्रीलंकाई टीम को उम्मीद रहेगी की ये दोनो ही खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन करें। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम ने भारत और बांग्लादेश को करीबी मैचों में हराया था और इससे उसका मनोबल बढ़ा है। उसे टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी पर उसके बाद उसने न्यूजीलैंड, भारत और बांग्लादेश को हराकर जबरदस्त वापसी की।

भारत और बांग्लादेश के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की ओर से नादिन डी क्लार्क ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। जिससे अब श्रीलंकाई टीम को बचना होगा। दक्षिण अफ्रीका की अब तक की कमजोरी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अच्छी शुरुआत के बाल भी लंबी पारी नहीं खेल पाना है। ऐसे में अगर उसे जीत हासिल करनी है तो उसके सभी बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी, इमेशा दुलानी, देवमी विहंगा, पिउमी वाथसाला, इनोका राणावीरा, सुगंधिका कुमारी, उदेशिका प्रबोदानी, मल्की मदारा, अचिनी कुलसुरिया।

दक्षिण अफ्रीका: लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), ताज़मिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसन, मारिज़ैन कप्प, एनेके बॉश, सिनालो जाफ्टा (विकेटकीपर), क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नॉनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुसोनगेस, नोंदुआबोमिसो म्लाबा।

लियोनेल मेसी ने तोड़ा नेमार का बड़ा रिकॉर्ड, अर्जेंटीना की 6-0 की जीत में रचा इतिहास

स्पोर्ट्स डेस्क। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक माइलस्टोन हासिल कर लिया है। उन्होंने प्योर्टो रिको के खिलाफ हुए फ्रेंडली मैच में दो शानदार असिस्ट दिए और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए, नेमार को पीछे छोड़ते हुए।

इंटर मियामी स्टार मेसी ने इस मुकाबले में अर्जेंटीना को 6-0 की शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहले हाफ में गोंजालो मोंटियल को असिस्ट दिया और फिर दूसरे हाफ में लौतारो मार्टिनेज के लिए पास बनाकर अपनी टीम का छठा गोल कराया। अब मेसी के नाम अर्जेंटीना के लिए 60 असिस्ट और 114 गोल दर्ज हैं। वहीं नेमार ने ब्राजील के लिए 59 असिस्ट किए थे। इस प्रदर्शन के साथ मेसी के क्लब और देश मिलाकर कुल 398 असिस्ट हो चुके हैं, और वे जल्द ही 400 असिस्ट का ऐतिहासिक आंकड़ा छू सकते हैं।

मैच के बारे में मेसी ने कहा, 'टीम के साथ खेलना हमेशा सम्मान की बात होती है, और रिकॉर्ड्स तभी मायने रखते हैं जब वे जीत में बदलें।'

हाल में संन्यास लेने वालों को ही बनाया जाये चयनकर्ता : रहाणे

मुम्बई । बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि हाल में संन्यास लेने वाले प्रथम श्रेणी खिलाड़ियों को ही राज्यों की चयन समिति में अवसर मिलना चाहिये। रहाणे के अनुसार ये इसलिए क्योंकि वे खेल के बदलते स्वरूप को आसानी से समझ सकते हैं। अभी चयन समिति के लिए कम से कम प्रथम श्रेणी के 10 मैचों का अनुभव जरुरी होता है। इसके अलावा उसके संन्यास लिए हुए पांच साल हो गये हों। वहीं रहाणे ने कहा कि यह जरुरी है कि चयनकर्ताओं की मानसिकता और रवैया क्रिकेट की वर्तमान गति से मेल खाता हुआ हो। रहाणे ने पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के साथ बातचीत के दौरान कहा, ''खिलाड़ियों को चयनकर्ताओं से डरना नहीं चाहिए। मैं चयनकर्ताओं के बारे में बात करना चाहता हूं, खासकर घरेलू क्रिकेट में। हमारे पास ऐसे चयनकर्ता होने चाहिए जिन्होंने हाल में शीर्ष स्तर की क्रिकेट से संन्यास लिया हो।'' उन्होंने कहा, ''क्योंकि क्रिकेट जिस तरह से विकसित हो रहा है, मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी है कि चयनकर्ताओं की मानसिकता और सोच आज के दौर की हो। वहीं 20 से 30 साल पहले क्रिकेट कैसे खेला जाता था, इसके आधार पर अभी फैसले नहीं लिए जा सकते।'' उन्होंने कहा, ''टी20 और आईपीएल जैसे प्रारूपों में आधुनिक क्रिकेट खिलाड़ियों की शैली को समझना जरूरी है। मेरा मानना है कि जहां तक संभव हो, चयनकर्ता सभी राज्यों से होने चाहिए और खिलाड़ियों को मैदान पर आजादी से निडर होकर क्रिकेट खेलना चाहिए।'' वहीं पुजारा ने कहा, ''बड़े राज्यों में इसे लागू किया जा सकता है क्योंकि उनके पास बहुत सारे विकल्प हैं। इसलिए जहां तक संभव हो मैं इस बात से सहमत हूं कि इसे लागू किया जा सकता है पर इसका मतलब यह है कि किसी भी पूर्व क्रिकेटर को इस मौके से वंचित कर दिया जाना चाहिए क्योंकि वह बहुत पहले ही संन्यास ले चुका है जिसका रिकॉर्ड शानदार रहा है और जो अब चयनकर्ता बनना चाहता है।''

सुल्तान ऑफ जोहोर कप : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4-2 से हराया, तीसरे क्वार्टर में बदला मैच का रुख

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 के पूल-स्टेज के चौथे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से कप्तान रोहित (22') और अर्शदीप सिंह (60') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए ऑस्कर स्प्रूल (39', 42'), एंड्रयू पैट्रिक (40') और कप्तान डिलन डाउनी (51') ने गोल दागे।

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन भारत ने गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखते हुए खेल की गति तय की। शुरुआती पलों में ऑस्ट्रेलिया को गोल करने का मौका मिला, मगर गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव किया।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने 17वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन अनमोल एक्का का प्रयास बार के ऊपर चला गया। 22वें मिनट में मिले दूसरे कॉर्नर पर कप्तान रोहित ने सटीक हिट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 25वें मिनट में अमीर अली ने शानदार सोलो रन के बाद शॉट लिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने रोका।

तीसरे क्वार्टर में मैच का रुख पलट गया – ऑस्ट्रेलिया ने लगातार तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 39वें मिनट में ऑस्कर स्प्रूल ने बराबरी का गोल किया, उसके तुरंत बाद (40') एंड्रयू पैट्रिक ने रिबाउंड पर दूसरा गोल दागा। 42वें मिनट में स्प्रूल ने फिर शानदार बैकहैंड शॉट से अपना दूसरा गोल किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया 3-1 से आगे निकल गया।

49वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कप्तान रोहित का शॉट चूक गया। 51वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान डिलन डाउनी ने अपनी टीम का चौथा गोल दागा। मैच के आखिरी मिनट में अर्शदीप सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन से भारत के लिए दूसरा गोल किया, जिससे मुकाबला 2-4 पर समाप्त हुआ। अब भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को मेज़बान मलेशिया से होगा।

सलमान आगा से छीनेगी कप्तानी, अनुभवी ऑलराउंडर को मिल सकती है पाकिस्तान टी20 टीम की कमान

कराची। अनुभवी ऑलराउंडर शादाब खान को सलमान अली आगा की जगह पाकिस्तान की टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान की तरफ से अब तक 70 एकदिवसीय और 112 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा ले चुके शादाब ने इस साल के शुरू में लंदन में अपने कंधे की सर्जरी कराई थी इसके बाद वह खेल से बाहर हैं। शादाब हालांकि अब फिट हैं और वह अगले महीने वापसी कर सकते हैं। उनकी वापसी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वह सलमान की जगह राष्ट्रीय टी20 कप्तान बन सकते हैं। सर्जरी से पहले वह इस प्रारूप में उप-कप्तान थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि शादाब 11 से 15 नवंबर के बीच श्रीलंका के खिलाफ द्विपक्षीय घरेलू श्रृंखला में वापसी करेंगे, क्योंकि उनका रिहैब अच्छा चल रहा है। अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान सलमान की अगुवाई में एशिया कप में खेला था जहां उसे फाइनल में भारत से हार का सामना करना पड़ा था।

डेनमार्क ओपन 2025 : लक्ष्य सेन और सत्विक-चिराग ने प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कोपेनहेगन। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और पुरुषों की डबल्स जोड़ी सत्विकसायराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने डेनमार्क ओपन 2025 के प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन ने आयरलैंड के नाथ गुयेन को 10-21, 21-8, 21-18 से हराया, जबकि सत्विक-चिराग ने स्कॉटलैंड की जोड़ी क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमली को 17-21, 21-11, 21-17 से मात दी। लक्ष्य सेन, जो पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट हैं, ने पहले गेम में धीमी शुरुआत की और 10-21 से हार गए। लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए केवल 8 पॉइंट्स गंवाए और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य सेन ने अपने आत्मविश्वास का परिचय देते हुए मैच अपने नाम किया। यह लक्ष्य सेन की नाथ गुयेन के खिलाफ चौथे मैचों में से तीसरी जीत है। पुरुषों की डबल्स में, छठे सीड सत्विक-चिराग ने पहले गेम में हार के बावजूद दूसरे गेम में वापसी की और निर्णायक गेम में शानदार प्रदर्शन कर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। यह मैच 1 घंटे 4 मिनट तक चला। दूसरी ओर, मोहित और लक्षिता जगलान को मिक्स्ड डबल्स में इंडोनेशिया की जोड़ी अद्नान मौलाना और इंदाह चहया सरी जामिल के खिलाफ 21-14, 21-11 से हार का सामना करना पड़ा और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। सत्विक-चिराग, जिन्होंने पिछले महीने हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में लगातार उपविजेता स्थान हासिल किया था, इस बार बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं।

जापान ओपन : चोट के बावजूद नाओमी ओसाका ने क्वार्टर-फाइनल में बनाई जगह

ओसाका। जापान ओपन में नाओमी ओसाका ने चोट और भावनाओं से जूझते हुए क्वार्टर-फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने लगातार आंसू झोंकते हुए डिफेंडिंग चैंपियन सुझान लेमेंस को हराया। ओसाका ने मैच 7-6 (8/6), 3-6, 6-2 से जीता और अब उनका क्वार्टर-फाइनल मुकाबला रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन से होगा।

ओसाका ने कहा, 'इस मैच में मैं भावनात्मक रूप से बहुत कुछ महसूस कर रही थी। तीसरे सेट में मैंने पूरी कोशिश की कि कोई पछतावा न रहे।' फाइनल सेट में ओसाका 5-0 से आगे थी जब उन्हें बाएं पैर की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। भारी स्ट्रैपिंग के साथ वे कोर्ट पर लौटीं, अगले दो गेम हारने के बावजूद मैच 2 घंटे 20 मिनट में जीत लिया। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने विजयी शॉट के बाद चेहरे को हाथ लगाते हुए आंसू रोकते हुए नेट की ओर बढ़ीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने दर्द निवारक दवा ली थी, लेकिन चोट 'अच्छी नहीं लग रही'। 'मैं सही से नहीं हिल पा रही थी। लेकिन मुझे लगता है कि मैं जल्दी ठीक हो जाऊंगी, इसलिए अगले मैच में सब ठीक रहेगा।' 27 वर्षीय ओसाका यह पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं US Open 2025 के सेमीफाइनल के बाद, जहां वे अमांडा एनीसिमोवा से हार गई थीं। ओसाका अब दुनिया की 16वीं रैंक वाली खिलाड़ी हैं और 2021 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद किसी मेजर टूर्नामेंट के दूसरे सप्ताह में नहीं पहुंची थीं।

वनडे कप्तानी से हटने के बाद रोहित शर्मा को कैसे हो सकता है फायदा, पूर्व स्पिनर अमित मिश्रा ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि कप्तानी के बोझ से मुक्त होना सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे सीरीज़ में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए बेहद फ़ायदेमंद साबित हो सकता है। मिश्रा का कहना है कि अब रोहित पूरी तरह अपनी बल्लेबाज़ी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और गिल के नेतृत्व में टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

रोहित की कप्तानी का अंत और गिल की नई शुरुआत

7 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत के अपराजित अभियान का अंत एक परीकथा की तरह हुआ, जब रोहित शर्मा ने 76(83) रनों की शानदार पारी खेलकर प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार जीता। यह वनडे में रोहित का आखिरी कप्तानी प्रदर्शन था, क्योंकि चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को नई कप्तानी सौंपने का फैसला किया। गिल की कप्तानी की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया में होने वाले तीन वनडे मैचों से हुई।

पूर्व कप्तान रोहित अब केवल सलामी बल्लेबाज़ के रूप में खेलेंगे, जिससे उनके प्रदर्शन पर सीधे ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। मिश्रा ने कहा, 'रोहित के लिए यह अच्छी बात है कि अब उन पर कप्तानी का दबाव नहीं है। उन्हें अपनी बल्लेबाज़ी पर ध्यान देना होगा और टीम को जीत दिलाने में मदद करनी होगी। वह गिल की मदद भी कर सकते हैं, खासकर रणनीतिक और मानसिक मामलों में।'

गिल की कप्तानी में चुनौती और अवसर

26 वर्षीय शुभमन गिल को इंग्लैंड के पांच मैचों के कठिन टेस्ट दौरे के लिए कप्तानी सौंपी गई थी। मिश्रा ने गिल की क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी युवा उम्र में नेतृत्व लेना उन्हें जल्दी परिपक्व बना देगा। गिल ने टेस्ट सीरीज़ में 754 रन बनाए, जिसमें उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी 269 रन रही और सीरीज़ 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

मिश्रा ने कहा, 'गिल के लिए जल्दी कप्तानी सौंपी जाना अच्छा है। 'वह पिछले दो सालों से आईपीएल में कप्तानी कर रहे हैं और दुनिया के टॉप खिलाड़ियों का नेतृत्व कर चुके हैं। जल्दी नेतृत्व मिलने से वह जल्दी परिपक्व होंगे और आने वाले वर्षों में टीम का लंबा नेतृत्व कर पाएंगे।'

कप्तानी से मुक्त होने का रोहित पर प्रभाव

मिश्रा ने आगे कहा कि कप्तानी के बिना खेलना रोहित के लिए मानसिक रूप से सकारात्मक रहेगा। 'अब रोहित पर सीधे दबाव नहीं है। वह खुलकर खेल सकते हैं, अपनी बल्लेबाज़ी पर ध्यान दे सकते हैं और टीम के लिए परिणाम ला सकते हैं। गिल के नेतृत्व में खेलते हुए रोहित अपनी अनुभवसंपन्न भूमिका निभा सकते हैं, जिसमें रणनीतिक सुझाव और अनुभव साझा करना शामिल है।'

पूर्व स्पिनर के अनुसार, रोहित का अनुभव युवा गिल के लिए मार्गदर्शन का काम करेगा। मिश्रा ने कहा, ÷रोहित और गिल की जोड़ी संतुलन बनाएगी। रोहित टीम में अनुभव लेकर आएँगे, और गिल नेतृत्व में नयी ऊर्जा और दृष्टिकोण देंगे। यह संयोजन भारतीय टीम के लिए बहुत सकारात्मक है। गिल को इसका आनंद लेना चाहिए और जल्द से जल्द परिपक्व होने की कोशिश करनी चाहिए। रोहित को कप्तानी से मुक्त होने से मानसिक राहत मिली है, और वह टीम के लिए अपने प्रदर्शन में योगदान देंगे।'

ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत की वनडे टीम

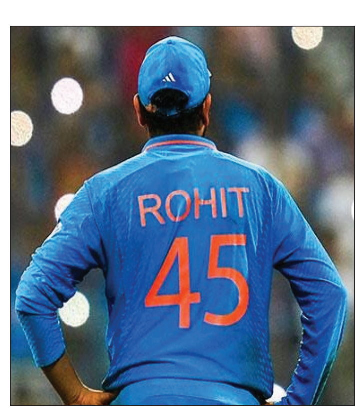

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेट कीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), यशस्वी जायसवाल।

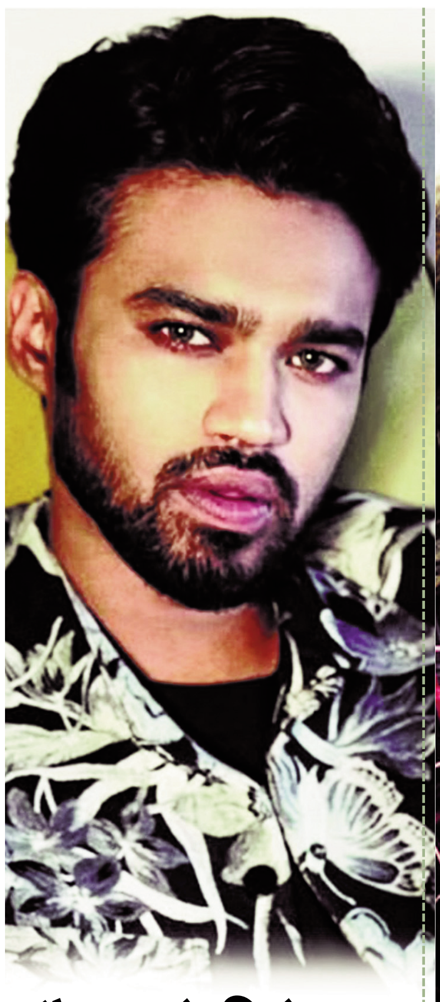

मैं अपने डिप्रेशन से लड़ रहा था

बाबिल खान ने जब एक्टिंग करियर शुरू किया तो वह अपने संजीदा अभिनय के लिए जाने गए। लेकिन कुछ महीनों पहले उनका एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह रोते हुए दिखे। इंडस्ट्री के कई लोगों को फेक बताते नजर आए। बाद में बाबिल की मां ने एक बयान जारी कर बताया कि वह मुश्किल दौर से जूझ रहे हैं। इस वीडियो के महीनों बाद अब बाबिल की एक सोशल मीडिया पोस्ट सामने आई है। जिसमें वह अपने डिप्रेशन प्रॉब्लम का जिक्र कर रहे हैं। यह पोस्ट देखकर कई बॉलीवुड सेलेब्स बाबिल को सपोर्ट करते भी दिखाई दिए।

अपनी पोस्ट में कविता कहने के अंदाज में लिखते हैं, 'मैं छुपकर सुनने का इरादा नहीं रखता था, इस कांच के घर की दीवारें पतली हैं। मैंने अपना दिल खोलकर रखा था। अब मेरे पास खून से सनी टी-शर्ट हैं। मुझे ठीक होने के लिए समय चाहिए था। मेरे भीतर के डिमन ने मुझे गहरे जख्म दिए हैं। नींद ना आना और घबराहट ने मुझे अजीब-अजीब चीजें सोचने पर मजबूर कर दिया था। मैं मदद के लिए पुकार रहा था, मैं अपनी आवाज को दबा नहीं पा रहा था। यह सबकुछ मेरी सेहत पर भारी पड़ रहा था। मेरी आत्मा थक चुकी थी। जब तुम अपनी प्रेमिका से लड़ रहे थे, तब मैं अपने अवसाद से लड़ रहा था।' बाबिल खान की हालिया पोस्ट पर बॉलीवुड सेलेब्स भी रिएक्ट रहे हैं। अपारशक्ति खुराना ने 'भाई' लिखते हैं, हार्ट इमोजी बनाया है। वहीं विजय वर्मा ने लिखा, 'हम तुम्हारे साथ हैं बाबिल।' गुलशन देवैया ने लिखा, 'देखो, यहां कौन आया है?' टीवी एक्टर हिमांशु सोनी ने भी बाबिल की पोस्ट को लाइक किया है। फैंस ने भी बाबिल को अपना सपोर्ट दिया है। एक यूजर ने लिखा, 'चलो भाई हो गया जो होना था, अब फिल्में करो, कविता लिखो, अपनी आर्ट को बाहर निकालो। मूव ऑन करो, अपनी विरासत को आगे बढ़ाओ।' इस तरह के सपोर्टिंग कमेंट्स कई फैंस बाबिल के लिए करते दिखाई दिए।

न्यूयॉर्क से दिल्ली पहुंचीं प्रियंका चोपड़ा; राजामौली की फिल्म की शूटिंग करेंगी

प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में कुछ फोटो पोस्ट कीं। वह न्यूयॉर्क से दिल्ली पहुंची हैं। दिल्ली की खूबसूरती ने प्रियंका दिल जीत लिया है। जल्द ही वह साउथ की एक मेगा बजट फिल्म का शूटिंग शेड्यूल पूरा करेंगी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी एक फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'कभी लगता है कि मैं प्लेन में रहती हूं।' आगे वह दिल्ली पहुंचने की फोटो शेयर करती हैं। इसके बाद कार में बैठकर दिल्ली की खूबसूरत को अपने फोन के कैमरे में कैद करती हैं। साथ ही कैप्शन लिखती हैं, 'दिल्ली की खूबसूरती।' ऐसा लगता है कि भारत आकर प्रियंका का मन खुशी से फूला नहीं समा रहा है।

विज्ञापन

राजामौली की फिल्म की शूटिंग करेंगी

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एस एस राजामौली की फिल्म 'SSMB29' का अगला शूटिंग शेड्यूल पूरा करेंगी। वह पहले भी इस फिल्म की शूटिंग के लिए भारत आ चुकी हैं। इस फिल्म में साउथ के पॉपुलर एक्टर महेश बाबू लीड रोल में हैं। फिल्म को बहुत बड़ा स्तर पर बनाया जा रहा है। शूटिंग को पूरी तरह से सीक्रेट रखा गया है।

निक जोनस संग दिवाली पार्टी मनाकर आईं

सोमवार को प्रियंका चोपड़ा दिल्ली पहुंचीं। लेकिन रविवार को वह न्यूयॉर्क में पति निक जोनस के साथ एक दिवाली पार्टी में भी नजर आईं। दिवाली पार्टी में प्रियंका चोपड़ा का लुक काफी चर्चा में रहा। प्रियंका ने पिछले दिनों निक के लिए करवाचौथ का व्रत भी किया था। सेलिब्रेशन, वेकेशन से जुड़ी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा करती रहती हैं।

पूजा हेगड़े का कौन सा सीक्रेट जानना चाहते हैं वरुण धवन? खास अंदाज में किया बर्थ डे विश

पूजा हेगड़े ने सोमवार को अपना 35वां जन्मदिन मनाया है। वरुण धवन ने अपनी इस को-एक्ट्रेस को एक दिन देर से बर्थ डे विश किया। लेकिन वरुण धवन ने अलग ढंग से पूजा को बर्थ डे विश किया है। एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में वरुण ने शेयर किया, उस पर एक खास सीक्रेट को सबसे साथ शेयर करने की रिक्वेस्ट पूजा हेगड़े से की।

अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट पर वरुण धवन लिखते हैं, 'हैप्पी बर्थ डे पूजा जी। प्लीज, अपने ब्यूटी सीक्रेट बताएं। दुनिया के लिए इतनी बुरी बनना बंद कर दें।' वरुण ने जो वीडियो पूजा का बनाया है, उसमें वह अपना स्किन केयर कर रही हैं। वह पूजा की मेकअप आर्टिस्ट से सीक्रेट ब्यूटी प्रोडक्ट के बारे पूछते हैं, तो वह बताने से इंकार कर देती हैं। इस इस फिल्म में नजर आएंगे पूजा और वरुण वरुण धवन और पूजा हेगड़े फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आएंगे। इस फिल्म में मौनी रॉय भी नजर आएंगी। फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा बता जा रही है। वरुण धवन की हाल ही में एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' भी रिलीज हुई, जो बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं दिखा सकी है। इस फिल्म में वरुण के साथ जान्हवी कपूर नजर आईं।

बिहार पर बेस्ड होगी सोनू सूद की अगली फिल्म

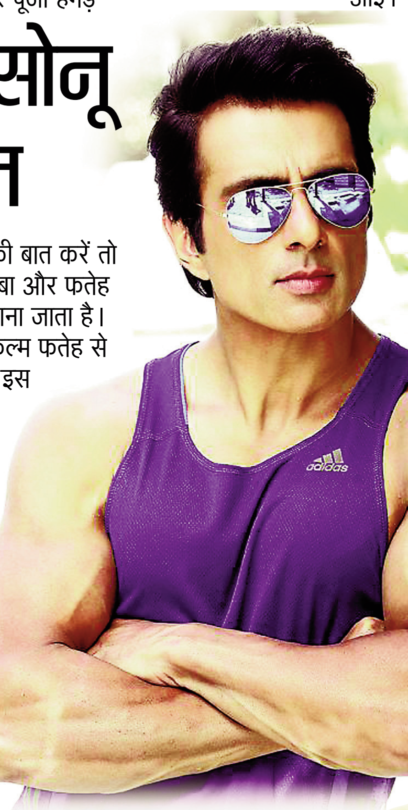

गरीबों के मसीहा के रूप में लोकप्रिय अभिनेता सोनू सूद आज रविवार को बिहार की राजधानी पटना पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी आगामी फिल्म पर पत्ते खोले और कहा कि उनकी अगली फिल्म बिहार राज्य पर बेस्ड है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बिहार से उनका गहरा कनेक्शन है।

बातचीत में सोनू सूद ने कहा, अपनी मिट्टी से एक अलग ही लगाव है। वापस आया हूं और आता ही रहूंगा। उन्होंने यह भी बताया कि वह बिहार पर एक फिल्म बना रहे हैं। एक्टर ने कहा ,इवेंट भी होने वाला है..स्टार्ट भी करने वाले हैं..पटना अपनी मिट्टी है और जो अगली फिल्म भी कर रहा हूं वो बिहार पर आधारित है।

सोनू सूद के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें जोधा अकबर, सिम्बा और फतेह जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। उन्होंने एक्शन थ्रिलर फिल्म फतेह से निर्देशन में कदम रखा। इस फिल्म में सोनू सूद के साथ नसीरुद्दीन शाह, जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और दिव्येंदु भट्टाचार्य भी नजर आए। अपने फिल्मी करियर के अलावा सोनू सूद अपने चैरिटी कार्यों के लिए जाने जाते हैं।

वरुण धवन ने सच में छोड़ी नो एंट्री

बोनी कपूर ने बताया सच

बॉलीवुड में बीते कुछ दिनों से चर्चा थी कि अभिनेता वरुण धवन ने फिल्म 'नो एंट्री 2' से किनारा कर लिया है। सोशल मीडिया पर खबरें फैलने लगीं कि वरुण अब इस मल्टीस्टारर कॉमेडी फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। लेकिन अब खुद फिल्म के निर्माता बोनी कपूर ने इन सभी अटकलों पर विराम लगा दिया है। उन्होंने साफ किया है कि वरुण धवन और अर्जुन कपूर दोनों ही फिल्म का हिस्सा बने हुए हैं और फिल्म की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं।

अफवाहों पर बोनी कपूर की सफाई

हाल ही में मीडिया में आई खबरों में दावा किया गया था कि वरुण धवन ने 'नो एंट्री 2' छोड़ दी है, जिसके बाद प्रशंसकों में निराशा फैल गई। इसी बीच बोनी कपूर ने एक बयान जारी कर स्थिति साफ की। जूम के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, हम 'नो एंट्री में एंट्री' बना रहे हैं और वरुण और अर्जुन दोनों ही फिल्म में हैं। हम बस तीसरे हीरो और बाकी कास्ट को फाइनल करने की प्रक्रिया में हैं। इस बयान के साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म के मूल कलाकारों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और टीम फिलहाल बाकी कलाकारों के चयन में व्यस्त है।

दिलजीत दोसांझ की एग्जिट से उठे सवाल

कुछ दिन पहले यह खबर भी सामने आई थी कि फिल्म से दिलजीत दोसांझ ने अपना नाम वापस ले लिया है। इस खबर के बाद ही लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया था कि शायद वरुण धवन ने भी फिल्म छोड़ दी हो। हालांकि बोनी कपूर ने इन सबको गलत साबित कर दिया।

कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी मौनी

पिछले साल मौनी ने कई प्लेटफॉर्म्स और फॉर्मेट्स में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से साबित किया कि वे किसी भी रोल में जान डाल सकती हैं। अब वे बिना किसी ब्रेक के एक प्रोजेक्ट से दूसरे प्रोजेक्ट पर तेज़ी से कदम रख रही हैं। उन्होंने 'द भूतनी' और 'सलाकार' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय कर दर्शकों का मन मोह लिया और एक बार फिर एक अभिनेत्री के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी आने वाली फ़िल्मों का लाइनअप भी उतनी ही प्रभावशाली है – वह जल्द ही कॉन्टिलो पिक्चर्स की फ़िल्म 'महायोद्धा राम' में माँ सीता को अपनी आवाज़ देंगी, मधुर भंडारकर के साथ 'द वाइव्स' में फिर से नज़र आएंगी, और वरुण धवन के साथ 'है जवानी तो इश्क होना है' में स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। हर प्रोजेक्ट में उनकी प्रतिभा का एक अलग पहलू दिखाई देता है, चाहे वो ड्रामा हो, वॉइस एक्टिंग हो या एनर्जेटिक डांस परफॉर्मेंस। लेकिन शायद मौनी के पहले से ही बिजी शेड्यूल का सबसे रोमांचक हिस्सा है उनका पहला टॉलीवुड डेब्यू – मेगास्टार चिरंजीवी के साथ फिल्म 'विश्वंभरा' में। यह कदम उन्हें न सिर्फ एक प्रतिभाशाली बल्कि एक भरोसेमंद स्टार के रूप में और मज़बूत करता है।

बॉक्स ऑफिस के नतीजों से परे हैं कोंकणा सेन शर्मा

अभिनेत्री और फिल्ममेकर कोंकणा सेन शर्मा इन दिनों अपने नए शो सर्च- द नैना मर्डर केस को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज मशहूर डेनिश शो द किलिंग का भारतीय रूपांतरण है, जिसने इंटरनेशनल लेवल पर खूब सराहना पाई थी। इस हिंदी एडाप्टेशन का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है। बातचीत में कोंकणा ने इस प्रोजेक्ट, अपने अनुभवों और निजी विचारों पर खुलकर बात की।

बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत बड़ी चुनौती निभाने जैसा

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किए जाने पर पहला रिएक्शन क्या था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि वह बहुत उत्साहित थीं। एक्ट्रेस बोलीं- आप कोई भी ओरिजनल सीरीज तभी करना चाहेंगे जब उसका स्क्रिप्ट और कहानी वाकई में अच्छी हो, वरना क्या फायदा। यह बहुत पुराने और फेमस शो का अडॉप्टेशन है। मैंने इसका अमेरिकन वर्ज़न भी देखा है, जिसके बहुत सारे प्रशंसक हैं। उस शो की जो डिटेक्टिव है, उसके तो लाखों फॉलोअर हैं। मुझे लगा कि यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत बड़ी चुनौती निभाने जैसा। मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही थी कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला। कोंकणा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का सबसे अच्छा हिस्सा यह था कि इसे रोहन सिप्पी डायरेक्ट कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा, रोहन के साथ मैंने बहुत साल पहले काम किया था। वह बहुत रिलैक्स्ड और क्रिएटिव डायरेक्टर हैं। वह वैसे निर्माता नहीं हैं जो दूरी बना लें, बल्कि कलाकारों के साथ बहुत सहयोगी रहते हैं। हमने पहले भी साथ में कई अजीबो-गरीब और मजेदार चीजें की हैं। इसलिए जब उन्होंने इस बार मुझे एक गहरी, सोचने वाली, मूडी डिटेक्टिव के रूप में कास्ट किया, तो मैं बहुत खुश हुई। मैंने पहले कभी पुलिस का किरदार नहीं निभाया था, इसलिए मेरे लिए यह बिल्कुल नया और रोमांचक अनुभव था।

बॉक्स ऑफिस और बिज़नेस से कोई फर्क नहीं पड़ता

बॉक्स ऑफिस और बिज़नेस पहलू पर उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं ज्यादा रचनात्मक चीजों में दिलचस्पी रखती हूं। वैसे भी मैं बड़े बजट की फिल्मों में ज्यादा नहीं होती, तो पैसे या रिकवरी की चिंता नहीं रहती। मैं असल (हकीकत समझने वाली) अभिनेत्री हूं और बजट में फिट हो जाती हूं। वह हंसते हुए जोड़ती हैं, निर्माता जब मुझे लेते हैं, तो वे पहले ही अपना शोध कर चुके होते हैं। मैं उस हिस्से में दखल नहीं देती क्योंकि सच कहूं तो वह मेरा क्षेत्र नहीं है।

रियल लाइफ में भी थोड़ा वैसा ही बर्ताव करने लगती हूं

शूटिंग के अनुभवों पर बात करते हुए कोंकणा ने बताया कि इस शो के दौरान उन्होंने अपने किरदार से बहुत कुछ सीखा। इस बारे में उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझमें और इस किरदार में कई समानताएं हैं। मैं जब भी कोई किरदार निभाती हूं, तो उसमें अपने अंदर से कुछ न कुछ खोज लेती हूं। शायद मैं नैचुरली ऐसी ही हूं और फिर रियल लाइफ में भी थोड़ा वैसा ही बर्ताव करने लगती हूं। वह हंसते हुए कहती हैं, इस सीरीज की खासियत ही इसका तनाव और कैमरे के सामने की बारीक कैमिस्ट्री है। यही चीज़ ओरिजनल में भी बहुत खास थी। उन्होंने अपने सह-कलाकार सूर्या शर्मा की भी खूब तारीफ की। सूर्या के साथ काम करना बहुत प्यारा अनुभव था। वह न केवल बेहतरीन अभिनेता हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।

मेट्रो इन दिनों था आखिरी प्रोजेक्ट

कोंकणा सेन शर्मा आखिरी प्रोजेक्ट मेट्रो इन दिनों में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी, आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली जफर, सान्या मल्होत्रा जैसे कलाकार मौजूद थे।

कॉमेडी और क्राइम का मिश्रण मेरा पसंदीदा जॉनर है

कोंकणा कई अलग-अलग शैलियों में काम कर चुकी हैं जैसे ड्रामा, क्राइम, कॉमेडी और स्वतंत्र सिनेमा। जब उनसे पूछा गया कि बतौर दर्शक वह किस तरह की कहानियां देखना पसंद करती हैं, तो उन्होंने कहा, मेरा कोई तयशुदा जॉनर नहीं है। कोई भी फिल्म या शो अगर अच्छा बना हो, तो मैं देख सकती हूं। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि वह कॉमेडी है या क्राइम। हां, हॉरर या अलौकिक चीजों से मुझे थोड़ा डर लगता है। पैरानॉर्मल एक्टिविटी जैसी फिल्में मैं कभी-कभी देखने से बचती हूं। वरना मुझे कॉमेडी भी बहुत पसंद है और क्राइम भी। शायद मैं कहूं कि कॉमेडी और क्राइम का मिश्रण मेरा पसंदीदा जॉनर है।

मूर्तियों के सिवा भी बहुत कुछ है खजुराहो में

कलाकृतियां भी किसी स्थल की सांस्कृतिक विशेषता हो सकती हैं इसका सबसे अच्छा उदाहरण खजुराहो के रूप में दिया जा सकता है। खजुराहो के मंदिरों का निर्माण दसवीं-ग्यारवहीं शताब्दी के बीच में चंदेल नरेशों ने किया था। एक सौ वर्ष की इस अवधि के दौरान उन्होंने कलापूर्ण, भव्य और मनोहारी 85 मंदिरों का निर्माण करवाया। इनमें से 25 अभी भी मौजूद हैं।

ये मंदिर भारतीय वास्तुशिल्प और मूर्तिकला के अनुमप उदाहरण के रूप में जाने जाते हैं। यद्यपि अधिकांश विदेशी पर्यटकों के लिए खजुराहो का मुख्य आकर्षण मैथुन मूर्तियां हैं पर देखा जाए तो खजुराहो में देखने के लिए और भी बहुत कुछ है।

इतिहास बताता है कि श्रीहर्ष के निधन के बाद भारत के राजनीतिक क्षितिज पर राजपूतों का वर्चस्व रहा। मध्य युग को तो एक तरह से राजपूतों का ही युग कहा जा सकता है। राजपूत स्वयं को अग्रिकुल का सदस्य मानते हैं। वैसे वैदिक साहित्य में राजपूत शब्द नहीं मिलता लेकिन यह सत्य है कि हिन्दू धर्म और संस्कृति की रक्षा में राजपूत सदैव आगे रहे। उन्होंने वीरता और शौर्य के नये मानक स्थापित किए। भारतीय संस्कृति में राजपूतों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान विशाल, भव्य और सुंदर मंदिरों का निर्माण कहा जा सकता है।

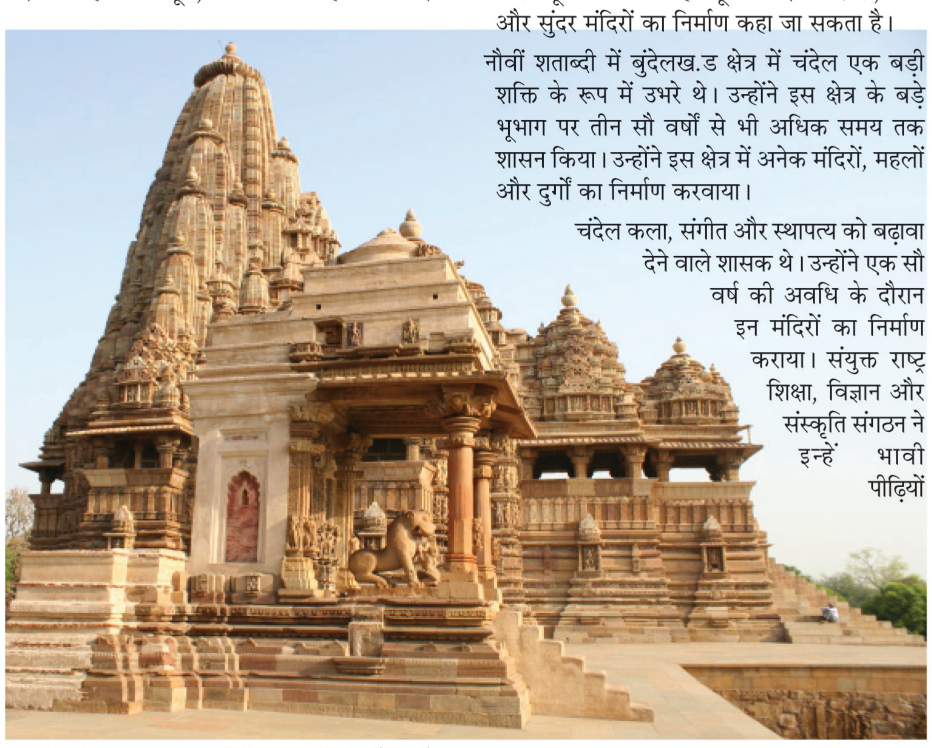

नौवीं शताब्दी में बुंदेलख.ड क्षेत्र में चंदेल एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरे थे। उन्होंने इस क्षेत्र के बड़े भूभाग पर तीन सौ वर्षों से भी अधिक समय तक शासन किया। उन्होंने इस क्षेत्र में अनेक मंदिरों, महलों और दुर्गों का निर्माण करवाया।

चंदेल कला, संगीत और स्थापत्य को बढ़ावा देने वाले शासक थे। उन्होंने एक सौ वर्ष की अवधि के दौरान इन मंदिरों का निर्माण कराया। संयुक्त राष्ट्र शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति संगठन ने इन्हें भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने हेतु इन्हें विश्व विरासत स्थल घोषित कर दिया है। खजुराहो में वैष्णव, शैव और जैन तीनों सम्प्रदायों के मंदिर मौजूद हैं। खास बात यह है कि इन मंदिरों की रचना में एक ही शैली का अनुसरण किया गया है। चौंसठ योगिनी, ब्रह्मा और लाल शुआन महादेव के मंदिर को छोड़ कर सभी शेष मंदिर पन्ना की खानों से निकाले गए पत्थरों से बनाए गए हैं।

इन मूर्तियों के शिल्पकार मानव आकृतियों और मनोभावों के अद्भुत चितेरे थे। उन्होंने सभी मंदिरों के बाहरी भाग को विभिन्न भावपूर्ण मानव आकृतियों से अलंकृत किया। खजुराहो के मूर्तिकारों ने विभिन्न भावों को इतनी कलात्मकता से चित्रित किया है कि खजुराहो के मंदिरों को पत्थरों पर उकेरी कविता भी कहा जा सकता है। खजुराहो की मूर्तियों को पांच वर्गों में बांटा जा सकता है।

पहले वर्ग में विभिन्न सम्प्रदायों के मुख्य देवी देवताओं की मूर्तियां हैं। जिनको कि गर्भगृह में स्थान दिया गया है। दूसरे वर्ग में परिवार के सदस्य, अनुचर, गौण देवी देवता और द्वारपाल हैं। इन्हें आलों या ताक में स्थान दिया गया है। तीसरे वर्ग में अप्सराओं और सुर-सुंदरियों की मूर्तियां आती हैं। इन्हें मंदिर की बाहरी दीवारों, खंभों और छत पर उत्कीर्ण किया गया है। घरेलू जीवन की झलकियां, पाठशाला के दृश्य, नृत्यांगनाएं और मिथुन मूर्तियां चौथे वर्ग में आती हैं। इन्हें मंदिर की बाहरी दीवारों पर चित्रित किया गया है। पांचवें वर्ग में पशुओं की मूर्तियां हैं- शार्दूल, सीगों वाला शेर, उस पर सवार धनुर्धारी और उस पर एक योद्धा का आक्रमण।

यहां के मंदिरों की विशेषता यह है कि प्रत्येक मंदिर एक चबूतरे पर बना है, जो आसपास के क्षेत्र से कुछ अधिक ऊंचाई पर है। यह चबूतरा दो काम करता है- मंदिर की परिक्रमा का रास्ता बनाता है तथा भक्तजनों को बैठने, विश्राम करने और चहल-कदमी करने के लिए स्थान प्रदान करता है। मंदिर की मध्य छत अनेक शिखरों का आभास देती है। सर्वोच्च शिखर गर्भगृह के ऊपर है। मंदिरों के विभिन्न भाग एक दूसरे के साथ भीतर और बाहर से जुड़े हैं। पूर्व से पश्चिम को जाने वाली एक धुरी पर बनाए गए ये मंदिर एक सम्पूर्ण इकाई का रूप धारण करते हैं। सभी मंदिरों में अर्ध मंडप, मंडप अंतराल और गर्भगृह हैं। कंदरिया महादेव जैसे बड़े मंदिर में अतिरिक्त स्थान भी मौजूद हैं।

खजुराहो ने चंदेल नरेशों का वैभव, पराक्रम और कलात्मक गतिविधियां देखने के साथ ही गुमनामी का दौर भी देखा है। चौदहवीं शताब्दी में जब आबू रिहान अल बरूनी ने भारत की यात्रा की तो उसने खजुराहो को एक सम्पन्न नगर के रूप में पाया। इब्न बतूता ने भी इस क्षेत्र के मंदिरों को साधु-संन्यासियों से भरा पाया। फिर खजुराहो लोकमानस में गुम हो गया। इन मंदिरों को दुबारा 1838 में खोजने का श्रेय ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी टीएस बर्ट को जाता है।

अब जबकि खजुराहो के मंदिरों के निर्माण को एक हजार वर्ष से भी ज्यादा समय हो चुका है। खजुराहो को रेल मार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव आया है जिससे अधिक से अधिक लोग यहां की सांस्कृतिक विशेषताओं और विरासतों से अवगत हो सकें।

लें पिकनिक का फुल मजा

मौसम है छुट्टियों का और छुट्टियों में मौज-मस्ती करना भला किसे अच्छा नहीं लगता? उसमें भी जब पूरी फैमिली के साथ मौज-मस्ती का सुनहरा मौका पिकनिक के तौर पर मिले, तो खुशियां दोगुनी हो जाती हैं। खासकर तब जब आप छुट्टियों में किसी कारण से शहर से बाहर नहीं जा पा रही हैं। लेकिन कई बार छोटी-छोटी बातों पर ध्यान नहीं देने से पिकनिक उतनी मजेदार नहीं हो पाती, जितना कि हम

सबसे पहले यह सुनिश्चित कर लें कि पिकनिक के लिए आपको जाना कहां है ? जैसे अपने ही शहर के दूरदराज लोकेशन या फिर आउट ऑफ टाउन। उस जगह की पूरी जानकारी पहले ही प्राप्त कर लें।

पिकनिक के लिए जरूरी सामान की लिस्ट बना लें ताकि कोई जरूरी सामान छूट न जाएं।

यदि पिकनिक का प्लान शहर के आस-पास जाने के लिए ही बनाया है तो फिर ज्यादा सामान कैरी न करें। आपके साथ कितने लोग जा रहे हैं, इस हिसाब से भी लिस्ट बनाएं।

अमूमन सभी पिकनिक स्पॉट पर खाने-पीने का सामान महंगा मिलता है। अत- यह बात पहले ही तय कर लें कि खाना वहां पर मंगवाना है या घर से बना-बनाया खाना ले जाना है या फिर वहां पर बनाना है।

अगर वहां पर खाना बनाना है तो एक छोटा सिलेंडर, गिल्र करने का सामान, खाना बनाने के आवश्यक बर्तन और डिस्पोजेबल थाली, कटोरी, ग्लास और कुछ पेपर नैपकिन अवश्य रखें।

जरूरी दवाइयां, फर्स्ट एड किट जरूर ले जाएं। आपकी आउटफिट ऐसी होनी चाहिए जिससे आपको वहां पर किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पिकनिक खत्म हो जाने के बाद सारी गंदगी जैसे पेपर, नैपकिन, जूठन आदि को समेट कर डस्टबिन में डाल दें।

यदि किसी ऐतिहासिक इमारत में घूमने आई हैं तो वहां पर किसी प्रकार की छेड़छाड़ न करें।

सेफ्टी टिप्स

पिकनिक का प्लान बनाते समय ज्यादा सुनसान जगह को तरजीह न दें।

यदि किसी लेक या झील के किनारे जाने की सोच रहे हैं तो और भी ज्यादा सतर्कता बरतने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसी जगहों पर दुर्घटना की संभावना ज्यादा रहती है।

यदि लेक में नहाने के मूड में हैं तो पहले पानी का अंदाजा जरूर लगा लें। अपने आस-पास चौकसी बरतें, क्योंकि हो सकता है कि आपको अकेला पाकर कोई आपका फोटो लेने की फिराक में हो। पानी का बहाव तेज हो तो ज्यादा आगे जाने की गलती न करें। नहाने के दौरान लाइफ बेल्ट भी साथ में रखना न भूलें।

हमेशा ग्रुप में ही पिकनिक मनाने के लिए जाएं। यदि ग्रुप में सिर्फ आप लड़की या महिला हैं तो ऐसी पिकनिक से परहेज करें।

झील और पहाड़ आदि का शॉट लेने के लिए ज्यादा उतावले न हों और न ही इसके लिए झील के आस-पास घूमती रहें। अच्छी शॉट के चक्कर में कभी भी पांव फिसल सकता है और आप झील में गिर सकती हैं।

पिकनिक के दौरान नशे के सेवन से बचें और न ही किसी के द्वारा दी गई ड्रिंक का सेवन करें।

इन जगहों पर ज्यादा जूलरी पहन कर न जाएं। बहुत ज्यादा कैश लेकर न जाएं। यदि जा भी रही हैं तो इस बारे में ज्यादा प्रचार न करें।

पहाड़ों की चादर ओढ़े मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं। मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉंग

मेघालय का कैपिटल शिलॉंग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉंग न देखें । शिलॉंग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉंग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉंग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉंग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉंग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक ह्द्द्ध्द्धह्लद्ध है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।